

अखिलेश का शाह पर पलटवार.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र



फिल्म ओम में साई पल्लवी के.... 11

वर्ष - 02, अंक - 211 | गाजियाबाद / सोमवार 02 नवम्बर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

राहुल विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे

● नड्डा बोले-आज के दिन ही सिखों का नरसंहार हुआ था

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया ब्लॉक की रामलीला मैदान में रैली के विरोध में भाजपा ने आज दिल्ली समेत देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च निकाला। दिल्ली में हरि नगर से तिलक नगर तक करीब एक किमी लंबा मार्च निकाला गया। इसमें 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ित परिवार और सिख समुदाय के लोग शामिल हुए। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस ने रामलीला मैदान में एसआईआर के खिलाफ रैली के लिए 1 नवंबर का दिन जानबूझकर चुना है। 1 नवंबर 1984 को सिख विरोधी हिंसा हुई थी। वहीं, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने हरियाणा के रोहतक में रैली निकाली। उन्होंने कहा



कि वोट चोरी कांग्रेस की विरासत है। ये वोट चोरी भी करते हैं और जनता के वोट का अपमान भी करते हैं। राहुल गांधी विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि आज सिख विरोधी हिंसा के पीड़ितों को याद करना चाहिए था लेकिन राहुल गांधी उन्हें भूलकर अपनी राजनीति चमका रहे हैं।

राहुल देश के लोकतंत्र को चुनौती देना चाहते हैं

नितिन नवीन ने कहा- राहुल गांधी विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे हैं। वे विदेशी ताकतों के इशारे पर देश के लोकतंत्र को चुनौती देना चाहते हैं। देश की 140 करोड़ जनता देख रही है, उसे मालूम है कि ये कौन लोग हैं। ये वही लोग हैं जिन्होंने विदेशों में अराजकता फैलाई। कांग्रेस के लोग कहते हैं कि सत्ता बदल देंगे।

उत्तरकाशी के केदारताल में फंसे 8 लोगों की तलाश जारी

● हेलीकॉप्टर से दो बार हवाई सर्वे, अब तक नहीं मिला सुराग

देहरादून/उत्तरकाशी (एजेंसी)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में गंगोत्री नेशनल पार्क क्षेत्र के केदारताल ट्रेक पर हिमस्खलन के बाद फंसे सात ट्रेकर्स और एक गाइड की तलाश जारी है। रविवार को हेलीकॉप्टर के माध्यम से क्षेत्र की दो बार हवाई रेकी की गई, लेकिन लापता लोगों या उनके टेंट का कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिला। अत्यधिक बर्फबारी और दुर्गम परिस्थितियों के कारण रेस्क्यू अभियान में मुश्किलें आ रही हैं। अभियान के लिए एनडीआरएफ की एक अतिरिक्त माउंटेनियरिंग टीम को जरूरी उपकरणों के साथ रवाना किया गया है। केदारताल क्षेत्र में फंसे आठ लोगों की तलाश के लिए हेलीकॉप्टर से दो बार हवाई सर्वे किया गया। हालांकि, इस दौरान लापता ट्रेकर्स या उनके टेंट की स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी।



अधिकारियों के अनुसार, इलाके में जगह-जगह हिमस्खलन होने के कारण पैदल रेस्क्यू करना मुश्किल है। ऐसे में हेली रेस्क्यू के जरिए अभियान चलाने की तैयारी की जा रही है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शार्दुल गुसाई ने बताया कि प्रतिकूल मौसम के चलते शनिवार को गंगोत्री लौट आई एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और गंगोत्री नेशनल पार्क क्षेत्र की टीमों को पैदल रेस्क्यू के लिए ट्रेक पर नहीं भेजा गया। देहरादून से हेलीकॉप्टर के रेस्क्यू अभियान के लिए उड़ान भरने की सूचना है।

13 सदस्यीय दल के चार सदस्य सुरक्षित लौटे

जानकारी के अनुसार, बीते मंगलवार को उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के ट्रेकर्स का 13 सदस्यीय दल गंगोत्री धाम से केदारताल ट्रेक के लिए रवाना हुआ था। दल के साथ गया एक कुक रास्ते से ही गंगोत्री वापस लौट आया था। बाकी सदस्यों की वापसी गुरुवार को होनी थी, लेकिन बाद में सूचना मिली कि हिमस्खलन के कारण दल भोजखड़क के पास फंस गया है। इसके बाद ट्रेकिंग एजेंसी ने दल की तलाश के लिए एक टीम भेजी। इस टीम को चार सदस्य सुरक्षित मिले, जो शनिवार को गंगोत्री लौट आए। शेष आठ लोगों में सात ट्रेकर्स और एक गाइड शामिल हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। फंसे हुए आठ लोगों की स्थिति का पता लगाने के लिए हेलीकॉप्टर से रेकी की गई थी। इस दौरान उनके सुरक्षित स्थान पर होने की जानकारी मिली थी। हालांकि, इनमें से एक ट्रेकर के सिर में चोट लगने की सूचना है। अत्यधिक बर्फबारी और दुर्गम रास्तों के चलते रेस्क्यू टीमों को अभियान आगे बढ़ाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एनडीआरएफ की अतिरिक्त माउंटेनियरिंग टीम को आवश्यक उपकरणों के साथ रवाना किया गया है। वहीं, गढ़वाल हिमालय माउंटेनियरिंग एंड ट्रेकिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष जयेन्द्र राणा ने किसी अप्रिय घटना से बचाव के लिए जल्द रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करने की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

बंजर जमीनों को हरा-भरा बना रहे गोवा के किसान

● खेती की नई शुरुआत, जर्मन विशेषज्ञों की ले रहे मदद

पणजी (एजेंसी)। गोवा के कृषि क्षेत्र में जल्द ही एक नया बदलाव देखने को मिल सकता है। बिचोलिम की किसान उत्पादक संस्था ने अपनी बंजर और खाली पड़ी जमीनों को उपजाऊ बनाने के लिए जर्मनी की आधुनिक कृषि तकनीकों और टिकाऊ खेती के तरीकों से प्रेरणा लेने का फैसला किया है। इस योजना के तहत किसान ने 1200 हेक्टेयर बंजर जमीन पर खेती

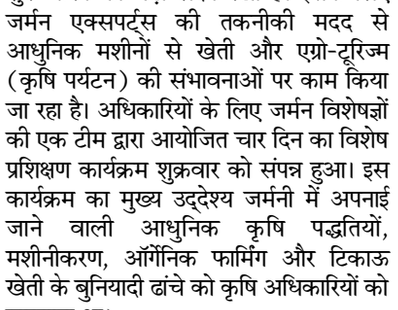


शुरू करने का बड़ा लक्ष्य रखा है। इसके लिए जर्मन एक्सपर्ट्स की तकनीकी मदद से आधुनिक मशीनों से खेती और एग्रो-टूरिज्म (कृषि पर्यटन) की संभावनाओं पर काम किया जा रहा है। अधिकारियों के लिए जर्मन विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा आयोजित चार दिन का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जर्मनी में अपनाई जाने वाली आधुनिक कृषि पद्धतियों, मशीनीकरण, ऑर्गेनिक फार्मिंग और टिकाऊ खेती के बुनियादी ढांचे को कृषि अधिकारियों को समझाना था।

अब आजम खान के परिवार पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार

● जौहर यूनिवर्सिटी में सचिव पत्नी-कोषाध्यक्ष बहन पर ईडी की टेढ़ी नजर

रामपुर (एजेंसी)। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में सपा नेता आजम खां को गिरफ्तार किया है। उन पर जौहर विश्वविद्यालय के निर्माण में 400 करोड़ से ज्यादा ब्लैक मनी और 80 करोड़ से अधिक सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप है। इसी प्रकरण में आजम के साथ जौहर ट्रस्ट को भी नामजद किया गया है जिसमें उनकी



पत्नी, दोनों बेटे और बहन आदि भी शामिल हैं। यही वजह है कि ईडी की कार्रवाई आगे बढ़ने पर आजम के स्वजन भी मुसीबत में फंस सकते हैं। ईडी की ओर से 13 अक्टूबर को अजीम नगर थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिकी में नामजद जौहर ट्रस्ट के जरिए ही जौहर विश्वविद्यालय का निर्माण कराया गया है। निजी विश्वविद्यालय में सरकारी धन का उपयोग हो या फर्जी फर्मों से चंदा लेने की बात, सब कुछ इसी ट्रस्ट के जरिये किया गया है। ऐसे में ट्रस्ट में शामिल सभी सदस्यों पर कार्रवाई की तलवार लटक रही है।

मोदी को हटाएंगे, तभी लोकतंत्र बचेगा

● रामलीला मैदान से सरकार पर बरसे मल्लिकार्जुन खरगे ● कहा-ज्ञानेश कुमार छोड़ेंगे नहीं, मोदी को जाना ही होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के रामलीला मैदान में एसआईआर के विरोध में इंडिया ब्लॉक की रैली हुई। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पाताल में क्यों न चले जाएं, हम उन्हें वहां से भी खोज लाएंगे। उन्होंने कहा कि मोदी आज लोगों में फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं, वे खुद वोट चुन रहे हैं। उनको वोट कौन देगा वे वोटर्स चुनते हैं। आज की केंद्र सरकार, बिहार सरकार, यूपी सरकार, ये सब चोरी की सरकार हैं। इन चोरों को निकालना है। इस रैली में मंच पर राहुल गांधी, अखिलेश यादव समेत 19 पार्टियों के नेता मौजूद रहे। इससे पहले विपक्ष का मार्च दोपहर 12 बजे मिंटो जंक्शन से शुरू हुआ और दोपहर 3 बजे रामलीला मैदान पहुंचा।



खड़गे का आरोप मोदी अपना वोट खुद चुन रहे

मल्लिकार्जुन खड़गे ने ये भी कहा कि मोदी आज लोगों में फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं, वे खुद वोट चुन रहे हैं। उनको वोट कौन देगा, वे वोटर्स चुनते हैं। आज की केंद्र सरकार, बिहार सरकार, यूपी सरकार, ये सब चोरी की सरकार हैं। इन चोरों को निकालना है। चोरों की सरकार हर जगह बैठी है, आपका सपोर्ट हम चाहते हैं। मोदी जाएंगे तो ही लोकतंत्र बचेगा। मोदी को हटाओ, लोकतंत्र को बचाओ।

अखिलेश यादव बोले-काशी की जनता ने उन्हें डबल जीरो दिया

अखिलेश ने कहा, मैं देख रहा हूं कि रामलीला मैदान में जो आवाज उठ रही है। गठबंधन के सभी साथियों ने एकजुट होकर लोकतंत्र को खत्म करने वालों के खिलाफ हुए हैं। आज जब सभा यहां होने जा रही थी उसी समय यूपी में भाजपा की तरफ से कहा गया कि एक करोड़ वोट हिंदू भाइयों के वोट काट दिए गए। उन्होंने कहा- अब उनको भी याद आ रहा है कि उनके वोट भी कट गए हैं। मतलब 31 हजार वोट हर विधानसभा में कम हुए हैं। जब जमीन ही नहीं बची तो अंगद का पैर कहां रखोगे। काशी की जनता ने उन्हें डबल जीरो दिया है।

पंजाब में आप को झटका 2 एमएलए ने पार्टी छोड़ी

दोनों आप एमएलए बीजेपी में हो सकते हैं शामिल

पटियाला (एजेंसी)। पंजाब में आम आदमी पार्टी के 40 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी होने के बाद 2 विधायकों ने पार्टी छोड़ दी है। इनमें पटियाला के समाना से विधायक चेतन सिंह जौड़ामाजरा और सनौर से विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा शामिल हैं। उन्होंने पार्टी छोड़ने की वजह बताने के लिए चंडीगढ़ में साढ़े 4 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई है। जौड़ामाजरा एएपी सरकार में मंत्री रह चुके हैं लेकिन कुछ समय पहले पार्टी ने पूर्व अकाली नेता सुरजीत सिंह रखड़ा को उनकी जगह पर समाना विधानसभा सीट का हलका इंचार्ज बना दिया था। वहीं, हरमीत सिंह पठानमाजरा पर रेप का केस दर्ज हुआ था। जिसके बाद वे ऑस्ट्रेलिया फरार हो गए थे। जांच में शामिल होने के लिए लौटने पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। एएपी के पंजाब प्रधान अमन अरोड़ा ने कहा कि अब भाजपा निष्कासित लोगों को इकट्ठा कर रही है।



बंगाल की खाड़ी में फिर बना नया चक्रवात

● 3 नवंबर को आंध्र के तट से टकराएगा मुरासु ● एक हफ्ते में दूसरा साइक्लोन, ओडिशा में बाढ़

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव का क्षेत्र मुरासु नाम के चक्रवात में बदल गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, यह 3 नवंबर की सुबह आंध्र प्रदेश के तट से टकरा सकता है। इस दौरान हवा की रफ्तार 100 से 110 किमी प्रति घंटे और झोंकों के साथ 120 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। एक हफ्ते के भीतर बंगाल की खाड़ी में यह दूसरा चक्रवाती तूफान है। इससे पहले 26 अक्टूबर को चक्रवात 'अर्नब' उठा था। यह 28 अक्टूबर को आंध्र के तट से टकराया था। इसके कारण आंध्र प्रदेश, ओडिशा सहित देश के ज्यादातर हिस्सों में बारिश हुई थी। ओडिशा के गंजाम और गजपति जिले में पिछले एक हफ्ते से बाढ़ जैसे हालात हैं। राज्य अभी चक्रवात 'अर्नब' से हुए नुकसान से उबर ही रहा है। नए तूफान के कारण फिर से भारी बारिश हो सकती है। खतरे को देखते हुए ओडिशा सरकार ने निचले और पहाड़ी इलाकों को खाली करने का आदेश दिया है।

लखनऊ समेत 10 शहरों में कोहरा छाया, ठंड बढ़ी

यूपी में 'अर्नब' तूफान के असर से 3 दिन लगातार हुई बारिश से ठंड बढ़ गई है। दिन का तापमान 8 डिग्री तक लुढ़क गया है। रविवार सुबह लखनऊ, सहारनपुर, शामली, बागपत और मुजफ्फरनगर समेत 10 शहरों में कोहरा छाया रहा। सड़कों पर सन्नाटा दिखा और 50 मीटर दूर देखना भी मुश्किल हो गया। इधर, वाराणसी, कानपुर और उन्नाव समेत 15 से ज्यादा शहरों में बादल छाए हैं। ठंडी हवाएं सर्दी का एहसास करा रही हैं। दुकानों पर लोग अलाव सेकते नजर आ रहे हैं। आज बलिया, गाजीपुर, चंदौली, मिर्जापुर और सोनभद्र में हल्की बारिश का अलर्ट है। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- यूपी में चक्रवात का असर अब खत्म हो गया है।



राजस्थान में दिन गर्म रात में सर्दी तेज

राजस्थान में बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात का असर शनिवार से खत्म हो गया। अब अगले 3-4 दिन तक आसमान साफ रहने की संभावना है। इससे पहले शनिवार को मौसम साफ रहा। हालांकि, सुबह के समय कई जिलों में हल्का कोहरा रहा। जयपुर, कोटा समेत कई शहरों में अधिकतम तापमान में 2 से 5 डिग्री तक बढ़ोतरी हुई। पिछले 24 घंटे अधिकतम तापमान में भले ही बढ़ोतरी हुई, लेकिन 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। वहीं, रात के तापमान में गिरावट होने से सर्दी बढ़ गई। सबसे कम तापमान सीकर के फतेहपुर में रहा। शनिवार को सबसे ज्यादा गर्मी बाड़मेर में रही। हालांकि, बीते चार-पांच दिन में यहां के तापमान में तीन-चार डिग्री की गिरावट हुई है। फिर भी दिन का पारा करीब 35 डिग्री के करीब ही दर्ज हो रहा है। वहीं, जैसलमेर में अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

12 साल में 49 करोड़ लोग गरीबी से निकले हैं बाहर

● पीएम मोदी बोले-देश में आर्थिक असमानता भी घटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने कहा कि 2011 से 2023 के बीच भारत में 49.6 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए। इस दौरान देश में अत्यधिक गरीबी की दर 90 फीसदी तक कम हुई। मोदी ने वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि गरीबी खत्म करना सरकार के लिए सिर्फ नारा नहीं, बल्कि पक्का संकल्प है। मोदी ने यह भी कहा कि पिछले 6 साल में रोजगार के 13.4 करोड़ नए अवसर बने हैं। यह संख्या कामकाजी उम्र की आबादी में हुई बढ़ोतरी से करीब दोगुनी है। उन्होंने देश में आर्थिक असमानता कम होने की बात भी कही। प्रधानमंत्री ने ये आंकड़े इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए साझा किए।



गरीबी खत्म करना सरकार के लिए सिर्फ एक नारा नहीं

वर्ल्ड बैंक ने अक्टूबर में इंडिया पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ नाम से रिपोर्ट जारी की थी। इसके मुताबिक, भारत में अत्यधिक गरीबी की दर 2011 में 27.1 फीसदी थी, जो 2023 में घटकर 2.6 फीसदी रह गई। मोदी ने कहा कि वर्ल्ड बैंक के मुताबिक भारत में दुनिया में सबसे तेजी से गरीबी कम हुई है। उन्होंने आर्थिक असमानता मापने वाले गिनी इंडेक्स का भी जिक्र किया। उनके मुताबिक, इसमें 20 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है और यह घटकर 23.0 पर पहुंच गया है।

3 वजहः खपत बढ़ी महिलाओं को मिला रोजगार

आम लोगों की कमाई और खर्च करने की क्षमता में सुधार हुआ है। 2017 से 2023 के बीच करीब 13.4 करोड़ नए रोजगार के अवसर बने। इनमें ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी सबसे ज्यादा रही। कई महिलाएं पहली बार कमाई वाले कामों से जुड़ीं। मुफ्त राशन और सीधे बैंक खातों में पैसे भेजने जैसी योजनाओं से गरीब परिवारों को सहारा मिला। गरीबी में कमी सिर्फ कमाई तक सीमित नहीं रही। लोगों के रहन-सहन और बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच में भी सुधार हुआ है। अब पहले के मुकाबले ज्यादा लोगों के पास पक्के मकान, बिजली, साफ पानी, शौचालय और रसोई गैस जैसी सुविधाएं हैं। ऑक्सफोर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, 2005-06 में देश की 53.8 फीसदी आबादी इन बुनियादी सुविधाओं से वंचित थी। 2019-21 तक यह आंकड़ा घटकर 16.4 फीसदी रह गया। वहीं, वर्ल्ड बैंक के पैमाने के अनुसार 22-23 में गरीबी घटकर 15.5 फीसदी रह गई है।

अमित शाह ने चंडीगढ़ पुलिस को दिया राष्ट्रपति ध्वज

● बोले-जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया, देशभर में कायम की मिसाल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चंडीगढ़ पुलिस के 60वें स्थापना दिवस समारोह में शिरकत की। इस मौके पर उन्होंने चंडीगढ़ पुलिस को राष्ट्रपति ध्वज प्रदान किया। शाह ने चंडीगढ़ पुलिस की तारीफ करते हुए कहा कि उसने अपनी जिम्मेदारियां बेहद अच्छे तरीके से निभाई हैं। चंडीगढ़ ने देशभर की पुलिस के लिए एक मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि 1966 से चंडीगढ़ पुलिस शहर की सुरक्षा के लिए लगातार काम कर रही है और उसने देश में पुलिस व्यवस्था के इतिहास में एक गौरवशाली अध्याय लिखा है।



अमित शाह ने कहा कि मेरा मानना है कि इन 60 वर्ष में उत्तरी क्षेत्र के केंद्र के रूप में चंडीगढ़ ने पूरे भारत की सुरक्षा में योगदान देने का सफल प्रयास किया है। अमित शाह ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि चंडीगढ़ पुलिस को राष्ट्रपति निशान से अलंकृत किया जाना छह दशकों की सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता का सम्मान है।

नोएडा एनकाउंटर में मारा गया 50 हजार का इनामी अमन त्यागी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के नोएडा के सेक्टर-126 में पुलिस के साथ मुठभेड़ में 50 हजार रुपये का इनामी बदमाश अमन त्यागी मारा गया। पुलिस ने बताया कि त्यागी रणदीप भाटी गैंग का सक्रिय सदस्य था और उसके खिलाफ हत्या, लूट, रंगदारी तथा गैंगस्टर एक्ट सहित 20 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में गोली लगने से दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि सेक्टर-126 थाना पुलिस और स्वाट टीम की संयुक्त टीम संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच कर रही थी कि तभी बाइक सवार एक व्यक्ति को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन उसने रुकने के बजाय पुलिस दल पर गोलीबारी शुरू कर भागने लगा। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें बदमाश को गोली लगी, जिसके बाद नोएडा के जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने मृत घोषित किया। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान मुजफ्फरनगर जिले के छपार गांव निवासी अमन त्यागी के रूप में हुई है।

पंजाब में आप को दोहरा झटका : दो विधायकों ने छोड़ी पार्टी

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) को 2027 विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा झटका लगा है। पार्टी के दो विधायकों, हरमीत सिंह पठानमाजरा और चेतन सिंह जौरामाजरा, ने अपनी प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। इस घटनाक्रम ने आप के चुनावी समीकरणों पर सवाल खड़े किए हैं। हरमीत सनौर विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते थे, जबकि चेतन सिंह जौरामाजरा समाना सीट से विधायक थे। दोनों विधायकों ने अलग-अलग तरीकों से पार्टी छोड़ने की घोषणा की। हरमीत सिंह ने अपना इस्तीफा सीधे आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भेजा और तत्काल प्रभाव से पार्टी छोड़ने का ऐलान किया। वहीं, पंजाब सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री रह चुके चेतन सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी सदस्यता त्यागने की जानकारी दी। उन्होंने पंजाब में आप अध्यक्ष अमन अरोड़ा को संबोधित कर अपना इस्तीफा भेजा। यह इस्तीफा तब आया है जब आप ने आगामी 2027 विधानसभा चुनाव के लिए 40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी। हालांकि, इस सूची में सनौर और समाना सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित नहीं किए गए थे, जिन पर अब ये दोनों विधायक काबिज नहीं रहे। इस घटनाक्रम से पंजाब में आप की चुनौतियां बढ़ने की संभावना है।

आजम खान 14 दिन की न्यायिक हिरासत में, ईडी रिमांड की तैयारी में

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद आजम खान को गाजियाबाद की विशेष पीएमएलए कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उन्हें गाजियाबाद की डासना जेल ले जाया जाएगा। यह फैसला जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई सुनवाई के बाद आया है। इस बीच, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) आजम की रिमांड लेने की तैयारी में जुटा है। ईडी सूत्रों के अनुसार, जांच एजेंसी अगले एक-दो दिनों में पीएमएलए कोर्ट में उनकी पुलिस कस्टडी (पीसी) रिमांड के लिए आवेदन कर सकती है। यदि अदालत रिमांड देती है, तब ईडी उन्हें लखनऊ ले जाकर जौहर यूनिवर्सिटी की फंडिंग और कथित मनी ट्रेल के संबंध में गहन पूछताछ करेगी। गौरतलब है कि रविवार को हुई सुनवाई के दौरान, ईडी ने अदालत से आजम की 14 दिन की कस्टडी की मांग की थी। जांच एजेंसी ने जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े फंड में कथित वित्तीय अनियमितताओं और पैसों के लेन-देन (मनी ट्रेल) को लेकर अपनी दलीलें पेश कीं। ईडी ने कोर्ट को बताया कि यूनिवर्सिटी की फंडिंग में किस तरह की कथित अनियमितताएं हुई हैं, जिसके आधार पर उन्होंने हिरासत की मांग की थी।

अखिलेश का शाह पर पलटवार: जमीन ही नहीं... पैर कहां रखोगे?

राज्य में 1 लाख 27 हजार हिंदू मतदाताओं के नाम काट दिए

नई दिल्ली , एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन द्वारा आयोजित वोट चोरी के खिलाफ रैली को संबोधित कर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के अंगद के पैर वाले बयान पर तीखा पलटवार किया। अखिलेश ने कहा, जो लोग अंगद का पैर कहने की बात करते हैं, उन्हें समझना चाहिए कि जब जमीन ही नहीं बची है तब पैर कहां रखेंगे?

अखिलेश यादव ने भाजपा और चुनाव आयोग पर निशाना साधकर आरोप लगाया कि देश में एक करोड़ से अधिक हिंदू मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश का जिक्र कर दावा किया कि राज्य में 1 लाख 27 हजार हिंदू मतदाताओं के नाम काट दिए गए, जिससे हर विधानसभा में करीब 31 हजार वोटों की कमी हुई। सपा मुखिया ने कहा कि हार का ठीकरा किसी और पर फोड़ने की कोशिश की जा रही है, लेकिन यूपी वाले उन्हें करारा जवाब देकर सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएंगे।



सपा प्रमुख ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का उल्लेख किया, जहां उन्होंने वोट लूटे जाने और चुनाव से पहले विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से धांधली का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 2022 में उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार न बनने का कारण भी वोट चोरी थी। अखिलेश ने भाजपा पर कटाक्ष कर कहा कि जो लोग विश्वगुरु बनने की बात करते थे, वे मतदाता सूची में चोरी करते हैं।

सपा नेता यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन रुकने वाला नहीं है और लोकतंत्र को बचाने का अभियान उत्तर प्रदेश से शुरू होगा। उन्होंने रामलीला मैदान को लोकतंत्र की हल्दीघाटी करार देकर कहा कि यहां से एक नया इतिहास लिखा जा रहा है और परिवर्तन कभी भी आ सकता है। अखिलेश ने चेतावनी दी कि अगली पीढ़ी भाजपा द्वारा लगाए गए हर लाठी और दिए गए हर जख्म का बदला लेगी, जिससे भाजपा खुद को बचा नहीं पाएगी।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के डबल इंजन सरकार के दावे पर परोक्ष रूप से कटाक्ष कर अखिलेश यादव ने कहा कि उन्हें खुशी है कि काशी की जनता ने एमएलसी चुनाव में भाजपा को डबल जीरो दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने चंडीगढ़ जैसी चाल चलने की कोशिश की लेकिन असफल रही। अखिलेश ने भाजपा पर लगातार साजिशें और षड़यंत्र करने का आरोप लगाकर कहा कि वे जनता के बीच में नहीं जीत सकते, इसलिए चुनाव के माध्यम से हेरफेर का रास्ता अपनाते हैं।

एसआईआर के मुद्दे को लेकर कांग्रेस राज्यों में अलग-अलग रुख अपना रही

- दिल्ली में रैली से पहले ओवैसी ने नीतियों और नीयत पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन की ओर से आयोजित विशाल रैली से ठीक पहले ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कांग्रेस पर हमला बोला। ओवैसी ने मतदाता सूची एसआईआर के मुद्दे को लेकर कांग्रेस की नीतियों और नीयत पर सवाल उठाते हुए उस पर दोहरा रवैया अपनाने का गंभीर आरोप लगाया है। कर्नाटक में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि कांग्रेस एसआईआर के मुद्दे पर अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग रुख अपना रही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कर्नाटक सरकार के एक मंत्री सतीश जारकीहोली एसआईआर की तारीफ कर रहे हैं और इसे बेहतर बता रहे हैं, जबकि दूसरी तरफ पार्टी के अन्य नेता इसका विरोध कर रहे हैं। ओवैसी ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस की राष्ट्रीय स्तर पर कोई एक स्पष्ट नीति नहीं है और देश के अलग-अलग हिस्सों में उसके नेता अलग-अलग धुन बजा रहे हैं। ओवैसी ने आगे कहा कि दिल्ली में कांग्रेस एसआईआर का विरोध कर रही है, लेकिन हैदराबाद में उसके स्थानीय नेता खुद चुनाव आयोग के पास जाकर मतदाताओं के नाम हटाने की मांग करते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पार्टी का अपना रुख स्पष्ट नहीं है, तो वह जनता को भ्रमित करने का काम कर रही है। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब कांग्रेस मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली के खिलाफ रैली कर रही है। उधर, दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी रैली को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। क्षेत्र में 4,000 से ज्यादा पुलिसकर्मियों और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 270 कंपनियों को तैनात किया गया है। पूरे रूट पर नजर रखने के लिए 200 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। सुरक्षाबलों ने मिंटो रोड से लेकर रामलीला मैदान तक कड़ा पहरा लगा रखा है ताकि रैली के दौरान कानून-व्यवस्था बनी रहे।

दिल्ली-सिलीगुड़ी बुलेट ट्रेन कॉरिडोर गुवाहाटी तक विस्तारित, मिली केंद्र की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र की सरकार ने प्रस्तावित दिल्ली-सिलीगुड़ी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर को गुवाहाटी तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना को हरी झंडी मिलने की जानकारी दी। सीएम सरमा ने निर्णय का जश्न मनाकर लिखा, इसीलिए, मोदी कहीं नहीं जाएंगे! यह टिप्पणी हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की टिप्पणी पर हुई बहस का तीखा जवाब थी, जिसमें एक व्यक्ति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जल्द पद न छोड़ने की बात कही थी। मुख्यमंत्री सरमा ने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताकर कहा कि गुवाहाटी और दिल्ली के बीच यात्रा आठ घंटे से भी कम समय में पूरी होगी। उन्होंने इस मंजूरी को पूर्वी भारत के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण बताया। सीएम सरमा ने बताया कि यह कॉरिडोर शुरू में सिलीगुड़ी में समाप्त होना था, लेकिन उनके अनुरोध और जुलाई में केंद्रीय रेल मंत्री वैष्णव से मुलाकात के बाद, केंद्र ने उनके प्रस्ताव को स्वीकार कर पूर्वोत्तर तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा, जो सरकार सुनती है और काम करती है, वह ऐसी ही दिखती है। इस परियोजना से असम को नई हाई-टेक इंडस्ट्रीज के विकास और दिल्ली व अन्य राज्यों की राजधानियों से तेज व सस्ती कनेक्टिविटी के माध्यम से व्यापार तथा रोजगार के मौकों में वृद्धि होने की उम्मीद है। सीएम सरमा ने कहा कि बुलेट ट्रेन जो कभी असम के लिए दूर का सपना थी, अब हकीकत बन रही है। उन्होंने 7 जून को रेल मंत्री वैष्णव को लिखे पत्र में गुवाहाटी को नॉर्थईस्ट का गेटवे और इलाके का सबसे बड़ा आर्थिक व परिवहन हब बताकर कॉरिडोर के विस्तार की अपील की थी। इसके पहले, केंद्रीय रेल मंत्री वैष्णव ने पुष्टि की थी कि प्रधानमंत्री मोदी ने बुलेट ट्रेन नेटवर्क के उत्तरी गलियारे को मंजूरी दे दी है। यह दिल्ली से शुरू होकर आगरा, कानपुर, लखनऊ और अयोध्या को जोड़ेगा, और फिर वाराणसी व पटना से होकर गुवाहाटी तक पहुंचेगा।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर हरिद्वार के सभी थानों में गूंजा एकता का संदेश, पुलिसकर्मियों ने देखा परेड का सीधा प्रसारण

हरिद्वार (शिखर समाचार)। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में मनाए गए राष्ट्रीय एकता दिवस पर जनपद हरिद्वार के सभी थानों और कोतवाली परिसरों में विशेष कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण किया गया। प्रोजेक्टर और बड़ी स्क्रीन के माध्यम से पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों तथा आम नागरिकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन, राष्ट्रीय एकता दिवस की भव्य परेड और आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन देखा।

शाम 5:30 बजे से शुरू हुए इस प्रसारण को लेकर जनपद के सभी थानों और



कोतवालियों में विशेष व्यवस्था की गई थी। पुलिसकर्मियों और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में सहभागिता की तथा राष्ट्रीय एकता, अखंडता और आपसी सद्भाव का संदेश ग्रहण किया।

इस अवसर पर पुलिस संचार एवं अग्निशमन विभाग की पुलिस महानिरीक्षक विम्मी सचदेवा और हरिद्वार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह ने कोतवाली रानीपुर पहुंचकर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा। दोनों अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों के साथ राष्ट्रीय एकता दिवस के आयोजन में सहभागिता की।

जनपद के सभी थाना और कोतवाली परिसरों में बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी, कर्मचारी और आमजन इस आयोजन से जुड़े। कार्यक्रम के माध्यम से देश की एकता और अखंडता बनाए रखने के साथ नागरिकों में राष्ट्रीय एकजुटता की भावना मजबूत करने का संदेश दिया गया। हरिद्वार पुलिस की ओर से संदेश दिया गया कि राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। सभी को आपसी भाईचारे और एकजुटता के साथ राष्ट्र की मजबूती में अपना योगदान देना चाहिए।

सीजेपी की दिवाली पार्टी में पहुंचे कई विपक्षी नेता, बढ़ रही विपक्ष से नजदीकियां

नई दिल्ली,एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और विपक्ष के कुछ नेताओं के बीच नजदीकी बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। शनिवार को सीजेपी नेता सौरव दास की ओर से आयोजित दीपावली पार्टी में टीएमसी, माकपा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-(एसपी) समेत कई विपक्षी दलों के नेता शामिल हुए। इस मुलाकात के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-(एसपी) की नेता सुप्रिया सुले ने एक्स पर पोस्ट कर अभिजीत दीपके, सौरव दास और उनकी टीम का आभार जताया। उन्होंने लिखा- शानदार दिवाली शाम के लिए अभिजीत दीपके, सौरव दास और पूरी टीम का धन्यवाद। इस आयोजन को सीजेपी नेताओं और विपक्ष के एक वर्ग के बीच बढ़ते संपर्क के तौर पर देखा जा रहा है। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके और सह-संयोजक आशुतोष रांका भी दिवाली पार्टी में मौजूद रहे। सीजेपी और विपक्षी नेताओं के बीच बढ़ती नजदीकी का यह अकेला उदाहरण नहीं है। इससे पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी सीजेपी के नेतृत्व और कार्यकर्ताओं के समर्थन में कई बार बयान दिए हैं। सीजेपी ने भी सोशल मीडिया पर राहुल गांधी की पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी थी। दोनों पक्षों के बीच संपर्क बढ़ने की शुरुआत मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों को लेकर हुई सार्वजनिक बयानबाजी से मानी जा रही है। राहुल गांधी ने पहले कहा था कि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ समानांतर प्रदर्शन नहीं हो रहे हैं। इसके बाद उन्होंने सीजेपी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की निंदा की थी। वहीं सीजेपी ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन की एक नवंबर को होने वाली रैली को समर्थन दिया, हालांकि इसमें सीजेपी कार्यकर्ता शामिल नहीं होंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की कोशिश के बाद सीजेपी नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका की गिरफ्तारी पर राहुल गांधी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने एक्स पर लिखा था- जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन में तिरंगा लहराना कोई अपराध नहीं है। इसके लिए युवाओं को जेल में डालना कायरता है। राहुल गांधी ने अपने एक अन्य संदेश में छात्रों, युवाओं, पत्रकारों और इंडिया गठबंधन का जिक्र करते हुए कहा था कि अलग-अलग बैनर के बावजूद सभी का मकसद एक ही है, उनके मुताबिक, ये प्रदर्शन नागरिकों के अपने संवैधानिक अधिकारों की मांग से जुड़े हैं। उन्होंने कहा था कि जंतर-मंतर भारत के लोगों का है और वे इसे वापस हासिल करेंगे।

नड्डा का इंडिया गठबंधन पर हमला: कांग्रेस के पाप में सहभागिता पर उठाए सवाल

इंडिया गठबंधन की रैली कांग्रेस पार्टी के पतन के ताबूत में आखिरी कील

नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्रीय मंत्री और पूर्व भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इंडिया गठबंधन की हालिया मेगा रैली पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने गठबंधन के सभी सहयोगी दलों से सीधे सवाल किया है कि क्या वे भी कांग्रेस पार्टी के उस पाप में शामिल हैं, जिसमें हमारे सिख भाइयों के जख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया था? केंद्रीय मंत्री नड्डा ने स्पष्ट रूप से कहा कि दिल्ली के व्यापारियों को बर्बाद करने के पाप में भी कांग्रेस भागीदार है, और अब इंडिया गठबंधन के सदस्य इस देश के लोगों से नफरत करने लगे हैं, सिर्फ भाजपा के प्रति अपनी गहरी नफरत के चलते है।

बीजेपी नेता नड्डा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाकर कहा कि वे विदेश जाकर भारत का अपमान करते हैं और देश में आकर भारत के लोकतंत्र तथा अर्थव्यवस्था पर हमला करते हैं। भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि कांग्रेस और राहुल गांधी का एकमात्र मकसद देश का विकास नहीं, बल्कि अराजकता और तबाही फैलाना है। उन्होंने कांग्रेस को चेतावनी देकर कहा कि भारत की जनता अब उनके धोखे में नहीं आने वाली, क्योंकि अराजकता फैलाने के लिए उनकी टूलकिट पूरी तरह से बेनकाब हो चुकी है।

केंद्रीय मंत्री नड्डा ने राहुल गांधी को 1 नवंबर के काले इतिहास और दिल्ली के व्यापारियों के आंसूओं के लिए अपनी जवाबदेही से न बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि भारत एक मजबूत लोकतंत्र है, जहां संविधान और जनता का जनादेश चलेगा, न कि दंगा-भड़काने वाली राजनीति कामयाब होगी। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने भविष्यवाणी की कि इंडिया गठबंधन की यह रैली कांग्रेस पार्टी के राजनीतिक पतन के ताबूत में आखिरी कील साबित होगी। इससे पहले भी, जेपी नड्डा राहुल गांधी पर संवैधानिक संस्थाओं, जैसे चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट, को कमजोर करने का आरोप लगा चुके हैं। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस और राहुल गांधी चुनाव जीतने पर अपनी काबिलियत का बखान करते हैं, लेकिन हारने पर चुनाव आयोग को दोष देते हैं, जो



उनकी राजनीति की एक चिर-परिचित शैली बन गई है।

सीएम फडणवीस का कांग्रेस पर करारा हमला: आपातकाल में हुई थी संविधान चोरी

मुंबई , एजेंसी । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। विपक्ष के वोट चोरी के आरोपों पर पलटवार कर सीएम फडणवीस ने कांग्रेस पर आपातकाल के दौरान संविधान चोरी करने और देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया। ठाणे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा आयोजित लोकतंत्र बचाओ मार्च को संबोधित कर उन्होंने दावा किया कि जो लोग वोट चोरी का शोर मचाते हैं, असल में वे ही संविधान चोर हैं।

मुख्यमंत्री देवेंद्र ने वर्ष 1975 के आपातकाल का जिक्र कर कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के निर्वाचन को रद्द करने संबंधी इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के बाद, कांग्रेस सरकार ने न्यायपालिका को उनके चुनाव की जांच करने से रोकने के लिए पूर्वव्यापी संवैधानिक संशोधन लाए। उन्होंने आरोप लगाया कि इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ही वह पहली पार्टी थी जो कि संविधान, न्यायपालिका और देश के लोकतंत्र को कमजोर किया। फडणवीस ने 42वें संविधान संशोधन का हवाला देकर कहा कि कांग्रेस सरकार ने सुनियोजित तरीके से मौलिक अधिकारों की



सुरक्षा करने वाले प्रावधानों को कमजोर कर दिया था, जिन्हें 1977 में जनता पार्टी के सत्ता में आने के बाद बहाल किया गया।

सीएम फडणवीस ने आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय ताकतें और सोशल मीडिया एल्गोरिदम देश में अराजकता फैलाने के लिए गलत सूचनाएं फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने मतदाता सूचियों से अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के नाम हटाए जाने को लेकर विपक्ष की चिंता पर निशाना साधकर कहा कि भाजपा अंतिम घुसपैठिए का नाम हटाए जाने तक अपना संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत का उल्लेख कर कहा कि महाराष्ट्र में राष्ट्रीय आदर्शों के लिए बलिदान की समृद्ध परंपरा रही है। सीएम फडणवीस ने कहा कि भाजपा का लोकतंत्र बचाओ मार्च एक बड़े संघर्ष की शुरुआत है और पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के निर्माण तक नहीं रुकेगी।

युवा महोत्सव में लोक संस्कृति के रंगों से सजा मंच, प्रतिभागियों को मिलेगा राज्य स्तर पर हुनर दिखाने का अवसर

हरिद्वार (शिखर समाचार)। जिला प्रशासन एवं युवा कल्याण विभाग तथा प्रांतीय रक्षक दल के संयुक्त तत्वावधान में ऋषिकुल ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय युवा महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद के सांस्कृतिक वर्ग के अंतर्गत आयोजित इस महोत्सव में जिले के सभी विकासखंडों से पहुंचे युवाओं और छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का अवलोकन कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

महोत्सव में लोकनृत्य, लोकगीत, गायन, भाषण प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर निर्माण, चित्रकला और कविता लेखन सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतिभागियों ने अपनी कला,



रचनात्मकता और प्रस्तुतियों के माध्यम से उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराओं की आकर्षक झलक पेश की। पूरे आयोजन के दौरान युवाओं में अपनी प्रतिभा दिखाने को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने कहा कि आज का युवा नए संकल्प और ऊर्जा के साथ हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। प्रदेश के युवा जिला और राज्य स्तर से निकलकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं तथा उत्तराखंड का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड खेल भूमि के रूप में भी अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। युवाओं को खेलों में आगे बढ़ाने के लिए आधुनिक खेल स्टेडियम और राष्ट्रीय स्तर के खेल परिसरों का विकास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ आत्मविश्वास बढ़ाने और आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर प्रदान करते हैं। आयोजकों ने बताया कि जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। इससे युवाओं को बड़े मंच पर अपनी कला और कौशल निखारने का मौका मिलेगा। कार्यक्रम में जिला युवा कल्याण अधिकारी प्रमोद चंद पांड्ये, मुकेश भट्ट, पूनम मिश्रा, हिमांशु गुप्ता, चंद्रमोहन मिश्रा, शिवकुमार कश्यप, ऋचा गुप्ता और संध्या सहित विभिन्न विकासखंडों के प्रतिभागी, स्थानीय नागरिक तथा युवा कल्याण विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

एमएमजी अस्पताल की व्यवस्थाओं का उप मुख्यमंत्री ने लिया जायजा, डॉक्टरों की कमी दूर करने के निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने रविवार को एमएमजी जिला अस्पताल का स्थलीय निरीक्षण कर चिकित्सा सुविधाओं, मरीजों के उपचार और निमार्णाधीन भवन की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार करने, निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराने और चिकित्सकों की कमी दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। मरीजों को उपचार के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उप मुख्यमंत्री के अस्पताल पहुंचने पर जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इस दौरान सांसद अतुल गर्ग, विधायक संजीव शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सचिन चंद्र वैश्य,



अस्पताल के सीएमएस डॉ. राकेश कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद रही। इससे पहले उप मुख्यमंत्री ने विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की ओर से आयोजित अखिल भारतीय खेलकूद समारोह-2026 का शुभारंभ किया। अस्पताल के आपातकालीन वार्ड का निरीक्षण करते हुए उन्होंने भर्ती मरीजों से बातचीत



कर उनके स्वास्थ्य, उपचार और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। अधिकांश मरीज बुखार और मौसमी बीमारियों से पीड़ित मिले। मरीजों और तीमारदारों ने उपचार तथा चिकित्सकीय स्टाफ के व्यवहार पर संतोष जताया। एक दुर्घटना में घायल मरीज से बातचीत के दौरान उन्होंने शराब के सेवन से दूर रहने की सलाह देते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के साथ उसके पूरे परिवार को प्रभावित करता है। उप मुख्यमंत्री ने अस्पताल परिसर में निमार्णाधीन नई इमारत का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति जानी। उन्होंने गुणवत्ता के मानकों का पालन करते हुए निर्माण शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए। बजट की कमी होने पर तत्काल प्रस्ताव शासन को भेजने को कहा। आसपास के पुराने भवनों की लोक निर्माण विभाग से तकनीकी जांच कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जर्जर भवनों को नियमानुसार ध्वस्त कराया जाए और उपयोग योग्य भवनों की मरम्मत कराई जाए।
जनपद में चिकित्सकों के रिक्त पदों की जानकारी लेते हुए उन्होंने कमी दूर करने के लिए शासन को तत्काल पत्र भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों से संवेदनशीलता तथा जिम्मेदारी के साथ काम करने और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने को कहा।

टीबी मरीजों के पोषण का सहारा बना स्वास्थ्य विभाग, 20 रोगियों को बांटी गई निशुल्क किट



खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। विकासखंड के नावला गांव में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी रोग के प्रति जागरूकता और मरीजों की देखभाल को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की ओर से 20 टीबी मरीजों को निशुल्क पोषण किट वितरित की गईं। साथ ही मरीजों और उनके परिजनों को बीमारी के लक्षण, उपचार, बचाव तथा पौष्टिक आहार के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ए.के. सिंह ने कहा कि टीबी एक उपचार योग्य बीमारी है। नियमित रूप से दवाइयों का सेवन करने और चिकित्सकों की सलाह का पालन करने से मरीज पूरी तरह स्वस्थ हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि उपचार के दौरान दवाइयों के साथ पौष्टिक आहार लेना और उचित देखभाल करना भी बेहद जरूरी है। पोषण की पर्याप्त उपलब्धता मरीजों के स्वास्थ्य में सुधार और उपचार की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने मरीजों के परिजनों से अपील की कि वे उपचार के दौरान रोगियों का विशेष ध्यान रखें, उन्हें समय पर दवाइयां लेने के लिए प्रेरित करें और उनका मनोबल बनाए रखें। उन्होंने यह भी कहा कि टीबी को लेकर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करना चाहिए और बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर समय से जांच तथा उपचार कराना चाहिए। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को टीबी के प्रति जागरूक करते हुए नियमित उपचार और पौष्टिक खानपान अपनाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, डॉट्स केंद्र संचालक, ग्रामीण और अन्य लोग मौजूद रहे।

हापुड़ में पेट्रोल मांगने के बहाने दो भाइयों से 2.40 लाख रुपये की लूट, पुलिस की चार टीमें गठित



हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र के गांव असरा के पास शनिवार देर रात हथियारबंद बदमाशों ने भैंस खरीदने मथुरा जा रहे दो सगे भाइयों से 2 लाख 40 हजार रुपये की नकदी लूट ली। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। सनसनीखेज वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया, जिसके बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार विशेष टीमों का गठन किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मेरठ के थाना मुंडाली क्षेत्र स्थित लोटी गांव निवासी संदीप अपने भाई आकाश के साथ छोटा हाथी वाहन में सवार होकर भैंस खरीदने मथुरा जा रहे थे। जब उनका वाहन हापुड़ देहात क्षेत्र के असरा गांव के पास पहुंचा, तभी एक बाइक सवार युवक ने पेट्रोल खत्म होने का बहाना बनाकर मदद के लिए गाड़ी रुकवाई। भाइयों के गाड़ी रोकते ही झाड़ियों में पहले से घात लगाए बैठे चार हथियारबंद बदमाश वहां आ पहुंचे। बदमाशों ने दोनों भाइयों को तमंचे के बल पर बंधक बना लिया और विरोध करने पर मारपीट करते हुए उनके पास रखे 2.40 लाख रुपये लूट लिए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक मधुबन सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक महेश कुमार, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी और थाना प्रभारी पारस मलिक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने पीड़ितों से जानकारी जुटाने के बाद आसपास के जंगलों में सघन कॉम्बिंग अभियान चलाया। सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और बदमाशों की पहचान के प्रयास जारी हैं। जल्द ही घटना का अनावरण कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

हापुड़ में पत्रकार का फोन हैक कर 40 हजार रुपये उड़ाए, साइबर सेल जांच में जुटी

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ क्षेत्र के मोहल्ला जवाहर गंज निवासी पत्रकार अनूप सिन्हा का मोबाइल फोन हैक कर साइबर ठगों ने बैंक खाते से 40 हजार रुपये की रकम पार कर दी। आरोपियों ने पीड़ित के खाते से यूपीआई के माध्यम से यह धनराशि अन्य खाते में ट्रांसफर कर ली। पीड़ित पत्रकार की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पत्रकार



अनूप सिन्हा का बैंक खाता दिल्ली रोड स्थित त्रिवेणी गंज के बैंक ऑफ बड़ौदा में है। रविवार, 1 नवंबर को दोपहर करीब 1:41 बजे साइबर अपराधियों ने एक संदिग्ध मैसेज भेजकर उनका मोबाइल फोन हैक कर लिया। इसके तुरंत बाद ही उनके मोबाइल पर खाते से 40 हजार रुपये कटने का मैसेज आ गया, जिसे देखकर पीड़ित के होश उड़ गए। अचानक हुई इस ठगी की घटना के बाद पीड़ित पत्रकार ने तत्काल पुलिस को मामले की जानकारी दी। उन्होंने थाने में लिखित तहरीर देकर अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और खाते से उड़ाई गई पूरी रकम वापस दिलाने की गुहार लगाई है। घटना के बाद से स्थानीय लोगों और पत्रकारों में भी साइबर सुरक्षा को लेकर चिंता व्याप्त है। थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार ने बताया कि पीड़ित पत्रकार की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस की साइबर सेल टीम की मदद से घटना की गहनता से पड़ताल की जा रही है। जिस यूपीआई आईडी और बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर किए गए हैं, उसकी ट्रैकिंग की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को ट्रेस कर लिया जाएगा।

बीकानेर कंपनी की एजेंसी के लिए 3.5 करोड़ की मांग, दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज

हापुड़ (शिखर समाचार)। सदर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत संजय विहार आवास विकास कॉलोनी निवासी एक विवाहिता ने अपने पति व ससुराल पक्ष के लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता का कहना है कि बीकानेर कंपनी की एजेंसी लेने के लिए 3.5 करोड़ रुपये की दहेज की मांग पूरी न होने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और बच्चों समेत घर से बाहर निकाल दिया। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दीपांशी त्यागी का विवाह 13 मार्च 2013 को संभल जिले के नियावली गांव निवासी नवनीत त्यागी के साथ हुआ था। शादी में पिता द्वारा करीब 40 लाख रुपये के आभूषण, घरेलू सामान और होंडा सिटी कार सहित पर्याप्त दान-दहेज दिया गया था। इसके बावजूद ससुराल पक्ष के लोग कम दहेज लाने का ताना देकर लगातार प्रताड़ित करते रहे। दंपती के एक बेटा और एक बेटी हैं। पीडिता ने आरोप लगाया कि वर्ष 2016-17 में उसने मायके से कर्ज लेकर ग्रेटर नोएडा वेस्ट में एक दुकान बुक कराई थी। बाद में उसे सोनालिका ट्रैक्टर्स में पार्टनर बनाया गया, लेकिन 2022 से उसे उसका लाभांश नहीं दिया जा रहा है। इसके अलावा, 25 अक्टूबर 2025 को उसने कर्ज लेकर एक रेस्टोरेंट शुरू किया, जिसके बाद पति ने बीकानेर कंपनी की एजेंसी के नाम पर 3.5 करोड़ रुपये मायके से लाने की मांग शुरू कर दी। मांग पूरी न होने पर गत 15 फरवरी 2026 को उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई और गला घोंटकर जान से मारने का प्रयास किया गया। इसके बाद 23 मार्च 2026 को उसे दोनों बच्चों सहित घर से निकाल दिया गया, जिसके बाद से वह अपने मायके में शरण लिए हुए है। थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

आदित्य वर्ल्ड सिटी में मानव हॉस्पिटल की नई इकाई शुरू, आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से होगी मरीजों को सहूलियत

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दीपावली के अवसर पर मानव हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर प्राइवेट लिमिटेड की नई इकाई मानव हॉस्पिटल, आदित्य वर्ल्ड सिटी का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर कविनगर स्थित ट्रिनिटी बैंक्वेट में दीपावली मिलन समारोह भी आयोजित हुआ, जिसमें शहर के अनेक गणमान्य लोगों ने शिरकत की। कार्यक्रम में पूर्व सांसद अनिल अग्रवाल, बृजपाल तेवतिया, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी संतोष यादव, अरुण वीर सिंह और नितिन मदान सहित संजीव शर्मा, आशा शर्मा, डॉ. अजय अग्रवाल, राकेश गर्ग और अजय वर्मा समेत अनेक अतिथि मौजूद रहे।
अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित इस नई इकाई का उद्देश्य गाजियाबाद और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। यहां हड्डी रोग चिकित्सा, रोबोटिक जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी और नेत्र चिकित्सा सहित विभिन्न विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध होंगी।
इस अवसर पर अस्पताल के निदेशक डॉ. रजत गुप्ता ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दीपावली के शुभ अवसर पर शुरू की गई यह नई इकाई आधुनिक तकनीक और मानवीय संवेदनाओं के साथ बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के संस्थान के संकल्प का हिस्सा है।



समारोह में उपस्थित लोगों ने दीपावली की खुशियां साझा कीं और मानव हॉस्पिटल की नई शुरूआत के लिए शुभकामनाएं दीं।

पूजा सैनी को मिली वीआईपी महिला मोर्चा की कमान, जिलाध्यक्ष की सौंपी जिम्मेदारी

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। विकासशील इंसान पार्टी ने संगठन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से पूजा सैनी को महिला मोर्चा का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति की घोषणा शनिवार को पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं की बैठक में की गई। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष ने संगठन का विस्तार करने और अधिक से अधिक महिलाओं को पार्टी से जोड़ने का संकल्प जताया। विकासशील इंसान पार्टी के जिला प्रभारी डॉ. सोनू कश्यप के आवास पर आयोजित बैठक में संगठन की मजबूती और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान गांव हबीबपुर निवासी पूजा सैनी के नाम पर सर्वसम्मति से सहमति जताते हुए उन्हें महिला मोर्चा के जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। जिला प्रभारी डॉ. सोनू कश्यप ने कहा कि किसी



भी संगठन को मजबूत बनाने के लिए महिलाओं की सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है। महिलाओं की सहभागिता से संगठन का विस्तार और जनसंपर्क दोनों मजबूत होते हैं। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष पूजा सैनी ने कहा कि वह अधिक से अधिक महिलाओं को पार्टी की सदस्यता दिलाकर संगठन को मजबूत बनाने का प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में विकासशील इंसान पार्टी को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्यकताओं के साथ मिलकर काम किया जाएगा। बैठक के बाद पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं को संगठन विस्तार के लिए अलग-अलग जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रवेश कश्यप, जिलाध्यक्ष कुंवर बहादुर कश्यप, प्रदीप सैनी, बिजेंद्र सैनी, राकेश सैनी, अनिल और विकास सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

न्याय और जनकल्याण की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए लगा विशाल मेगा कैम्प

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से रविवार को जनपद न्यायालय परिसर में विशाल मेगा कैम्प का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर आयोजित शिविर का उद्देश्य आमजन को सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं, निःशुल्क कानूनी सहायता, स्वास्थ्य सुविधाओं और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना रहा। शिविर का उद्घाटन जनपद न्यायाधीश विनोद सिंह रावत ने फीता काटकर किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक न्याय और सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारियों के साथ गाजियाबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ब्रह्मदेव त्यागी और सचिव वरुण त्यागी भी मौजूद रहे। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बैंड



की धुन के साथ अतिथियों का स्वागत किया। गणेश वंदना के बाद घरौंदा बाल गृह के बच्चों और एक दिव्यांग बालिका ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर वृक्षारोपण भी किया गया।
शिविर में विभिन्न सरकारी विभागों और सामाजिक संस्थाओं ने जागरूकता एवं जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाए। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी ने स्वास्थ्य जागरूकता शिविर लगाया, जबकि यशोदा मेडिसिटी की ओर से स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिला कारागार डासना के बंदियों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रही। मिशन शक्ति के तहत महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन की जानकारी दी गई। साइबर अपराध, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, 112 हेल्पलाइन, अग्नि सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति भी लोगों को जागरूक किया गया।
जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नेहा बनौधिया ने बताया कि पराविधिक स्वयंसेवकों, पैनल अधिवक्ताओं और विधिक सहायता रक्षा परामर्शदाताओं ने लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया तथा उनके संवैधानिक अधिकारों की जानकारी दी। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, अधिवक्ता और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

खो नदी में अवैध खनन पर पुलिस का शिकंजा, आठ डंपर समेत 10 वाहन पकड़े



बिजनौर (शिखर समाचार)। बढ़ापुर थाना क्षेत्र के ग्राम खोबड़ा के निकट खो नदी में कथित अवैध खनन के खिलाफ पुलिस ने शनिवार रात बड़ी कार्रवाई करते हुए आठ डंपर समेत 10 वाहनों को कब्जे में लेकर सीज कर दिया। पकड़े गए वाहनों में एक पोकलेन मशीन और एक लोडर भी शामिल है। कार्रवाई से अवैध खनन में जुटे लोगों में खलबली मच गई। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से खो नदी में अवैध खनन की सूचना मिलने पर थाना प्रभारी धर्मेंद्र सिंह खोखर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वहां खनन कार्य में लगे आठ डंपर, एक पोकलेन और एक लोडर को कब्जे में लेकर थाने पहुंचाया गया। इस दौरान नगीना देहात थाने की पुलिस भी मौजूद रही। थाना प्रभारी ने बताया कि अवैध खनन के संबंध में रिपोर्ट तैयार कर संबंधित अधिकारियों को भेज दी गई है। सूचना मिलने पर जिला खनन अधिकारी डॉ. सुशील कुमार ने भी मौके पर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि कुछ लोग स्वीकृत खनन स्थल की सीमा से बाहर अवैध रूप से खनन कर रहे थे। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल खनन कार्य में इस्तेमाल किए जा रहे सभी 10 वाहनों को पुलिस अभिरक्षा में दिया गया है। उधर, क्षेत्र में अवैध खनन को लेकर अन्य स्थानों पर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि खो नदी के सुंदरवाली और शाहलीपुर कोटरा क्षेत्र में स्वीकृत पट्टे से करीब एक से डेढ़ किलोमीटर दूर तक एक दर्जन से अधिक पोकलेन मशीनों से खनन किया जा रहा है। इसके अलावा कुआंखेड़ा और कुआंखेड़ा खादरी गांवों में भी खुलेआम खनन होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस और संबंधित अधिकारियों की जानकारी में होने के बावजूद इन स्थानों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। अब क्षेत्रवासियों की निगाहें प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं कि अन्य स्थानों पर चल रहे कथित अवैध खनन पर कब अंकुश लगाया जाएगा।

मेगा विधिक सहायता शिविर में 103 लोगों को मिला योजनाओं का लाभ, दिव्यांगों को बांटी गई ट्राईसाइकिल



बिजनौर (शिखर समाचार)। इंदिरा बाल भवन, नुमाइश ग्राउंड के निकट रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश संजय कुमार सप्तम ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टॉल के माध्यम से लोगों को कानूनी सहायता के साथ-साथ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में विभिन्न योजनाओं के तहत 103 पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया, जबकि दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल और अन्य सहायक उपकरण वितरित किए गए। शिविर में 27 से अधिक स्टॉल लगाए गए थे, जहां संबंधित विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने लोगों को योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और मिलने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक कानूनी सहायता पहुंचाने के साथ उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना रहा। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश संजय कुमार सप्तम ने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को न्याय मिलना चाहिए। आर्थिक अभाव के कारण कोई भी व्यक्ति न्याय पाने से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने जरूरतमंदों तक निःशुल्क विधिक सहायता पहुंचाने और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव स्वाति चंद्रा ने लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता, लोक अदालत और मध्यस्थता की व्यवस्था के बारे में जानकारी दी। उन्होंने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की हेल्पलाइन संख्या 15100 के बारे में बताते हुए कहा कि जरूरतमंद व्यक्ति इस माध्यम से कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह सहित न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

एक करोड़ की स्मैक के साथ महिला समेत चार तस्कर गिरफ्तार, 1.74 लाख रुपये नकद, 860 पुड़िया स्मैक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शालीमार गार्डन पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए महिला समेत चार कथित नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब एक करोड़ रुपये कीमत की 969 ग्राम स्मैक बरामद की है। इसके अलावा स्मैक की 860 पुड़िया, 1 लाख 74 हजार 990 रुपये नकद, पीली धातु की तीन अंगूठियां और चार मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में सक्रिय नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। डीसीपी ट्रांस हिंडन ने बताया कि 31 अक्टूबर को ऑपरेशन प्रहार के तहत शालीमार गार्डन पुलिस की टीम क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने डीएलएफ क्षेत्र में घेराबंदी कर चार संदिग्धों को गिरफ्तार



कर लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से भारी मात्रा में स्मैक और अन्य सामान बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद आरिफ (20), इमामुद्दीन (19), इशरान (25) और समाना (32) के रूप में हुई है। इनमें तीन आरोपी लखीमपुर खीरी के रहने वाले हैं, जबकि एक आरोपी दिल्ली के सीमापुरी क्षेत्र का निवासी बताया गया है। पुलिस ने सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर उनके कब्जे से बरामद मादक पदार्थ, नकदी, मोबाइल फोन और अन्य सामान को जब्त कर लिया है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर स्मैक की खरीद-फरोख्त से जुड़े नेटवर्क, इसकी आपूर्ति के स्रोत और तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। साथ ही यह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि बरामद स्मैक कहां से लाई गई थी और इसे किन क्षेत्रों में खपाने की तैयारी थी। पुलिस का कहना है कि नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त अन्य लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ भी आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

त्योहार पर जाम से निपटने के लिए घोष कंपनी से रेती रोड तक वन-वे की मांग

गोरखपुर, एजेंसी। पुलिस लाइंस में शनिवार को एसपी ट्रैफिक की अध्यक्षता में व्यापारी सुरक्षा बैठक हुई। इसमें विभिन्न व्यापार मंडलों के प्रतिनिधियों ने यातायात, अतिक्रमण, पुलिस पिकेट और व्यापारियों की समस्याएं उठाईं। पूर्व में की गई शिकायतों पर कार्रवाई की स्थिति की भी समीक्षा की गई। समस्त व्यापार मंडल के अध्यक्ष नितिन कुमार जायसवाल ने सिनेमा रोड पर गणेश चौक से पहले चारपहिया वाहनों का रास्ता फिर बंद किए जाने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि इससे चौराहे और बेयरिंग गली का कारोबार प्रभावित हो रहा है। संकरी गली में जाम लगने से मोहद्दीपुर और गोलघर जाने वाले लोगों को भी लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है। गोरखपुर इलेक्ट्रिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव रस्तोगी और महामंत्री पदम अग्रवाल ने दिवाली के तीन दिनों तक घोष कंपनी से रेती रोड तक जाम रोकने के लिए वनवे व्यवस्था लागू करने की मांग की। ट्रांसपोर्ट नगर एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष सिंह और रुस्तमपुर व्यापार एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित टिबरेवाल ने डिवाइडर में कट खोलने के लिए आभार जताया। साथ ही कुछ अन्य स्थानों पर कट बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि मौजूदा कट पर वाहन खड़े कर दिए जाने से रास्ता बाधित हो रहा है।

गोरखपुर रंग महोत्सव का आगाज, पांच होंगी नाट्य प्रस्तुतियां

गोरखपुर, एजेंसी। योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में शनिवार को पांच दिवसीय चौथे गोरखपुर रंग महोत्सव का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि भारतेन्दु नाट्य अकादमी के अध्यक्ष रतिशंकर त्रिपाठी, आयोजन समिति के अध्यक्ष इंजीनियर आरडी सिंह, नितिन मातनहेलिया और कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एमपी सिंह ने दीप प्रज्वलित कर महोत्सव की शुरुआत की। इस अवसर पर रंगमंच और कला जगत से जुड़ी दिवंगत हस्तियों को याद किया गया। स्वर्गीय अभिनेता नाना पाटेकर, मशहूर नाट्य अभिनेता एवं निर्देशक आलोक चटर्जी, नाट्य लेखक नरेंद्र देव पांडेय और गोरखपुर में जीएसटी विभाग में असिस्टेंट कमिश्नर रहे डॉ. मृत्युंजय राय के चित्र पर अतिथियों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। समारोह में मौजूद लोगों ने उनके योगदान को याद किया। पांच दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव में देश के विभिन्न शहरों से आए कलाकार नाटकों का मंचन करेंगे।

महिला अस्पताल में एक मरीज के साथ एक ही तीमारदार को मिलेगी अनुमति

गोरखपुर, एजेंसी। जिला महिला अस्पताल के वार्डों में अब तीमारदारों की मनमानी नहीं चलेगी। एक मरीज के साथ सिर्फ एक तीमारदार को ही रहने की अनुमति होगी। वहीं, मरीजों का हाल जानने आने वाले परिजन को भी एक बार में एक ही व्यक्ति को वार्ड में प्रवेश दिया जाएगा। अस्पताल प्रशासन ने वार्डों में बढ़ती भीड़ और अव्यवस्था पर अंकुश लगाने के लिए यह कदम उठाया है। अस्पताल में प्रसव के बाद प्रसूताओं और नवजातों को देखने के लिए बड़ी संख्या में रिश्तेदार पहुंचते हैं। कई बार एक मरीज के साथ कई लोग वार्ड में मौजूद रहते हैं। इससे न केवल दूसरे मरीजों को परेशानी होती है, बल्कि डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को भी उपचार में दिक्कत आती है। प्रमुख अधीक्षक डॉ. अनिल झा ने नई व्यवस्था का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए सुरक्षाकर्मियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। लाउडस्पीकर से लगातार इसकी जानकारी भी दी जा रही है। अस्पताल प्रशासन अब मुलाकात के लिए टोकन व्यवस्था शुरू करने की तैयारी में है। एसआईसी ने बताया कि इसके लागू होने से अनावश्यक आवाजाही पर रोक लगेगी और मरीजों को बेहतर माहौल मिल सकेगा।

एआई और आधुनिक तकनीक से बदलेगी पूर्वांचल की स्वास्थ्य सेवाओं की तस्वीर

गोरखपुर, एजेंसी। पूर्वांचल में मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों का विस्तार हो रहा है लेकिन अब चुनौती इलाज की गुणवत्ता सुधारने और विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की है। इसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल तकनीक और चिकित्सा अनुसंधान को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना होगा। शनिवार को तारामंडल स्थित एक होटल में आयोजित हेल्थ कॉन्क्लेव-2026 में विशेषज्ञों ने इस दिशा में मिलकर काम करने की जरूरत बताई। पूर्वांचल जनशक्ति फाउंडेशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष वेद प्रकाश राय ने कहा कि चिकित्सा संस्थानों, शिक्षण संस्थानों और समाज के साझा प्रयास से ही स्वास्थ्य सेवाओं में बदलाव संभव है। आधुनिक तकनीक का उपयोग मरीजों को बेहतर और समयबद्ध इलाज उपलब्ध कराने में मददगार हो सकता है।

उद्यमियों की मेहनत से देश-विदेश में चमक रही शामली की पहचान, दीपावली मिलन में उद्योग विकास पर जोर



शामली (शिखर समाचार)। कैराना रोड स्थित एक होटल में शनिवार रात शामली इंडस्ट्रियल एस्टेट मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन की ओर से दीपावली मिलन समारोह एवं पारिवारिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में प्रदेश सरकार के व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री कपिल देव अग्रवाल, सहारनपुर मंडलायुक्त डॉ. रूपेश कुमार, जिलाधिकारी आलोक यादव और पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह सहित बड़ी संख्या में उद्यमियों ने परिवार सहित भाग लिया। रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में उत्साह और उल्लास के रंग भर दिए।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने फीता काटकर किया, जबकि मंडलायुक्त डॉ. रूपेश कुमार ने दीप प्रज्वलित कर विधिवत उद्घाटन किया। कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों और परिवारों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि वह आज भी मुजफ्फरनगर और शामली को एक ही मानते हैं। पिछले नौ वर्षों से लगातार इस आयोजन में शामिल हो रहे हैं और यहां आकर उन्हें विशेष प्रसन्नता होती है। उन्होंने शामली के उद्यमियों की मेहनत और लगन की सराहना करते हुए कहा कि यहां के उद्योगपतियों ने देश-विदेश में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शामली जैसे छोटे शहर को शीर्ष तकनीक का पुरस्कार मिलना बड़ी उपलब्धि है। उद्योगों का विकास ही अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और रोजगार के नए अवसर पैदा करने का आधार है।

मंडलायुक्त डॉ. रूपेश कुमार ने कहा कि उद्योग आर्थिक विकास और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उद्योगों से हजारों लोगों को रोजगार मिलता है और सरकार को राजस्व भी प्राप्त होता है। उन्होंने अधिकारियों से उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने की अपेक्षा की। जिलाधिकारी आलोक यादव और पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने भी उद्यमियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

एसोसिएशन अध्यक्ष अंकित गोयल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन उद्यमियों के बीच आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं। समारोह में मुख्य अभियंता विद्युत विनोद गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. टीके सक्सेना, ज्वाइंट कमिश्नर उद्योग केंद्र वीरेंद्र कुमार, आईपीएस अधिकारी गोविंद अग्रवाल और लघु उद्योग भारती के संभाग महामंत्री अनुपम गुप्ता ने भी विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन अंकित गोयल ने किया। इस अवसर पर एसोसिएशन के संरक्षक अशोक बंसल, आलोक जैन, कमल गोयल, अमित जैन, आशीष अग्रवाल, अपूर्व जैन, राहुल जैन, वेद प्रकाश आर्य, राहुल गर्ग, रुचिर गोयल, सुधाकर आर्य, रोहित गर्ग, अभिषेक जैन, मोहित जैन, आशीष जैन, विशाल गुप्ता, परविंद जैन सहित बड़ी संख्या में उद्यमी परिवारों के साथ मौजूद रहे।

हैंडबॉल, मुक्केबाजी, ताइक्वांडो और टेबल टेनिस में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

आगरा, एजेंसी। फतेहाबाद रोड स्थित मांगलिक शिक्षा केंद्र और द इंटरनेशनल स्कूल (टीसा) समेत विभिन्न परिसरों में 20वें मून स्कूल ओलंपिक्स के तहत खेल प्रतियोगिताएं कराई गईं। हैंडबॉल, मुक्केबाजी, ताइक्वांडो और टेबल टेनिस में छात्र-छात्राओं ने अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

बोस्टन पब्लिक और माही इंटरनेशनल बने चैंपियन – मांगलिक शिक्षा केंद्र में हैंडबॉल बालक वर्ग के पहले सेमीफाइनल में विजया इंटरनेशनल ने माही इंटरनेशनल को 7-4 से और दूसरे मुकाबले में बोस्टन पब्लिक स्कूल ने होली पब्लिक जूनियर कॉलेज को 11-5 से हराया। खिताबी भिड़ंत में बोस्टन पब्लिक स्कूल ने विजया इंटरनेशनल को 11-10 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। बालिका वर्ग के फाइनल में माही इंटरनेशनल ने होली पब्लिक जूनियर कॉलेज को 4-2 से हराकर विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। इस दौरान मुख्य अतिथि एसएस कॉन्वेंट स्कूल के निदेशक मनीष गुप्ता, राज बहादुर सिंह चाहर, अमित ग्वाला, पंकज बंसल, राजकुमार उपाध्याय, विकास सविता, राजीव दीक्षित, राहुल पालीवाल, मनीष तिवारी, ताराचंद आदि उपस्थित रहे।



क्वार्टर फाइनल में दिखाई आक्रामकता –मुक्केबाजी प्रतियोगिता में 75 विद्यालयों के 438 बालक-बालिकाएं हिस्सा ले रहे हैं। शनिवार को क्वार्टर फाइनल अंडर-14 बालक वर्ग में सुजान खान, मानव, असद खान, देव कुमार, आदित्य, कान्हा ठाकुर, विजय राजपूत, हर्ष शर्मा, यश शर्मा और कार्तिक राणा विजेता रहे। अंडर-14 बालिका वर्ग में मानवी सिंह, जानवी गुर्जर, तन्वी, सोनम तोमर, भूमि राजपूत और आराध्या यादव विजेता रहीं। अंडर-19 बालक वर्ग में प्रिंस कुशवाहा, अनिरुद्ध यादव, आदित्य चौहान, अमन खान, विनीत पाराशर, दुष्यंत सिंह और देवेंद्र सिंह विजेता रहे। अंडर-19 बालिका वर्ग में रिद्धि, मोहिनी, खुशी चौहान, कनक, वंशिका और साक्षी राठौर विजेता रहीं। मैच में निर्णायक की भूमिका दीपक मिस्त्री, राजबहादुर, आदित्य कुमार, विपिन शाक्य, श्रीकांत चौधरी, राहुल ठाकुर और मनोज राजपूत ने निभाई।

चार विद्यालयों ने जीती ओवरऑल चैंपियनशिप – ताइक्वांडो प्रतियोगिता वरिष्ठ बालिका वर्ग में सेंट एंड्रूज कर्मयोगी एन्क्लेव (16 अंक), वरिष्ठ बालक वर्ग में सीएफ एंड्रूज (23 अंक), जूनियर बालक वर्ग में सेंट एंड्रूज बरौली अहीर (41 अंक), जूनियर बालिका वर्ग में गायत्री पब्लिक स्कूल शास्त्रीपुरम (23 अंक) पाकर ओवरऑल विजेता रहे।

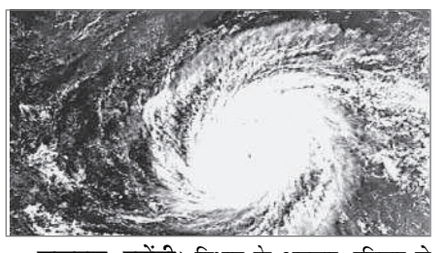
प्रतियोगिता में संजय सिंघल, शैलेंद्र पाठक, प्रदीप अग्रवाल, विकास भारद्वाज, लोकेश पाठक, राज बहादुर चाहर, डॉ. मुनीश्वर गुप्ता और रजत सिंघल अतिथि रहे।

मीना मंच निखारेगा बेटियों का आत्मविश्वास

कानपुर, एजेंसी। परिषदीय स्कूलों और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में छात्राओं का आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें जीवन कौशल सिखाने के लिए 624 विद्यालयों के मीना मंच सुगमकर्ताओं को ब्लॉक स्तर पर दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए तीन लाख रुपये का बजट जारी किया गया है। सभी कार्यशालाएं 30 नवंबर तक पूरी की जाएंगी। बीएसए हरिओम सिंह ने बताया कि समग्र शिक्षा की राज्य परियोजना निदेशक के निर्देश पर प्रशिक्षण होगा। प्रशिक्षित सुगमकर्ता अपने विद्यालय के दो अन्य शिक्षकों को भी प्रशिक्षण देंगे। कक्षा छह से आठ तक के विद्यार्थियों की टीमें बनाकर हर शनिवार भोजनावकाश के बाद गतिविधियां कराई जाएंगी। इनकी रिपोर्ट टूल-10 पर अपलोड होगी। सुगमकर्ताओं और दो अन्य शिक्षकों को दीक्षा पोर्टल से सेल्फ-एस्टीम प्रशिक्षण भी लेना होगा। प्रति बैच 50 प्रतिभागियों और दो संदर्भदाताओं के लिए 30 हजार रुपये खर्च होंगे। प्रशिक्षण की निगरानी खंड शिक्षा अधिकारी करेंगे। बीएसए गुणवत्ता और शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। कार्यशाला के एक सप्ताह के भीतर खर्च का ब्योरा राज्य परियोजना कार्यालय भेजना होगा।

बारिश-हवाएं थमने के बाद पारा चढ़ने का अनुमान

प्रदेश में समय से पहले हो सकती है कोहरे की दस्तक



लखनऊ, एजेंसी। विभाग के अनुसार, रविवार से अर्नब तूफान और पश्चिमी विक्षोभ का असर कमजोर पड़ने लगेगा। विंध्य क्षेत्र को छोड़कर प्रदेश के बाकी हिस्सों में बारिश और तेज हवाओं का दौर थमने के आसार हैं। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि रविवार से अगले तीन दिनों में दिन के तापमान में पांच से सात डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं, रात के तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट के संकेत हैं। बारिश थमने के बाद प्रदेश के विभिन्न जिलों में सुबह हल्के से मध्यम कोहरे की स्थिति बन सकती है। बारिश के चलते शनिवार को गोरखपुर में अधिकतम तापमान 22.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा। वहीं, मुजफ्फरनगर में न्यूनतम तापमान 14.9 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडी रात रही। बारिश के आंकड़ों के अनुसार शनिवार को गोरखपुर में 63.8 मिमी, सिद्धार्थनगर में 62.2 मिमी, बस्ती में 57.2 मिमी, महाराजगंज में 56.6 मिमी और मथुरा में 31 मिमी बारिश दर्ज की गई।

नवंबर में ठंड और बारिश दोनों रहेंगे सामान्य से कम

नवंबर में उत्तर प्रदेश में बारिश के सामान्य से कम रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क रह सकता है। हालांकि मध्य और पश्चिमी यूपी के कुछ इलाकों में हल्की फुल्की बारिश रह सकती है। तापमान की बात करें तो दिन और रात दोनों का पारा सामान्य से अधिक रहने के संकेत हैं। ऐसे में नवंबर में ठंड सामान्य से कम रह सकती है।

नगर निगम का खजाना खाली होने के कगार पर, भुगतान पर संकट

कानपुर, एजेंसी। नगर निगम का सरकारी खजाना खाली होने के कगार पर है। सही से वसूली न होने के चलते ठेकेदारों समेत कई अन्य भुगतानों को रोकना पड़ रहा है। इस पर मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी ने नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय को पत्र भेजकर वसूली बढ़ाने और समीक्षा करने की जरूरत बताई है। वसूली न होने का कारण कर्मचारियों के जनगणना में लगा होना बताया जा रहा है। मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी रीता सचान की ओर से नगर आयुक्त को भेजे गए पत्र में बताया गया कि जिले के सभी छह जोन में विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इन विकास कार्यों के भुगतान के लिए ठेकेदार अपनी पत्रावलियों को पेश कर रहे हैं। चीफ इंजीनियर की संस्तुति के बाद सभी पत्रावलियां भुगतान के लिए लेखा विभाग पहुंच रही हैं। नगर निगम की वसूली की स्थिति पिछले कुछ दिनों से ज्यादा खराब है। ऐसे में नगर निगम निधि में कुछ धनराशि ही शेष है। भुगतान के लिए रोजाना कई-कई फाइलें आ रही है। ऐसे में भुगतान पर संकट आ रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि इन पत्रावलियों के त्वरित भुगतान के लिए जरूरी है कि सभी जोन से होने वाली वसूली की नियमित समीक्षा की जाए। वसूली न बढ़ी तो भुगतान किया जाना संभव नहीं होगा।

भुगतान वाले मद में नहीं बची धनराशि –वेतन, पेंशन आदि भुगतान के बाद हर महीने बचने वाली धनराशि को जोड़ कर देखा जाए तो नगर निगम के पास पर्याप्त पैसा मौजूद है। हालांकि ठेकेदारों का भुगतान नगर निगम के जिस मद से होता है उसमें पर्याप्त धनराशि नहीं है।

जनगणना में ड्यूटी बनी वजह

कर्मचारियों की माने तो वसूली कार्य में लगने वाला ज्यादातर स्टाफ इन दिनों जनगणना ड्यूटी में व्यस्त है। ऐसे में वसूली का कार्य प्रभावित हो रहा है। दूसरी ओर ओटीएस के तहत पैसा सीधे शासन जा रहा है। फिर वहां से यहां आ रहा है। इस मद में 15 करोड़ रुपये जमा किए गए जिसमें अभी तक 1.26 करोड़ ही आया है। नगर निगम निधि में हर महीने शासन से करीब 60-65 करोड़ रुपये आता है। यह धनराशि वेतन, पेंशन, एरियर, बीमा, ग्रेच्युटी जैसे भुगतान के लिए होती है। दूसरी ओर हाउस टैक्स, औद्योगिक टैक्स, सेंट्रल टैक्स, विज्ञापन, यूजर चार्ज (जुर्माना), पार्किंग, डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन में कंपनी की तरफ से जमा होने वाली धनराशि आदि से नगर निगम की आय होती है।

संगठनात्मक अभियानों को लेकर भाजपा महानगर की बैठक, 5 नवंबर से गाजियाबाद में शुरू होगी पदयात्रा

सहारनपुर (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी महानगर इकाई की बैठक में आगामी संगठनात्मक अभियानों की रूपरेखा तैयार की गई। स्थानीय पार्श्वनाथ सिटी स्थित महानगर कार्यालय पर आयोजित बैठक में 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' अभियान को सफल बनाने के लिए कार्यकताओं से एकजुट होकर जुटने का आह्वान किया गया। अभियान के अंतर्गत 5 नवंबर को गाजियाबाद से पदयात्रा का शुभारंभ होगा।

बैठक को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष शीतल विश्नोई ने प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और संगठनात्मक संदेशों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की ताकत है और सभी को पूरी एकजुटता एवं समर्पण के साथ पार्टी के अभियानों को सफल बनाना है। उन्होंने कहा कि संगठन का संकल्प तीसरी बार योगी सरकार बनाने का है। टिकट किसी को भी मिले, लेकिन सभी कार्यकताओं का लक्ष्य कमल खिलाना होना चाहिए।



नगर विधायक राजीव गुंबर ने कहा कि प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में अमित शाह ने उत्तर प्रदेश में भाजपा की मजबूत संगठनात्मक स्थिति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासन और कार्यकताओं के परिश्रम से पार्टी का संगठन मजबूत हुआ है। अब सभी कार्यकताओं को एकजुट होकर वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ काम करना है। उन्होंने कहा कि संगठन में व्यक्ति से ऊपर पार्टी है और टिकट किसी को भी मिले, प्रत्येक कार्यकर्ता को पार्टी की सफलता के लिए पूरी ताकत लगानी होगी। देहात विधानसभा प्रभारी सतेंद्र तोमर और महापौर डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के साथ सरकार की विकास योजनाओं और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। आगामी संगठनात्मक अभियान इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बैठक में देहात विधानसभा प्रभारी सतेंद्र तोमर, पूर्व महानगर अध्यक्ष के.एल. अरोड़ा, हेमंत अरोड़ा, अमित गगनेजा, राकेश जैन, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य प्रेमपाल कटारिया और पूर्व विधायक जगपाल सिंह मंच पर उपस्थित रहे। इस दौरान नवनियुक्त महानगर पदाधिकारियों विशाल दुवा, राजकुमार कालड़ा, राजीव अग्रवाल, विनीत गुप्ता, मोर्चा अध्यक्ष सारिका गुप्ता तथा अरुण प्रताप सिंह, संजीव विश्वकर्मा और वरदान घावरी का स्वागत किया गया। बैठक में महानगर महामंत्री किशोर शर्मा, सरदार सुपनीत सिंह, ललित कटारिया सहित मंडल अध्यक्ष, मंडल महामंत्री, पार्षद और बड़ी संख्या में वरिष्ठ एवं युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जहरीली कच्ची शराब के खिलाफ महिलाओं का फूटा गुस्सा, नगीना-नहटौर मार्ग पर लगाया जाम

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। गांव में कथित रूप से अवैध और जहरीली कच्ची शराब की बिक्री से परेशान महिलाओं का आक्रोश रविवार को सड़कों पर उतर आया। नगीना-नहटौर मार्ग स्थित ग्राम धर्मशानंगली में सैकड़ों महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने शराब की बिक्री बंद कराने की मांग को लेकर धरना देते हुए जाम लगा दिया। घंटों तक चले प्रदर्शन के कारण मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात ठप हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद प्रदर्शनकारियों को समझाकर जाम खुलवाया।



प्रदर्शनकारी महिलाओं का आरोप है कि गांव में कुछ लोग अपने घरों से खुलेआम अवैध देशी शराब बेच रहे हैं। इसकी शिकायत कई बार पुलिस और प्रशासन से की गई, लेकिन कुछ दिनों तक बिक्री बंद रहने के बाद फिर से कारोबार शुरू हो जाता है। महिलाओं ने हल्का पुलिस पर भी शराब कारोबारियों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

धरने पर बैठीं सपना देवी, रीना देवी, अमिता, शशि देवी और कुंती देवी सहित अन्य महिलाओं ने बताया कि शराब की लत के कारण गांव के कई परिवार बबार्दी की कगार पर पहुंच गए हैं। नशे में पुरुष महिलाओं के साथ मारपीट करते हैं। कई नवविवाहित महिलाएं पतियों की नशे की आदत और घरेलू हिंसा से परेशान होकर मायके जाने को मजबूर हो गई हैं। महिलाओं ने बताया कि करीब तीन महीने पहले शराब के नशे में एक युवक रेलवे फाटक पर ट्रेन की चपेट में आ गया था, जबकि लगभग दस दिन पहले एक युवक की कथित रूप से जहरीली शराब पीने से मौत हो गई। एक अन्य व्यक्ति की आंतें खराब होने की बात भी कही गई।

ग्रामीणों ने बताया कि इससे पहले भी उपजिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर शिकायत की गई थी, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। धरने के दौरान रीपा देवी भी मौके पर पहुंचीं और महिलाओं की समस्याएं सुनकर उनकी मांगों को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। प्रदर्शनकारियों ने अवैध शराब की बिक्री तत्काल बंद कराने, कथित शराब कारोबारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और पुलिस की भूमिका की जांच कराने की मांग की। महिलाओं ने चेतावनी दी कि कार्रवाई नहीं होने पर वे जिलाधिकारी कार्यालय बिजनौर पर बड़ा आंदोलन करेंगी। प्रदर्शन में अर्चना देवी, कुंती देवी, क्रांति देवी, सपना देवी, रीना देवी, सावित्री देवी, पूनम देवी, आशा देवी, बाला देवी, लता देवी, सुमन देवी, रीता देवी, शशि देवी, कमला देवी, ओमवती देवी, पुष्पा देवी, दयावती देवी, पूजा देवी और प्रभा देवी सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

खेलकूद प्रतियोगिता में प्रिंसटन हाउस ने मारी बाजी, कबड्डी और वॉलीबॉल में हासिल की जीत

कैराना/शामली (शिखर समाचार)। द न्यू हाइट्स एकेडमी में दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी खेल प्रतिभा, शारीरिक दक्षता, अनुशासन और टीम भावना का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन इमरान अहमद सिद्दीकी ने किया। इस दौरान विभिन्न सदनों के कप्तानों के नेतृत्व में खिलाड़ियों ने मार्च करते हुए खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के अंतर्गत कबड्डी, वॉलीबॉल, 100, 200 और 400 मीटर दौड़, रस्साकशी, बोरी दौड़, बैग दौड़ और भाला फेंक सहित विभिन्न खेल स्पर्धाएं आयोजित की गईं। परिणामों में प्रिंसटन हाउस ने कबड्डी और वॉलीबॉल दोनों प्रतियोगिताओं में जीत दर्ज कर अपना दबदबा कायम किया, जबकि रस्साकशी में ऑक्सफोर्ड हाउस विजेता रहा। प्रतियोगिता को सफल बनाने में खेल प्रशिक्षक ओमप्रकाश और दीपक कुमार का विशेष योगदान रहा। चेयरमैन इमरान अहमद सिद्दीकी ने कहा कि खेल केवल जीत-हार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, धैर्य और संघर्ष करने की भावना विकसित करते हैं। शिक्षा के साथ खेलों में भागीदारी भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी है। प्रधानाचार्य विवेक कुमार उपाध्याय ने कहा कि खेल विद्यार्थियों को सहयोग, एकता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की सीख देते हैं। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।



दीवानी न्यायालय में लगे मेगा शिविर से 300 लाभार्थियों को मिला योजनाओं का लाभ

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। पात्र एवं जरूरतमंद लोगों को न्यायिक सहायता के साथ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से रविवार को सूरजपुर स्थित दीवानी न्यायालय परिसर में मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेशों पर आयोजित शिविर का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव ने फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

शिविर में विभिन्न सरकारी विभागों की ओर से स्टॉल लगाकर आमजन को जनकल्याणकारी योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और मिलने वाले लाभ की जानकारी दी गई। जनपद न्यायाधीश और मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी ने प्रोबेशन, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, कृषि, जल शक्ति, पंचायती राज, स्वच्छ भारत मिशन, कौशल विकास, पशुपालन, श्रम, चिकित्सा, वन, परिवहन, पुलिस, अग्निशमन सहित विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया। नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण, जिला उद्योग केंद्र, बैंकिंग संस्थानों और नगरीय विकास विभाग की ओर से भी सेवाओं की जानकारी दी गई।



कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से विधिक जागरूकता, सामाजिक सरोकारों और सरकारी योजनाओं का संदेश दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे आयोजन जरूरतमंद और वंचित वर्गों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने तथा सरकारी योजनाओं से जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं। कोई भी पात्र व्यक्ति जानकारी या संसाधनों के अभाव में योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए।

शिविर में पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड और प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए। विभिन्न विभागों ने योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया समझाने के साथ आवश्यक सेवाएं भी उपलब्ध कराईं। आयोजकों के अनुसार, इस मेगा शिविर के माध्यम से लगभग 300 लाभार्थियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

इस अवसर पर एडिशनल सीपी अजय कुमार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पूर्णकालिक सचिव शिवानी रावत, अपर जिला जज एवं विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) सोमप्रभा मिश्रा, प्रभारी जिला विकास अधिकारी एवं परियोजना निदेशक डीआरडीए नेहा सिंह सहित न्यायिक, पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

नंदग्राम पुलिस का अवैध पटाखों के कारोबार पर शिकंजा, एक आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आगामी त्योहारों को देखते हुए अवैध आतिशबाजी के भंडारण और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए गाजियाबाद पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में थाना नंदग्राम पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए अवैध आतिशबाजी के पटाखे रखने के आरोप में एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई को त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और किसी भी संभावित दुर्घटना को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पुलिस के अनुसार, अवैध रूप से पटाखों का भंडारण और बिक्री करना आमजन की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। विशेषकर घनी आबादी वाले क्षेत्रों में आतिशबाजी का अनुचित भंडारण आगजनी और अन्य हादसों का कारण बन सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में निगरानी और चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।



चुनावी घोषणापत्र में शिक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें राजनीतिक दल : संयुक्त अभिभावक संघ

रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। संयुक्त अभिभावक संघ ने प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों से शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को अपने चुनावी घोषणापत्र में प्रमुखता से शामिल करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि मध्यम और गरीब वर्ग के आर्थिक शोषण की बड़ी वजह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए निजी संस्थानों पर निर्भरता है। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी है कि सरकारी शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को इतना मजबूत बनाया जाए कि आम परिवारों को मजबूरी में निजी संस्थानों का सहारा न लेना पड़े। संयुक्त अभिभावक संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य प्रत्येक नागरिक की बुनियादी जरूरतें हैं। देश और प्रदेश में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए, जिसमें प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आसानी से उपलब्ध हो और जरूरतमंद लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के लिए आर्थिक परेशानियों का सामना न करना पड़े। संगठन ने सभी राजनीतिक दलों से इन दोनों विषयों को चुनावी राजनीति के बजाय जनहित के महत्वपूर्ण मुद्दों के रूप में देखने की अपील की। संगठन का स्पष्ट कहना है कि उसे निजी विद्यालयों और निजी अस्पतालों से कोई विरोध नहीं है, बल्कि मांग यह है कि सरकारी व्यवस्थाएं इतनी सक्षम हों कि निजी संस्थानों की सेवाएं लेना लोगों की अपनी पसंद हो, न कि मजबूरी। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकारी सुविधाओं की गुणवत्ता और उपलब्धता बढ़ने से मध्यम तथा गरीब परिवारों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ भी कम हो सकेगा। संयुक्त अभिभावक संघ से जुड़े जयवीर राणा ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में राजनीतिक दलों को सत्ता प्राप्ति के साथ जनता के भविष्य और बुनियादी जरूरतों को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जो राजनीतिक दल जनता से जुड़े वास्तविक मुद्दों को अपने एजेंडे में स्थान देंगे, उन्हें ही समाज में अधिक महत्व मिलेगा। संगठन ने दोहराया कि शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे विषयों पर राजनीतिक दलों की नीतियों और संकल्पों को ध्यान में रखकर जनता को अपनी राय बनानी चाहिए।

सड़क सुरक्षा का संदेश लेकर निकली जागरूकता रैली, शामली में यातायात माह का आगाज



शामली (शिखर समाचार)। जनपद में रविवार को यातायात माह नवंबर-2026 का शुभारम्भ जागरूकता रैली के साथ किया गया। पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने पुलिस लाइन से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं और एनसीसी कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला, क्षेत्राधिकारी यातायात जितेन्द्र सिंह, आरटीओ प्रवेश कुमार सहित पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने कहा कि यातायात नियमों का पालन प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। वाहन चलाते समय की गई छोटी सी लापरवाही भी गंभीर सड़क दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए सभी को सावधानी और संयम के साथ वाहन चलाना चाहिए। उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों के साथ पीछे बैठने वाले व्यक्ति से भी हेलमेट लगाने तथा चारपहिया वाहनों में सभी सवारियों से सीट बेल्ट का प्रयोग करने की अपील की। निर्धारित गति सीमा का पालन करने, नशे में वाहन नहीं चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग नहीं करने और गलत दिशा में वाहन चलाने से बचने का संदेश दिया गया। साथ ही ओवरलोडिंग, बाइक स्टंट, प्रेशर हॉर्न और परिवर्तित साइलेंसर के इस्तेमाल से दूर रहने तथा पैदल यात्रियों को जेब्रा क्रॉसिंग का प्रयोग करने की सलाह दी गई। यातायात माह के दौरान जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में यातायात पुलिस और थाना पुलिस संयुक्त रूप से जागरूकता अभियान चलाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई भी की जाएगी। रैली पुलिस लाइन से शुरू होकर माजरा रोड, भिक्की मोड़, शिव चौक, वर्मा मार्केट और फव्वारा चौक से होते हुए विजय चौक पर संपन्न हुई। शामली पुलिस ने नागरिकों से यातायात नियमों का पालन कर स्वयं और दूसरों का जीवन सुरक्षित रखने की अपील की।

माल गोदाम के पास झुग्गी में लगी भीषण आग, दो मासूम बच्चों की बची जान



हापुड़ (शिखर समाचार)। सदर कोतवाली क्षेत्र के रेलवे स्टेशन के पास स्थित पार्क माल गोदाम के निकट बनी एक झुग्गी में रविवार रात अचानक भीषण आग लग गई। हादसे के वक्त झुग्गी के अंदर दो छोटे बच्चे अकेले मौजूद थे, जिन्हें राहत कार्य के लिए वहां पहुंचे श्रवण फाउंडेशन के दो सदस्यों ने अपनी जान पर खेलकर सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस साहसिक कार्य से बच्चों की जान बाल-बाल बच गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, माल गोदाम के पास बनी इस झुग्गी में एक मजदूर दंपति अपने एक और दो वर्ष के दो बच्चों के साथ रहता है। रविवार की रात माता-पिता चूल्हे पर खाना रखने के बाद बच्चों को झुग्गी में अकेला छोड़कर कुछ जरूरी सामान लेने बाजार गए हुए थे। इसी दौरान अचानक झुग्गी में आग भड़क उठी। तिरपाल और कबाड़ से बनी झुग्गी होने के कारण आग ने तुरंत विकराल रूप ले लिया और चारों तरफ अफरा-तफरी मच गई। संयोगवश उसी समय श्रवण फाउंडेशन के सदस्य राजकुमार शर्मा और सुमित अग्रवाल प्रतिदिन की तरह रेलवे स्टेशन और माल गोदाम क्षेत्र में जरूरतमंदों को निःशुल्क भोजन वितरित करने पहुंचे थे। आग की लपटें और धुआं देखकर जैसे ही उनकी नजर झुग्गी पर पड़ी, उन्होंने तुरंत बिना एक पल गंवाए जलती हुई झुग्गी के अंदर प्रवेश किया और दोनों मासूमों को सुरक्षित बाहर सुरक्षित निकाल लाए।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यदि फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा समय रहते यह कदम न उठाया जाता, तो एक बड़ा हादसा हो सकता था। इस आगजनी में झुग्गी में रखा गृहस्थी का सारा सामान जलकर पूरी तरह राख हो गया, लेकिन समय पर मदद मिलने से दोनों बच्चों की जान बच गई। घटना के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने फाउंडेशन के सदस्यों की बहादुरी की जमकर सराहना की।

हत्या और जानलेवा हमले के तीन वांछित आरोपियों पर 50-50 हजार का इनाम घोषित

मेरठ (शिखर समाचार)। मेरठ परिक्षेत्र के बुलंदशहर जनपद में हत्या, बलवा और जानलेवा हमले के मामलों में वांछित तीन आरोपियों पर पुलिस उप महानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र ने 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। जनपदीय पुलिस की संस्तुति पर यह कार्रवाई की गई है। इन आरोपियों में रामकुमार पुत्र छज्जन सिंह निवासी गिरधारी नगर, कोतवाली नगर बुलंदशहर, रोहित उर्फ कारतूस पुत्र सुंदर निवासी मोहम्मदपुर शाहबाद, थाना सेक्टर-23 द्वारका, दिल्ली तथा गौरव राठी उर्फ चिंटू पुत्र कपिल निवासी खंडेवाला, थाना फर्रुखनगर, गुरुग्राम शामिल हैं। रामकुमार कोतवाली नगर में दर्ज हत्या के मामले में वांछित है, जबकि रोहित और गौरव ककोड़ थाने में दर्ज हत्या, बलवा और जानलेवा हमले के मुकदमे में वांछित हैं।



पुलिस के अनुसार रामकुमार के खिलाफ बुलंदशहर में मुकदमे दर्ज हैं, जबकि रोहित और गौरव के विरुद्ध बुलंदशहर के अलावा हरियाणा के गुरुग्राम, पटौदी और सोहना के विभिन्न थानों में भी मामले दर्ज हैं।

मेरठ परिक्षेत्र के चारों जनपदों में पिछले 15 दिनों के दौरान कुल 19 वांछित एवं फरार आरोपियों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया जा चुका है। इनमें से आठ आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस उप महानिरीक्षक ने शेष इनामी आरोपियों की गिरफ्तारी, नए इनाम घोषित कराने और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने के निर्देश अधीनस्थ अधिकारियों को दिए हैं।

विधिक सहायता शिविर में 893 लाभार्थियों को मिला सरकारी योजनाओं का लाभ

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद न्यायालय परिसर में रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से मेगा वृहद विधिक सहायता शिविर का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर आयोजित शिविर का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश ने फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी एवं महत्वाकांक्षी योजनाओं के माध्यम से करीब 893 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। इस दौरान प्रतीकात्मक चेक, तिपहिया साइकिल, दोना-पत्तल बनाने वाली मशीन और प्रमाण पत्र वितरित किए गए।



कार्यक्रम में अपर जिला जज हनी गोयल, ज्ञानेंद्र सिंह यादव, यज्ञेश चंद्र पांडेय, शेष बहादुर निषाद, अवनीश कुमार राय, मिताली गोविंद राव, वीरेश चंद्रा, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डॉ. ब्रह्मपाल सिंह सहित अन्य न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारी, अधिवक्ता और कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सिविल जज शैली शरन ने किया।

इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश ने आमजन से अपील की कि वे संबंधित विभागों में संपर्क कर विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करें। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से समय-समय पर पूर्व शिविर आयोजित किए जाते हैं। इसके माध्यम से परा‌विधिक स्वयंसेवकों द्वारा लोगों को उनके अधिकारों और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया जाता है। कार्यक्रम के अंत में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डॉ. ब्रह्मपाल सिंह ने उपस्थित न्यायिक अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों और लाभार्थियों का आभार व्यक्त किया।

सहारनपुर नगर निगम का 997.31 करोड़ रुपये का पुनरीक्षित बजट पारित, सौंदर्यीकरण पर बढ़ाया खर्च

सहारनपुर (शिखर समाचार)। महापौर डॉ. अजय सिंह की अध्यक्षता में आयोजित नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 997 करोड़ 31 लाख 81 हजार रुपये का पुनरीक्षित बजट सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। यह नगर निगम के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा पुनरीक्षित बजट बताया गया है। मूल बजट की तुलना में इसमें करीब 244 करोड़ 19 लाख रुपये की वृद्धि की गई है। बजट में शहर के विकास, निर्माण कार्यों, पेयजल व्यवस्था और सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। उद्यान विभाग का बजट लगभग दोगुना कर दिया गया है, ताकि महानगर में पार्कों, डिवाइडरों और हरित क्षेत्रों का विकास किया जा सके।



बैठक में लेखाधिकारी डॉ. मनोज त्रिपाठी ने बजट प्रस्तुत करते हुए बताया कि राज्य सरकार की अनुदान राशि में लगभग 62 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा निधि से 2 करोड़ 11 लाख 20 हजार रुपये तथा केंद्र सरकार की शैलो एक्वीफर प्रबंधन योजना के अंतर्गत 50 लाख रुपये अतिरिक्त प्राप्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि अधिष्ठान व्यय के लिए 142 करोड़ 45 लाख, पथ प्रकाश के लिए 21 करोड़ 65 लाख तथा निर्माण विभाग के लिए 297 करोड़ 15 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

शहर के सौंदर्यीकरण के लिए उद्यान विभाग का बजट 6 करोड़ 18 लाख से बढ़ाकर 11 करोड़ 43 लाख रुपये कर दिया गया है। गमले, पौधारोपण और डिवाइडर के विकास के लिए 4 करोड़ रुपये तथा पार्कों की चारदीवारी, सौर ऊर्जा से चलने वाली लाइट, रेलिंग और रंगाई-पुताई के लिए 3 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। जलकल विभाग में पाइपलाइन की मरम्मत और नई पाइपलाइन बिछाने के लिए 12 करोड़ रुपये तथा 32 गांवों के विकास के लिए 7 करोड़ 90 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। इन मदों में निर्धारित धनराशि 31 मार्च 2027 तक खर्च की जानी है।

बैठक में पार्षदों ने दीपावली सहित अन्य पर्वों पर विशेष सफाई और पथ प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग उठाई। उपसभापति मयंक गर्ग ने पुल दाल मंडी, पुल खुमरान और बेहट रोड से साईं मंदिर तक अतिक्रमण का मुद्दा उठाया। पार्षद सुधीर पंवार ने वार्ड 34 में विकास कार्यों में तेजी लाने तथा ढमोला नदी किनारे रेलवे की जमीन पर फैली गंदगी की समस्या रखी। इस पर महापौर ने रेलवे को पत्र लिखने के निर्देश दिए। पशु चिकित्सा कल्याण अधिकारी डॉ. संदीप मिश्रा ने बताया कि एक हजार श्वानों की क्षमता वाले पशु केंद्र का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। महापौर ने निर्माण कार्यों के टेंडर, शुरू हुए कार्यों और अधूरे कार्यों की सूची भी शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में पार्षद ज्योति अग्रवाल, सुलेख चंद, गौरव कपिल और महमूद सहित अन्य पार्षदों ने भी अपने वार्डों की समस्याएं उठाईं।

रक्तदान शिविर में युवाओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा, बलिदानियों को किया नमन

शामली (शिखर समाचार)। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की ओर से रविवार को हुतात्मा दिवस के अवसर पर बुढ़ाना रोड स्थित सर्वोदय ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के संयोजक बजरंग दल के जिला संयोजक राहुल खेवाल रहे। इस दौरान युवाओं और समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया।



कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बजरंग दल मेरठ प्रांत के प्रांत सह संयोजक उपेंद्र मिश्रा, प्रांत सेवा प्रमुख प्रेम, लक्ष्मीनगर विभाग के विभाग सह मंत्री हिमांशु शर्मा और विभाग सह संयोजक आर्यन उपस्थित रहे।

उपेंद्र मिश्रा ने कहा कि हुतात्मा दिवस वीर बलिदानियों के त्याग और समर्पण को स्मरण करने का अवसर है। राम मंदिर आंदोलन के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले राम कोठारी और शरद कोठारी का बलिदान सदैव याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को बलिदानियों के योगदान और उनके आदर्शों से परिचित कराया जाता है। हिमांशु शर्मा ने कहा कि रक्तदान महादान है। एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने में सहायक हो सकता है। बलिदानियों को सच्ची श्रद्धांजलि मानव सेवा और समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करके ही दी जा सकती है। शिविर में जिला अध्यक्ष प्रदीप पुंडीर, जिला उपाध्यक्ष प्रवीण चौहान, जिला मंत्री शालू राणा, जिला संगठन मंत्री शुभम, सन्नी सरोहा, बिजेंद्र, नगर मंत्री ऋतिक, अभय हुड्डा, अनमोल, नितिन राणा और रजत सहित अनेक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अनुभव-2026 में 25 संस्थानों के 94 विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा, चार श्रेणियों में चुने गए विजेता

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मोहन नगर स्थित आई.टी.एस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में शनिवार को अनुभव-2026 ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण परियोजना प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें दिल्ली-एनसीआर सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों के 25 शिक्षण संस्थानों के 94 विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपने व्यावहारिक ज्ञान, प्रबंधकीय दक्षता और व्यावसायिक कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त अनुभवों और परियोजनाओं को प्रस्तुत करने का मंच उपलब्ध कराना रहा।

कार्यक्रम में पूर्व कुलपति डॉ. शमीम अहमद, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के उप सचिव इंदु भूषण लेंका, आई.टी.एस के जनसंपर्क निदेशक सुरेंद्र सूद और संस्थान के निदेशक प्रो. डॉ. अजय कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आई.टी.एस एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा और उपाध्यक्ष अर्पित चड्ढा ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। अतिथियों ने विद्यार्थियों को व्यावहारिक कौशल, व्यावसायिक ईमानदारी, नवाचार और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगिता में विपणन, वित्त, सामान्य प्रबंधन और मानव संसाधन की चार श्रेणियों में परियोजनाएं प्रस्तुत की गईं। मूल्यांकन उद्योग एवं शिक्षा जगत के विशेषज्ञ हेमांशु कुमार, डॉ. आलोक कुमार, संदीप शर्मा और डॉ. सीमा मिश्रा ने किया। विपणन श्रेणी में आईआईएम अमृतसर के शुभम श्री प्रथम और जयपुरिया स्कूल ऑफ बिजनेस के शशांक गुप्ता द्वितीय रहे।



वित्त में जेआईएमएस कालकाजी के अर्पण श्रीवास्तव प्रथम और सीसीएस राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान के अभिनंदन तक द्वितीय स्थान पर रहे। सामान्य प्रबंधन में आईआईएचएस गाजियाबाद की सना अशरफ प्रथम तथा आई.टी.एस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के अक्षत अत्रे द्वितीय रहे। मानव संसाधन में आई.टी.एस के आशुतोष त्रिपाठी प्रथम और आरडीआईएएस दिल्ली की भूमिका अग्रवाल द्वितीय रहीं।

समापन समारोह में निर्णायकों ने विद्यार्थियों को सुझाव दिए तथा विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए। आयोजकों ने कहा कि प्रतियोगिता ने शिक्षा और उद्योग जगत के बीच समन्वय मजबूत करने के साथ विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव साझा करने का अवसर प्रदान किया।

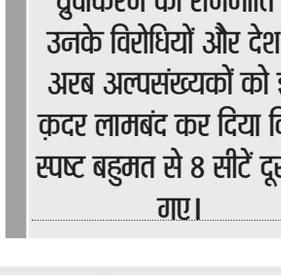
संपादकीय

रामलीला मैदान से गूंजा वोट बचाओ, देश बचाओ का नारा, चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्ष का शक्ति प्रदर्शन

दिल्ली का ऐतिहासिक रामलीला मैदान एक नवंबर को भारतीय राजनीति के एक बड़े घटनाक्रम का गवाह बना। इंडिया गठबंधन के 21 विपक्षी दलों ने यहां एक मंच पर जुटकर वोट बचाओ, देश बचाओ का नारा बुलंद किया और कथित वोट चोरी, मतदाता सूची में गड़बड़ियों तथा चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर केंद्र सरकार पर तीखे हमले किए। इस आयोजन ने केवल दिल्ली की राजनीति में हलचल नहीं मचाई, बल्कि देशभर में लोकतंत्र, मतदान के अधिकार और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर एक नई बहस भी छेड़ दी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती सहित कई प्रमुख विपक्षी नेताओं की मौजूदगी ने इस कार्यक्रम को राष्ट्रीय राजनीतिक महत्व प्रदान किया। इस आयोजन की शुरूआत केवल एक जनसभा के रूप में नहीं हुई, बल्कि विपक्षी नेताओं और कार्यकताओं ने मिंटो रोड से रामलीला मैदान तक वोट बचाओ, देश बचाओ मार्च निकालकर अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया। खुले वाहन में सवार विपक्षी नेताओं के साथ बड़ी संख्या में समर्थक आगे बढ़े। रास्ते में संविधान और लोकतंत्र के समर्थन में नारे लगाए गए तथा चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध दर्ज कराया गया। रामलीला मैदान में पहुंचने के बाद नेताओं ने मंच से केंद्र सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को निशाने पर लिया। विपक्ष का मुख्य आरोप था कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं और इससे चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है। गठबंधन ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को भी प्रमुखता से उठाया। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में 2024 के लोकसभा चुनाव को अवैध बताते हुए गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई किसी एक राजनीतिक पार्टी की आवाज नहीं, बल्कि देश के युवाओं और आम नागरिकों की आवाज है। उन्होंने कहा कि भारत में लोकतंत्र को समाप्त नहीं होने दिया जाएगा और संविधान को नष्ट करने की किसी भी कोशिश का विरोध किया जाएगा। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के कारण जनता के वास्तविक जनादेश को प्रभावित किया जा रहा है। उनका कहना था कि मतदान का अधिकार केवल कागज पर लिखा संवैधानिक अधिकार नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा है। यदि नागरिक के वोट की सुरक्षा पर ही प्रश्नचिह्न लग जाए तो लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता प्रभावित होना स्वाभाविक है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी केंद्र सरकार और भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि महिलाओं, युवाओं और दलितों के मताधिकार को प्रभावित करने की कोशिश हो रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ उठाए गए सवालों का जवाब मिलने तक विपक्ष अपना संघर्ष जारी रखेगा। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के मुद्दे को उठाते हुए कहा कि अब भाजपा को भी अपने समर्थकों के नाम कटने की चिंता होने लगी है। उन्होंने दावा किया कि विपक्ष की आवाज उठने के बाद सत्तारूढ़ दल को भी मतदाता सूची की प्रक्रिया पर विचार करना पड़ रहा है। ममता बनर्जी सहित अन्य नेताओं ने भी चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए विपक्षी एकजुटता को आगे बढ़ाने की बात कही। इस रैली के पीछे सबसे बड़ा मुद्दा मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर है। विपक्ष का आरोप है कि इस प्रक्रिया में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं और इसके कारण गरीबों, अल्पसंख्यकों तथा कमजोर सामाजिक वर्गों के मतदान अधिकार प्रभावित होने का खतरा है। अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों की रिपोर्टों में भी मतदाता सूची से बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने और इस पर उठे राजनीतिक विवाद का उल्लेख किया गया है। दूसरी ओर चुनाव आयोग का कहना है कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के लिए मृत, दोहरे पंजीकरण वाले और अपात्र मतदाताओं के नाम हटाना जरूरी है।

~ मौलिक चिंतन ~

अगर आपकी परछाई आपके साथ है, तो इसका मतलब उजाले आपके आसपास हैं।



© विनय संकोची

डिजिटल ठगी पर बैंकों की जवाबदेही जरूरी



कातिलाल मांडोत



डिजिटल तकनीक ने जीवन को जितना आसान और सुविधाजनक बनाया है, उतना ही इसके दुरुपयोग ने आम नागरिकों के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी कर दी हैं। आज मोबाइल फोन और इंटरनेट के माध्यम से घर बैठे बैंकिंग, खरीदारी, भुगतान और आर्थिक लेनदेन संभव हो गया है, लेकिन इसी सुविधा का लाभ उठाकर साइबर अपराधी लोगों की मेहनत की कमाई पर हाथ साफ कर रहे हैं। डिजिटल ठगी अब केवल तकनीकी समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह देश की आर्थिक सुरक्षा, नागरिकों के विश्वास और बैंकिंग व्यवस्था की विश्वसनीयता से जुड़ा गंभीर सवाल बन चुकी है। आए दिन साइबर धोखाधड़ी की घटनाएं समाचारों की सुर्खियां बनती हैं। कभी डिजिटल अरेस्ट के नाम पर लाखों रुपये ठग लिए जाते हैं तो कभी बैंक अधिकारी, पुलिस अधिकारी, सीबीआई या अन्य जांच एजेंसियों का अधिकारी बनकर लोगों को भयभीत किया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट और साइबर ठगी के बढ़ते मामलों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया है कि आखिर इतनी जागरूकता के बावजूद पढ़े-लिखे लोग भी साइबर अपराधियों के जाल में कैसे फंस रहे हैं? मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान यहां तक कहा कि मोबाइल पर किसी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। यदि कोई इस तरह डराता है तो मोबाइल दीवार पर मार दीजिए, डिजिटल अरेस्ट अपने आप खत्म हो जाएगा। उनकी यह टिप्पणी केवल व्यंग्य नहीं, बल्कि समाज को सचेत करने वाला संदेश है। कानून की जानकारी रखने वाले और शिक्षित नागरिक भी जब फर्जी गिरफ्तारी, जांच और कानूनी कार्रवाई के भय से अपनी जमा पूंजी ठगों को सौंप देते हैं तो यह चिंता का विषय बन जाता है।

डिजिटल अरेस्ट साइबर अपराध का ऐसा तरीका है जिसमें ठग स्वयं को पुलिस, सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय या अन्य सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर किसी व्यक्ति को फोन अथवा वीडियो कॉल के माध्यम से डराते हैं। उसे किसी गंभीर अपराध में शामिल होने की झूठी कहानी सुनाई जाती है। फिर गिरफ्तारी, पूछताछ और कानूनी कार्रवाई का भय दिखाकर लगातार निगरानी में रखा जाता है। पीड़ित व्यक्ति को परिवार और परिचितों से बात करने तक से रोका जाता है। इसी मानसिक दबाव में वह अपनी बैंक जमा पूंजी अपराधियों के खातों में स्थानांतरित कर देता है। वास्तविकता यह है कि भारत में डिजिटल माध्यम से किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। किसी भी सरकारी एजेंसी की कार्रवाई निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के अनुसार ही होती है।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की सबसे महत्वपूर्ण चिंता बैंकों की जवाबदेही को लेकर है। अदालत ने संकेत दिया है कि यदि बैंक की लापरवाही के कारण डिजिटल ठगी होती है तो बैंक को मुआवजा देने के लिए निर्देशित करने पर विचार किया जा सकता है। यह विचार साइबर अपराध के विरुद्ध लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। अभी तक अधिकांश मामलों में ठगी का शिकार होने वाला व्यक्ति ही अपनी रकम वापस पाने के लिए बैंक, पुलिस और साइबर अपराध शाखा के चक्कर लगाता रहता है। कई बार शिकायत दर्ज होने के बावजूद धनराशि वापस नहीं मिल पाती। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि जब बैंक ग्राहकों की जमा पूंजी की सुरक्षा और आर्थिक लेनदेन की निगरानी के लिए जिम्मेदार हैं तो संदिग्ध गतिविधियों के समय उनकी जवाबदेही क्यों तय नहीं होनी चाहिए?

बैंकिंग व्यवस्था में प्रत्येक ग्राहक के खाते से होने वाले लेनदेन का रिकॉर्ड उपलब्ध रहता है। किसी खाते में अचानक असामान्य रूप से बड़ी रकम जमा होना, कुछ ही मिनटों में कई खातों में धनराशि स्थानांतरित होना अथवा सामान्य व्यवहार से अलग लेनदेन होना संदेह पैदा करने के पर्याप्त कारण हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी असामान्य लेनदेन की स्थिति में बैंकों की जिम्मेदारी और पुलिस को सूचना देने की आवश्यकता पर जोर दिया है। अदालत ने म्यूल अकाउंट्स पर विशेष ध्यान देने की बात कही है। ऐसे खाते साइबर अपराधी दूसरे लोगों के नाम पर खुलवाकर या उनके बैंक खातों का दुरुपयोग करके ठगी की रकम को आगे भेजने के लिए इस्तेमाल करते हैं। इन खातों पर समय रहते निगरानी हो तो अपराधियों के नेटवर्क को कमजोर किया जा सकता है।

बैंकों को केवल लेनदेन पूरा करने वाली संस्था समझना पर्याप्त नहीं है। उन्हें ग्राहकों की आर्थिक सुरक्षा का सक्रिय प्रहरी भी बनना होगा। संदिग्ध लेनदेन की पहचान के लिए आधुनिक तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्रभावी निगरानी व्यवस्था को मजबूत करना समय की मांग है। यदि किसी ग्राहक के खाते में अचानक असामान्य गतिविधि दिखाई देती है तो बैंक को तत्काल ग्राहक से संपर्क करना चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर संदिग्ध लेनदेन को रोकने और संबंधित पुलिस अधिकारियों को सूचना देने की व्यवस्था होनी चाहिए। साथ ही बैंक कर्मचारियों को भी साइबर अपराध के नए तरीकों के प्रति प्रशिक्षित करना आवश्यक है।

साइबर अपराध पर नियंत्रण के लिए केवल बैंक और पुलिस की जिम्मेदारी तय करना पर्याप्त नहीं होगा। नागरिकों को भी अपनी जागरूकता बढ़ानी होगी। किसी अनजान व्यक्ति को मोबाइल पर बैंक संबंधी जानकारी, ओटीपी, पासवर्ड या व्यक्तिगत विवरण नहीं देना चाहिए। किसी भी सरकारी अधिकारी के नाम पर फोन करके पैसे की मांग की जाए तो उस पर विश्वास नहीं करना चाहिए। किसी भी प्रकार की धमकी मिलने पर घबराने के बजाय परिवार के सदस्यों और संबंधित अधिकारियों से संपर्क करना चाहिए। साइबर ठगी होने पर तुरंत बैंक को सूचित करके राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप इस दिशा में उम्मीद जगाता है कि डिजिटल ठगी के मामलों में अब केवल पीड़ित नागरिक की परेशानी नहीं, बल्कि बैंकिंग संस्थाओं की जिम्मेदारी भी गंभीरता से तय होगी। अटॉर्नी जनरल की ओर से अदालत को बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद डिजिटल अरेस्ट के मामलों में कमी आई है, लेकिन देश को अब भी साइबर अपराध के कारण भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। यह स्थिति बताती है कि जागरूकता अभियान के साथ कठोर निगरानी और प्रभावी जवाबदेही भी आवश्यक है। डिजिटल भारत का सपना तभी सार्थक होगा जब नागरिकों का डिजिटल व्यवस्था पर भरोसा सुरक्षित रहेगा। तकनीक विकास का माध्यम बने, भय और ठगी का हथियार नहीं। बैंकिंग संस्थाओं को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और साइबर अपराधियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। सुप्रीम कोर्ट की पहल इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण चेतावनी है कि ग्राहक की मेहनत की कमाई की सुरक्षा केवल उसकी निजी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि बैंकिंग व्यवस्था की भी जवाबदेही है।

तीर्थयात्रियों के जीवन पर भारी पड़ रही है हेलीकॉप्टर यात्रा



मनोज कुमार अग्रवाल

भारत में वर्ष पर्यन्त धार्मिक अनुष्ठान पूजा स्नान पर्व त्यौहार व यात्राओं का सिलसिला जारी रहता है जैसे विज्ञान की तरक्की हो रही है धार्मिक स्थलों की यात्रा जो कालांतर में पथरीली पहाड़ियों से पद यात्रा करते हुए बहुत जटिल और दुर्गम परिस्थितियों में की जाती रहीं अब यातायात के आधुनिक परिवहन साधनों के जरिए की जाने लगीं है इसी के चलते अब सम्पन्न लोगों के लिए हेली सर्विस धार्मिक स्थलों की सुगम यात्राएं कराने लगी हैं । लेकिन इनमें सुरक्षा इंतजाम में जबरदस्त खामी और नियमों का उल्लंघन लगातार दुर्घटनाओं को न्योता दे रहा है। हाल ही में 30 अक्टूबर को हुए हादसे में जोशीमठ इलाके में धार्मिक पर्यटन कर रहे चौपर सवार छह श्रद्धालुओं की दुखद मौत ने एक बार फिर हैलीकॉप्टर सेवा दे रही कंपनियों द्वारा बरती जा रही अनियमितता और भारी लापरवाही को अनावृत कर दिया है।

भारत में धार्मिक पर्यटन जैसे चारधाम यात्रा, वैष्णो देवी और अमरनाथ यात्रा के दौरान पिछले कुछ वर्षों में कई दुखद हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं हुई हैं। हिमालयी क्षेत्रों का अचानक बदलता मौसम, खराब दृश्यता और कठिन भौगोलिक परिस्थितियां इन हादसों का मुख्य कारण रही हैं।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अकेले उत्तराखंड में साल 2016 से 2026 के बीच 12 हेलीकॉप्टर हादसे हो चुके हैं, जिनमें 21 लोगों की जान गई है।

उत्तराखंड के केदारनाथ और बदरीनाथ धाम के रूट पर सबसे ज्यादा हादसे दर्ज किए गए हैं।

आपको बता दें कि 30 अक्टूबर 2026 जोशीमठ/बदरीनाथ धाम से देहरादून लौट रहा ट्रांस भारत एविएशन का एक निजी हेलीकॉप्टर खराब मौसम और बर्फबारी के बीच चमोली जिले में हाथी पर्वत (चाई गांव) के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में पायलट सहित 6 लोगों की मौत हो गई।

15 जून 2025 केदारनाथ घाटी आर्यन एविएशन का बेल 407 हेलीकॉप्टर केदारनाथ से गुप्तकाशी लौटते समय गौरीकुंड (गौरीमाई खर्क) के पास घने बादलों के कारण पहाड़ी से टकरा गया। इस हादसे में पायलट और एक बच्चे समेत 7 लोगों की जान चली गई।

18 अक्टूबर 2022 केदारनाथ धाम से उड़ान भरने के महज 5-6 सेकंड बाद ही एक हेलीकॉप्टर तकनीकी खराबी और खराब विजिबिलिटी के कारण क्रैश हो गया, जिसमें 7 श्रद्धालुओं की मौत हुई थी।

मई 2025 देहरादून से हर्षिल यमुनोत्री मार्ग जा रहा एक और बेल 407 हेलीकॉप्टर पहाड़ी से टकराया, जिसमें 6 पर्यटकों की मौत हो गई थी।

जम्मू-कश्मीर माता वैष्णो देवी यात्रा नवंबर 2015 के हादसे में माता वैष्णो देवी के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं को ले जा रहा एक निजी हेलीकॉप्टर कटरा में टेक-ऑफ के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। शुरुआती जांच में पता चला था कि रोटर (पंखे) से एक गिद्ध के टकराने के कारण हेलीकॉप्टर में आग लग गई थी। इस हादसे में एक महिला पायलट समेत 7 लोगों की मौत हो गई थी।

2026 जोशीमठ (बदरीनाथ मार्ग) ट्रांस भारत एविएशन का हेलीकॉप्टर खराब मौसम और बर्फबारी से प्रभावित दृश्यता के चलते पांच श्रद्धालुओं और एक पायलट की मौत हो गई।

2025 गौरीकुंड सोनप्रयाग (केदारनाथ मार्ग) आर्यन एविएशन घने बादल और कम दृश्यता के कारण छह तीर्थयात्रियों एक बच्चा और एक पायलट की मौत हो गई थी।

8 मई 2025 को हर्षिल (यमुनोत्री मार्ग) पर खराब मौसम के कारण पहाड़ी से टकरा कर चौपर गिरने से पांच महिला श्रद्धालुओं और पायलट की मौत हो गई।

18 अक्टूबर 2022 को केदारनाथ घाटी आर्यन एविएशन के चौपर में तकनीकी खराबी और कोहरा के चलते छल श्रद्धालु और एक पायलट की मौत हो गई।

अप्रैल 2018 में केदारनाथ हैलीपेड पर लेंडिंग के दौरान वायुसेना के मालवाहक चोपर के क्रश हो जाने से एक मौत व तीन जख्मी हुए।

23 नवंबर 2015 कटरा सांझीछत वैष्णो देवी पर पक्षी (गिद्ध) का टकराना और आग लगना छह श्रद्धालुओं और एक महिला पायलट का जीवन लील गया।

सुरक्षा को लेकर उठाए गए कदम सिर्फ कागजो पर चल रहे हैं।

लगातार हो रहे हादसों के बाद नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण ने सुरक्षा नियमों को काफी कड़ा कर दिया है। अब खराब मौसम की स्थिति में उड़ानों को तुरंत स्थगित करने का दावा किया जाता है, हेलीकॉप्टरों के अंदर इन-कैब कैमरे अनिवार्य किए जा रहे हैं, और नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों के पूरे बेड़े को ग्राउंड करने जैसी सख्त कार्रवाई की जा रही है।

इस के बावजूद हेली हादसे बता रहे हैं कि तमाम नियम कानून और निर्देश सिर्फ कागज़ पर चल रहे हैं और एविएशन कंपनी अधिक लाभ कमाने के लालच में असामान्य परिस्थितियों में भी चौपर उड़ान करा पायलट और श्रद्धालु यात्रियों की जान से खिलवाड़ करने से बाज नहीं आ रही है।

राज्यसभा में प्रस्तुत सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2020 से 2025 के बीच पूरे भारत में कुल 12 बड़े हेलीकॉप्टर हादसे हुए हैं, जिनमें कम से कम 30 लोगों की मौत हुई है।

इन आँकड़ों से पता चलता है कि उत्तराखंड में सबसे ज्यादा हादसे सामने आ रहे हैं। कुल 12 बड़े हादसों में से 7 दुर्घटनाएं अकेले उत्तराखंड में हुई हैं, और देश भर में हुई 30 मौतों में से 21 मौतें यानि करीब 70त्न इसी राज्य में हुई हैं।

जबकि अन्य राज्यों में इसी अवधि में महाराष्ट्र में 4 हेलीकॉप्टर क्रैश हुए जिनमें 7 लोगों की जान गई, और छत्तीसगढ़ में 1 दुर्घटना हुई जिसमें 2 लोगों की मौत हुई। उत्तराखंड में (2016 से 2026) पिछले 10 वर्षों (2016-2026) के दौरान अकेले उत्तराखंड में लगभग 13 हेलीकॉप्टर घटनाएं जिनमें जानलेवा हादसे और इमरजेंसी लैंडिंग शामिल हैं जिनसे वहां कुल 27 से अधिक लोगों की जान गई है।

सरकार को इन तमाम हादसों से सबक लेना चाहिए और एविएशन कंपनियों को नियमों का पालन करने और मनमानी पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

इसराइलः ध्वस्त हुआ नेतन्याहू के अपराजित होने का मिथक



तनवीर जाफ़री

इस्राईल के चुनाव परिणाम से यह संकेत भी साफ़ है कि नेतन्याहू ने भले ही अपनी लिकुड पार्टी को सबसे बड़े दल के रूप में बचा लिया हो, लेकिन उनकी आक्रामक और ध्रुवीकरण की राजनीति ने उनके विरोधियों और देश के अरब अल्पसंख्यकों को इस क़दर लामबंद कर दिया कि वे स्पष्ट बहुमत से 8 सीटें दूर रह गए।



इज़राइल के 2026 के संसदीय आम चुनावों के नतीजों के आने बाद देश में एक बार फिर राजनीतिक गतिरोध की स्थिति बन गई है और किसी भी गुट को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। ग़ौरतलब है कि इस्राईल की 120 सदस्यों वाली नेसेट अर्थात संसद में सरकार बनाने और पूर्ण बहुमत हासिल करने के लिए 61 सीटों की आवश्यकता होती है। परन्तु प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिकुड पार्टी व अन्य सहयोगी दक्षिणपंथी दलों के गठबंधन को कुल 53 सीटें मिली हैं। जबकि इसमें उनकी स्वयं की लिकुड पार्टी को 27 सीटें मिली हैं। 27 सीटें जीतकर लिकुड पार्टी संसद में सबसे बड़ी पार्टी बनकर तो ज़रूर उभरी है परन्तु इसके बावजूद नेतन्याहू का दक्षिणपंथी गठबंधन बहुमत के जादुई आंकड़े यानी 61 सीटों तक नहीं पहुँच सका और बहुमत से 8 सीटें कम रह गया। बेंजामिन नेतन्याहू का कहना था कि उनका उद्देश्य एक मज़बूत दक्षिणपंथी राष्ट्रीय सरकार बनाना है। इस चुनाव का एक और आकर्षण अरब नेतृत्व वाली पार्टियां का 19 सीटों पर जीत दर्ज करना भी है । अरब लोग इस्राईल की कुल जनसंख्या का क़रीब 21 प्रतिशत हैं। इस्राईल के इतिहास में यह अरब पार्टियों का अब तक का ऐतिहासिक व सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। जबकि गादी आइज़नकोट का मुख्य विपक्षी गठबंधन 48 सीटें जीत पाया है। माना जा रहा है कि किसी भी बड़े गठबंधन को बहुमत न मिलने के कारण अब इस्राईल में सरकार बनाने के गठबंधन की जोड़-तोड़ और बातचीत का लंबा दौर चल सकता है । निश्चित रूप से इन चुनाव परिणामों ने इस्राइली समाज के गहरे मतभेद उजागर किए हैं। इस्राईल में हुआ यह चुनाव कितना महत्वपूर्ण था इसका अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें यहूदी और अरब दोनों ही मतदाओं की ओर से रिकॉर्ड संख्या में मतदान में हिस्सा लिया गया। इसके अतिरिक्त अनेक मतदाताओं ने हज़ारों डॉलर ख़र्च कर विदेशों से आकर मतदान में हिस्सा लिया। नेतन्याहू की पार्टी व उनके नेतृत्व वाले दक्षिणपंथी गठबंधन को पूर्ण बहुमत हासिल न होने के पीछे जो मुख्य कारण माने जा रहे हैं उनमें एक तो यह कि यह चुनाव एक ऐसे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हुये जिन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लग चुके हैं। इसके अतिरिक्त नेतन्याहू पर 7 अक्तूबर से पहले इस्राईल की रक्षा करने में नाकाम रहने का भी आरोप है। विपक्षी नेताओं व समाज के एक बड़े वर्ग द्वारा इसकी जांच की मांग भी होती रही है, लेकिन नेतन्याहू इस जांच के लिए कभी तैयार नहीं हुये। इसलिये इस्राईली समाज का एक बड़ा वर्ग 7 अक्तूबर की घटना को एक सुनियोजित व सत्ता प्रायोजित साज़िश के संदेह से भी इनकार नहीं करता। अब इस्राईल में नई सरकार बनाने को लेकर भी तरह तरह के क़यास लगाये जा रहे हैं। इतने अलग-अलग विचारों और राजनीतिक हितों को एक सरकार के रूप में साथ लाना अब इस्राईल की राजनीति के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। सरकार बनाने के लिये क्या नेतन्याहू अपने धार्मिक सहयोगियों को छोड़कर विपक्षी गुट के दक्षिणपंथी नेताओं के साथ गठबंधन बनाने के लिए तैयार होंगे? और क्या वे नेता, जो लंबे समय से नेतन्याहू के विरोधी रहे हैं, उनके साथ सरकार में शामिल होने के लिए तैयार होंगे? क्या विपक्षी गठबंधन अपने चुनावी वादों का बड़ा हिस्सा छोड़कर नेतन्याहू को सत्ता से बाहर करने के लिए अरब पार्टियों के साथ सहयोग करने को तैयार है? और क्या अरब पार्टियां ऐसी सरकार में शामिल होने का जोखिम उठाएंगी, जो कुछ ही महीनों में गिर सकती हो ? यह सवाल इस्राईल के राजनैतिक भविष्य के लिये सबसे महत्वपूर्ण हैं।

इस बीच इस्राइल के वरिष्ठ वामपंथी डेमोक्रेट नेता यायर गोलान ने विपक्षी गुट से अरब पार्टियों के साथ साझेदारी करने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि हमें अब नेतन्याहू द्वारा यहूदी और अरब वोटों के बीच किए जा रहे नस्लवादी विभाजन को स्वीकार नहीं करना चाहिए। चुनाव परिणामों और विश्लेषकों के रुख़ को देखें तो यह स्पष्ट है कि नेतन्याहू की कट्टर, ध्रुवीकरण करने वाली और अत्यधिक आक्रामक छवि ने उन्हें गंभीर राजनीतिक नुक़्सान पहुँचाया है। अक्टूबर 2023 के हमास हमलों के बाद से इस्राइल लगातार युद्ध की स्थिति में है। नेतन्याहू ने ईरान, गज़ा और लेबनान में सैन्य सफलताओं को भुनाने की कोशिश भी की। लेकिन देश की जनता का एक बड़ा हिस्सा लगातार जारी युद्ध की अनिश्चितता, बंधकों की घर वापसी में विफलता और देश के आर्थिक नुक़्सान से थक चुका था। इसी ने नेतन्याहू की अजेय सुरक्षा प्रदाता वाली छवि को चोट पहुंचाई।

नेतन्याहू के मौजूदा गठबंधन में धुर-दक्षिणपंथी और कट्टरपंथी वे यहूदी नेता भी शामिल थे, जिन्होंने वेस्ट बैंक में आक्रामक नीतियों को बढ़ावा दिया। इसके चलते इस्राइल के उदारवादी, धर्मनिरपेक्ष और यूरोपीय मूल के यहूदी नागरिकों में यह डर बढ़ गया था कि यह कट्टरता इस्राइल के लोकतांत्रिक ढांचे को ख़त्म कर रही है, जिससे तेल अवीव की सड़कों पर उनके ख़िलाफ़ भारी विरोध प्रदर्शन हुए। इसके अलावा चुनाव प्रचार के दौरान नेतन्याहू ने यहूदी राष्ट्रवादियों को एकजुट करने के लिए सोशल मीडिया पर आक्रामक बयानबाज़ी की और अरब नागरिकों पर चुनाव चुराने का आरोप लगाया। नेतन्याहू के इस आक्रामक रुख़ ने डर पैदा करने के बजाय अरब मतदाताओं को एकजुट कर दिया, जिसके कारण उन्होंने रिकॉर्ड संख्या में बाहर निकलकर नेतन्याहू व उनके गठबंधन के ख़िलाफ़ वोट डाला। युद्ध के इस दौर में भी नेतन्याहू द्वारा कट्टरपंथी रूढ़ीवादी यहूदियों को सेना की अनिवार्य सेवा से छूट देना भी आम इस्राइलियों को रास नहीं आया, जो लंबे समय से मोर्चे पर लड़ रहे हैं। विपक्ष ने इसे भी एक बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया था ।

इस्राईल के चुनाव परिणाम से यह संकेत भी साफ़ है कि नेतन्याहू ने भले ही अपनी लिकुड पार्टी को सबसे बड़े दल के रूप में बचा लिया हो, लेकिन उनकी आक्रामक और ध्रुवीकरण की राजनीति ने उनके विरोधियों और देश के अरब अल्पसंख्यकों को इस क़दर लामबंद कर दिया कि वे स्पष्ट बहुमत से 8 सीटें दूर रह गए। इसलिये कहना ग़लत नहीं होगा कि इस्राईल में बदलाव की चाहत रखने वाले और उनके कट्टर रवैये से असहमत लोगों ने उनके अपराजित होने के मिथक को ध्वस्त कर दिया है।



ब्रजभूमि

जहां कृष्ण ने की अनेक लीलाएं..

भगवान श्रीकृष्ण धन्य हैं, उनकी लीलाएं धन्य हैं और इसी प्रकार वह भूमि भी धन्य है, जहां वह त्रिभुवनपति मानस रूप में अवतरित हुए और ब्रजभूमि जहां उन्होंने वे परम पुनीत अनुपम अलौकिक लीलाएं कीं।

हिंदुस्थान में अनेक तीर्थ स्थान हैं, सबका महात्म्य है, भगवान के और-और भी जन्मस्थान हैं पर यहां की बात ही कुछ निराली है। यहां के नगर-ग्राम, मठ-मंदिर, वन-उपवन, लता-कुंज आदि की अनुपम शोभा भिन्न-भिन्न ऋतुओं में भिन्न-भिन्न प्रकार से देखने को मिलती है।

अपनी जन्मभूमि से सभी को प्रेम होता है फिर वह चाहे खुला खंडहर हो और चाह सुरम्य स्थान, वह जन्मस्थान है, यह विचार ही उसके प्रति होने के लिए पर्याप्त है। इसी से सब प्रकार से सुंदर द्वारका में वास करते हुए भी भगवान श्रीकृष्ण जब ब्रज का स्मरण करते थे, तब उनकी कुछ विचित्र ही दशा हो जाती थी।

जब ब्रज भूमि के वियोग से स्वयं ब्रज के अधीश्वर भगवान श्रीकृष्ण का ही यह हाल हो जाता है, तब फिर उस पुण्यभूमि की रही-सही नैसर्गिक छटा के दर्शन के लिए, उस छटा के लिए जिसकी एक झांकी उस पुनीत युग का, उस जगद् गुरु का, उसकी लौकिक रूप में की गई अलौकिक लीलाओं का अद्भुत प्रकार से स्मरण कराती, अनुभव का आनंद देती और मलिन मन-मंदिर को सर्वथा स्वच्छ करने में सहायता प्रदान करती है, भावुक भक्त तरसा करते हैं।

इसमें आश्चर्य ही क्या है? नैसर्गिक शोभा न भी होती, प्राचीन लीलाचिह्न भी न मिलते होते तो भी केवल साक्षात् परब्रह्म का यहां विग्रह होने के नाते ही यह स्थान आज हमारे लिए तीर्थ था, यह भूमि हमारे लिए तीर्थ थी, जहां की पावन रज को ब्रह्मज्ञ उद्धव ने अपने मस्तक पर धारण किया था।

वह ब्रजवासी भी दर्शनीय थे, जिनके पूर्वजों के भाग्य की साराहना करते-करते भक्त सूरदास के शब्दों में बड़े-बड़े देवता आकर उनकी जूठन खाते थे, क्योंकि उनके बीच में भगवान अवतरित हुए थे।

ब्रज-वासी-पटतर कोउ नाहिं।
ब्रह्म सनक सिव ध्यान न पावत, इनकी जूठनि लै लै खाहिं॥
हलधर कह्यौ, छाक जेंवत संग, मीठो लगत सराहत जाहिं।
सूरदास प्रभु जो विश्वम्भर, सो ग्वालनके कौर अघाहिं॥

तब फिर यहां तो अनन्त दर्शनीय स्थान हैं, अनन्त सुंदर मठ-मंदिर, वन-उपवन, सर-सरोवर हैं, जो अपनी शोभा के लिए दर्शनीय हैं और पावनता के लिए भी दर्शनीय हैं। सबके साथ अपना-अपना इतिहास है। यद्यपि मुसलमानों के आक्रमण पर आक्रमण होने से ब्रज की सम्पदा नष्टप्राय हो गई है। कई प्रसिद्ध स्थानों का चिह्न तक मिट गया है, मंदिरों के स्थान पर मस्जिदें खड़ी हैं, तथापि धर्मप्राण जनों की चेष्टा से कुछ स्थानों की रक्षा तथा जीर्णोद्धार होने से वहां की जो आज शोभा है, वह भी दर्शनीय ही है।

कैलाश परिक्रमा से मिट जाते हैं जन्मों के कष्ट

तिब्बत स्थित कैलास पर्वत को शास्त्रों में कैलास को मेरू गण पर्वत, रजतगिरि आद नामा से भी वर्णित किया गया है। इतना ही नहीं कैलास पर्वत शिव आराधना का सर्वोच्च स्थल भी माना गया है। सनातन धर्म के अनुसार यह भगवान आशुतोष व पार्वती का स्थायी निवास है। पुराणों के अनुसार भगवान शिव व पार्वती के नृत्य करने से इसका नाम कैलास हुआ। उपासकों का मत है कि स्वयं भू कैलास पर भगवान शंकर का विशाल राजप्रसाद है। जहां केवल ब्रह्म, विष्णु एवं महेश आदि देवों का ही प्रवेश संभव है। कैलास न केवल सनातनधर्मियों बल्कि जैन, बौद्ध व तिब्बितयों के लिए प्रारंभ से ही श्रद्धा का केंद्र बना हुआ है।

यहां विराट एवं अतिभव्य लिग शदल कमल के मध्य में अवस्थित है। इस पवित्र लिग पर सदैव त्रिपुंड की रचना प्रकृति के पावन करों से होती है। तिब्बती भाषा में कैलास को पवित्र हिम से जाना जाता है। यही कारण है कि तिब्बती कैलास परिक्रमा दंडवत लेट-लेट कर पूर्ण करते हैं। कैलास परिक्रमा मार्ग दरचन से प्रारंभ होता है जो लगभग 54 किलोमीटर का है। मार्ग के क्रम में न्याडीगुम्का, दिराफुक, दोल्माघाटी, गौरीकुंड व जुन्धुलुफुक आदि मनोहारी व रमणीक स्थल पड़ते हैं। इनमें समुद्र तल से 18600 फीट की ऊंचाई पर स्थित दोल्माघाटी कैलास परिक्रमा का सर्वोच्च उच्च स्थल है। 14600 फीट की ऊंचाई पर कैलास से 20 मील पूर्व ही दो पवित्र सरोवर राक्षसताल व मानसरोवर बरबस ही उपासकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करते हैं। राक्षसताल के संबंध में वर्णित है कि इसी स्थल पर लंकापति रावण ने खड़े होकर भगवान आशुतोष की अर्चना की थी जबकि मानसरोवर में भगवती सती की दाहिनी हथेली गिरी थी। ऐसा मत है कि यहां की शक्ति दाक्षयाणी व भैरव अमर हैं। ग्रीष्म ऋतु में मानसरोवर के पवित्र जल में तैरते हुए राजहंस व उत्ताल तरंगों की सुमधुर ध्वनि शैल शिखरों से प्रतिध्वनित होकर उत्पन्न नैसर्गिक संगीत का खुशनुमा वातावरण उपासकों को प्रकृति व अध्यात्म के समीप खींच लाती है जिससे उपासक को अलौकिक शांति का अनुभव होता है। जैन ग्रंथों में जहां मानसरोवर को पद्मपद से वर्णित किया गया है। मानसरोवर के पश्चिम में स्थित राक्षसताल की छटा ही निराली है। मानसरोवर स्थित मां शक्ति की प्रतिमा पाषाण रूप में है। जहां मां भगवती की अर्चना होती है। विभिन्न साहित्यकारों व कवियों ने अपने साहित्य में मानसरोवर की महत्ता का सुंदरतम वर्णन किया है जिनमें कवि कालिदास के मेघदूत आदि ग्रंथ मुख्य हैं। कैलास के अप्रतिम सौंदर्य व भगवान शंकर के सर्वोच्च उपासना स्थल होने के कारण उपासक प्रतिवर्ष श्रद्धापूर्वक कैलास परिक्रमा हेतु जाते हैं। पुराण में वर्णित है कि कैलास की एक प्रक्रिमा से ही जन्म- जन्मांतर के पाप कर्म देर हो जाते हैं।



दांम्पत्य जीवन को बनाएं तनावरहित

आज का यह बदलता परिवेश सिर्फ जीवनशैली में ही प्रभाव नहीं डालता अपितु वैवाहिक जीवन में भी परेशानी का सबब बन रही है। कई दम्पतियों में आपसी सामंजस्य एवं प्रेम का अभाव देखने को मिल ही जाता है। दम्पति में नौबत तलाक तक भी पहुंच जाती है। ऐसे में न सिर्फ प्रभावित दम्पति, वरन् पूरा परिवार परेशान हो जाता है। दाम्पत्य जीवन में सुख के लिए ये उपाय लाभकारी सिद्ध हो सकते हैं-

- यदि किसी अन्य पुरुष अथवा स्त्री के कारण दाम्पत्य क्लेशपूर्ण बन रहा है, तो 7-7 गोमती चक्र, लघु नारियल एवं लघु शंख लें। इन्हें सवा गज के नए पीले वस्त्र में बांध लें। इसे प्रभावित (पति अथवा पत्नी) पर से सात बार उसार का बहते पानी में बहा दें। बहाने के बाद पीछे मुड़कर देखे बगैर सीधे घर लौट आएं।
- यदि दम्पति अथवा समूचे परिवार में वैचारिक मतभेद रहता है, तो प्रातःकाल उठते ही जिस मटके से परिवार के सभी सदस्य जल पीते हैं, उससे एक लोटा पानी भरें और उसे पूरे घर के प्रत्येक कक्ष में तथा छत पर छिड़कें। इस दौरान किसी से बात नहीं करें, साथ ही मन ही मन ॐ शांति का निरंतर उच्चारण करते रहें।
- परिवार में यदि पति-पत्नी के मध्य क्लेश रहता हो अथवा अन्य पारिवारिक सदस्यों के मध्य वैचारिक मतभेद अधिक रहते हों, तो प्रतिदिन इस मंत्र का 108 बार जपें-

धां धीं धूं धूर्जटेः पत्नी वां वीं वूं वागधीश्वरी।
क्रां क्रीं क्रूं कालिका देवि शां शीं शूं मे शुभं कुरु॥

- नवरात्र, दीपावली किसी भी शुभ मुहूर्त में घर में तुलसी का पौधा लगाएं। उसमें प्रतिदिन सायंकाल घी का दीपक प्रज्वलित करें। इससे परिवार अथवा प्रभावित दम्पति में सुख-शांति कायम रहेगी।

ऐसे लोगों को मिलती है कैरियर में कामयाबी

आज हर व्यक्ति पैसा कमाने के लिए निरंतर प्रयोग करता रहता है। अच्छा कैरियर किसे पसंद नहीं होता। अच्छे कैरियर के लिए युवा तरह-तरह कि जतन किया करते हैं। लेकिन जीवन में सफलता के लिए सबसे जरूरी है सही कैरियर का चुनाव। क्योंकि अक्सर कैरियर का सही चुनाव नहीं कर पाने के कारण ही व्यक्ति को जीवन में बड़ी कामयाबी नहीं मिल पाती है। अंक ज्योतिष में कैरियर के चुनाव के लिए एक बहुत ही आसान तरीका बताया गया है। इस तरीके को आजमाएं तो आप खुद ही अपने लिए सही कैरियर का चुनाव कर पाएंगे और अपने क्षेत्र में कामयाब व्यक्ति कहलाएंगे।

अंक ज्योतिष अनुसार हर व्यक्ति का एक मूलांक होता है। इस अंक को ज्ञात करके व्यक्ति अपने लिए सही कैरियर का चुनाव करे तो कामयाबी उसके कदम चूमती हैं क्योंकि मूलांक जिस क्षेत्र में कैरियर का संकेत देता है उस क्षेत्र में सफलता के लिए जो गुण चाहिए वह व्यक्ति में मौजूद होता है। जैसे किसी व्यक्ति का मूलांक 1 होता है तो उनमें नेतृत्व की योग्यता होती है। ऐसे व्यक्ति राजनीति एवं प्रबंधन के क्षेत्र में कामयाब होते हैं। वकालत के अलावा जिन क्षेत्रों में अधिक जोश और उत्साह की जरूरत होती है जैसे सेना, पुलिस के क्षेत्र में इन्हें सफलता मिल ही जाती है। फोटोग्राफी, ग्राफिक डिजाईनर, नाविक, नौसेना, ठेकेदारी, व्यवसाय एवं शिल्पकला के क्षेत्र में भी यह कामयाब होते हैं।

कर्ज से जल्दी मुक्ति पाने के लिए अपनाएं यह उपाय

देश और दुनिया में हो रहे विकास से लोगों विलासिता का सुख भोगने से अपने आप को कभी दुर नहीं रख पाते। इन सुखों के लिए लोग कर्ज लेने से भी पीछे नहीं हटते। जबकि एक तरह से कर्ज मानव जीवन के लिए अभिशाप होता है। जिस व्यक्ति पर कर्ज है वो व्यक्ति जिन्दा रहते हुए भी चलती - फिरती लाश के समान है। लेकिन इन उपायों से आप कर्ज को जल्द से जल्द से चुकता कर सकते हैं-

1. अगर आप कर्ज की प्रथम किश्त शुक्ल पक्ष के प्रथम मंगलवार से प्रारंभ करते है तो शीघ्र आप ऋ+ण से मुक्ति पा लेंगे।
2. घर का सारा कबाड़ अमावस्या या शनिवार को घर से बाहर करें।
3. मंगलवार को कभी क़र्ज़ न लें।
4. प्रतिदिन श्री सूक्त का पाठ स्फटिक श्री यंत्र के सामने करने से लक्ष्मी का आगमन होता है।
5. कभी भी बुधवार को क़र्ज़ न दें।
6. 5 मंगलवार हनुमान जी के मंदिर में 5-5 पीस मीठे देसी घी के रोट का भोग लगाए।
7. व्यवसाय, मकान बनवाने हेतु कर्ज जन्मकुंडली की विवेचना करवाने के पश्चात लें।
8. प्रत्येक मंगलवार ऋ+ण मोचक मंगल स्तोत्र का पाठ अवश्य करें।
9. सुबह उठते ही सबसे पहले एक मुट्ठी चावल पंक्षियों को चुगने के लिए डालिए।
10. घर में कभी कोई भी मेहमान या अचानक कोई भी आए कुछ न कुछ अवश्य खिलाएं नहीं तो पानी तो अवश्य ही पिलाएं।
11. शराब, मांस, नशे की चीजों से पूरी तरह से दूर रहें।

जीवन में रंगों को महत्व

कई लोगो को सादा जीवन पसंद है तो कईयों को रंगीन। क्या कभी आपने सोचा है कि इन रंग-बिरंगे रंगों को हमारे जीवन में क्या महत्व है। रंगों का हमारे जीवन व स्वास्थ्य पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। कहा जाता हे कि रंग नेत्रों के माध्यम से हमारे मानस में प्रविष्ट होते हैं एवं हमारे स्वास्थ्य, चितन, आचार-विचार आदि पर इनका गहरा प्रभाव पड़ता है। अतः उचित रंगों का प्रयोग कर हम वांछित लाभ पा सकते हैं। किसी जातक की सफलता उसके कर्मों और कुछ हद तक लाइफस्टाइल पर भी निर्भर करती है। वैसे तो प्रत्येक दिन का अपना अपना महत्व होता है लेकिन ज्योतिष के अनुसार सप्ताह के दिनों का संबंध ग्रहों की स्थिति पर आधारित होता है।प्रत्येक दिन का एक नंबर होता है। उन रंगों का चयन करके अच्छे परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। रंग हमारे विचारों को प्रभावित करते हैं तथा हमारी सफलता व असफलता के कारक भी बनते हैं। शुभ रंग भाग्योदय कारक होते हैं और अशुभ रंग भाग्य में कमी करते हैं।

सोमवारः सफेद
मंगलवारः लाल
बुधवारः हरा
गुरुवारः पीला
शुक्रवारः सफेद
शनिवारः काला
रविवारः नारंगी

चीनी के दाम एक सप्ताह में 62 रुपए बढ़े

चावल, गेहूं, अधिकतर दालें और खाद्य तेल भी हुए महंगे

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह घरेलू थोक जिंस बाजारों में आम उपभोक्ताओं को महंगाई का झटका लगा है। चीनी, चावल, गेहूं, दालों और खाद्य तेलों सहित अधिकतर आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तेजी दर्ज की गई है। चीनी लगातार चौथे सप्ताह महंगी हुई है, जिसके खुदरा बाजार में भी दाम बढ़े हैं। थोक बाजारों में बीते सप्ताह चीनी औसतन 62 रुपये प्रति क्विंटल महंगी होकर 5,506 रुपये पर पहुंच गई, जबकि खुदरा बाजार में यह 58 पैसे प्रति किलोग्राम बढ़कर 59.18 रुपये हो गई। हालांकि, गुड़ के भाव में 3 रुपये की नरमी रही। अनाज खंड में भी तेजी देखने को मिली। चावल की औसत कीमत 70 रुपये बढ़कर 4,377 रुपये प्रति क्विंटल हो गई, वहीं गेहूं 29 रुपये महंगा होकर 2,939 रुपये और आटा 18 रुपये बढ़कर 3,395 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। दालों में भी उछाल रहा; तुअर दाल 162 रुपये, चना दाल 69 रुपये, मूंग दाल 34 रुपये और उड़द दाल 31 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। इसके विपरीत, मसूर दाल 33 रुपये सस्ती हुई। खाद्य तेलों में भी कीमतें बढ़ीं। सरसों तेल सर्वाधिक 233 रुपये, पाम ऑयल 51 रुपये, सूरजमुखी तेल 39 रुपये, सोया तेल 12 रुपये और मूंगफली तेल 11 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। हालांकि, वनस्पति तेल में 52 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट दर्ज की गई।

1 दिन में 28.6 फीसदी टूटा, इंटेल का शेयर, एआई खर्च पर निवेशकों ने उठाए सवाल

न्यूयॉर्क।

अमेरिकी चिप निर्माता कंपनी इंटेल के शेयर एक ही दिन में 28.6 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई है । इस गिरावट ने वैश्विक शेयर बाजार में निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। दरअसल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दौड़ में आगे निकलने के लिए इंटेल बड़े पैमाने पर निवेश कर रही है। कंपनी के डेटा सेंटर, चिप निर्माण और एआई तकनीक से जुड़े खर्च लगातार बढ़ रहे हैं। निवेशकों को इन भारी खर्चों के मुकाबले मुनाफे और भविष्य की कमाई पर कोई बेहतर भविष्य दिखाई नहीं दे रहा है। निवेशक कंपनी के प्रबंधन से सवाल कर रहे हैं। एआई पर लगाए जा रहे अरबों डॉलर का वास्तविक आर्थिक लाभ निवेशकों को कब मिलेगा। इसको लेकर निवेशक आशंकित हैं।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की बिक्री 19 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली ।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की अक्टूबर, 2026 में थोक बिक्री सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 8,013 वाहन पर पहुंच गई।कंपनी के अनुसार, हाल ही में पेश किए गए मॉडल एमजी हेक्टर टॉमहॉक ईवी और विंडसर इंडल्ज एडिशन को ग्राहकों की जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली है। देशभर में इन मॉडल की डिलिवरी में भी तेजी देखने को मिल रही है।जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया, जेएसडब्ल्यू समूह और चीन की एसएआईसी मोटर का संयुक्त उद्यम है।

हुंदै की बिक्री 17.7 प्रतिशत बढ़कर 82,299 इकाई पर

नई दिल्ली ।

हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने अक्टूबर में अब तक की सबसे ज्यादा मासिक बिक्री दर्ज की है। कंपनी ने बीते माह घरेलू बाजार और निर्यात मिलाकर कुल 82,299 वाहनों की बिक्री की, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 17.7 प्रतिशत अधिक है।

कंपनी ने रविवार को जारी बयान में बताया कि अक्टूबर में उसकी घरेलू बिक्री 16.7 प्रतिशत बढ़कर 62,799 इकाई रही। वहीं निर्यात में 21.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह बढ़कर 19,500 इकाई पर पहुंच गया। हुंदै मोटर इंडिया के अधिकारी ने कहा कि त्योहारी मांग में मजबूती और घरेलू एवं निर्यात बाजारों में बेहतर प्रदर्शन के चलते कंपनी ने बिक्री का नया रिकॉर्ड हासिल किया है। खबरों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में देश में इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री 29.7 प्रतिशत बढ़कर 26.59 लाख इकाई तक पहुंच गई। वहीं, भारत में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग केंद्रों का बाजार वर्ष 2025 के 6,139 करोड़ रुपये से बढ़कर 2030 तक 21,940 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

तिमाही नतीजे,आर्थिक आंकड़े और वैश्विक संकेत तय करेंगे नई दिशा

निवेशकों की नजर अब ऑटो बिक्री, पीएमआई और दिग्गज कंपनियों के आय पर

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार के लिए यह हफ्ता बेहद महत्वपूर्ण साबित होने वाला है। पिछले हफ्ते की जोरदार तेजी के बाद अब निवेशकों की निगाहें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक आंकड़ों, कंपनियों के तिमाही नतीजों और वैश्विक घटनाक्रमों पर टिकी रहेंगी। ये सभी कारक बाजार की आगे की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। आने वाले हफ्ते में ऑटो कंपनियों के अक्टूबर महीने के बिक्री आंकड़े और मैन्युफैक्चरिंग तथा सर्विसेज पीएमआई रिपोर्ट्स जारी होंगी। इसके साथ ही आईटीसी, मैरिको, पेट्रोनेट एलएनजी, अपोलो हॉस्पिटल्स, बीएसई, डाबर, एलआईसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और हिंडाल्को जैसी नौ दिग्गज कंपनियां अपने दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित करेंगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका में मिडटर्म चुनाव, रोजगार के आंकड़े और एप्पल व एएमडी जैसी बड़ी कंपनियों के नतीजे भी बाजार को प्रभावित करेंगे। बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार ने शानदार वापसी करते हुए जबरदस्त बढ़त दर्ज की। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को स्थिर रखने, कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजों और फार्मा व आईटी शेयरों में आई मजबूत खरीदारी ने बाजार के उत्साह को बढ़ाया। सेक्टरवार प्रदर्शन में फार्मा और हेल्थकेयर में 7 फीसदी तक की जोरदार तेजी देखने को मिली, जबकि मीडिया, कैपिटल मार्केट्स और रियल्टी ने भी अच्छा प्रदर्शन किया।

संस्थागत निवेशकों के मोर्चे पर, अक्टूबर में विदेशी निवेशकों ने 45,161 करोड़ रुपये के शेयरों की भारी बिकवाली की। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 62,220 करोड़ रुपये की मजबूत खरीदारी कर बाजार को सहारा दिया, जिससे एफआईआई की बिकवाली का असर काफी हद तक संतुलित रहा। हालांकि, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और मध्य पूर्व का तनाव चिंता का विषय बना हुआ है, जिसका सीधा असर भारत के आयात बिल और महंगाई पर पड़ सकता है। शुक्रवार को अमेरिकी बाजारों में नैस्डैक और एसएंडपी में आई गिरावट भी अगले हफ्ते घरेलू बाजार पर दबाव डाल सकती है।

तकनीकी स्तर पर, निफ्टी के लिए 23,150 से 23,160 का स्तर बड़ा रेजिस्टेंस है, जिसके पार जाने पर 23,500 तक की तेजी संभव है, जबकि नीचे 22,845 अहम सपोर्ट रहेगा। निवेशकों को आगामी हफ्तों में घोषित होने वाले आर्थिक आंकड़ों और वैश्विक संकेतों पर पैनी नजर बनाए रखने की सलाह दी गई है।

सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट

धनतेरस और दीपावली पर खरीदारों की बल्ले-बल्ले

मुंबई ।



धनतेरस और दीपावली से पहले भारतीय सराफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में दबाव और अमेरिकी ब्याज दरों को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण कीमती धातुओं के भाव नीचे आए हैं। 31 अक्टूबर को दिल्ली के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना 3,200 रुपये गिरकर 1.42 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जबकि चांदी 4,200 रुपये टूटकर 1.86 लाख रुपये प्रति किलो रह गई। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 30 अक्टूबर को 24 कैरेट सोने का बंद भाव 1,40,054 रुपये और चांदी का भाव 1,81,344 रुपये प्रति किलो था। कीमतों में गिरावट से त्योहारों पर आभूषण खरीदने की तैयारी कर रहे परिवारों को राहत मिली है। ज्वेलरी कारोबारियों को भी उम्मीद है कि कम कीमतों के चलते धनतेरस और दीपावली पर खरीदारी बढ़ेगी। हालांकि बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

महिंद्रा की बिक्री नौ प्रतिशत बढ़कर 1,31,109 इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर

कंपनी का निर्यात 77 प्रतिशत बढ़कर 7,102 इकाई रहा

नई दिल्ली ।

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड की कुल वाहन बिक्री अक्टूबर में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 1,31,109 इकाई पर पहुंच गई। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी। कंपनी के मुताबिक अक्टूबर में निर्यात सहित कुल बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई। इस दौरान निर्यात 77 प्रतिशत बढ़कर 7,102 इकाई रहा। घरेलू यात्री वाहन बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 73,338 इकाई हो गई, जबकि वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री चार प्रतिशत की वृद्धि के साथ 33,037 इकाई रही। कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा` कि अक्टूबर में कंपनी की एसयूवी बिक्री 73,338 इकाई और कुल वाहन बिक्री 1,31,109 इकाई रही, जो किसी भी महीने में अब तक का सर्वोच्च स्तर है। उन्होंने कहा कि त्योहारी मौसम और नए सिरे से पेश किए गए उत्पादों की वजह से एसयूवी, पिकअप और तिपहिया वाहनों की मांग मजबूत बनी रही। कंपनी के पहले सीएनजी वाहन एक्सयूवी 3एक्सओ जेडएनजी को भी ग्राहकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। वाणिज्यिक वाहन श्रेणी में इलेक्ट्रिक वाहन सहित तिपहिया वाहनों की बिक्री 38 प्रतिशत बढ़कर 17,632 इकाई हो गई। वहीं, दो से 3.5 टन क्षमता वाले हल्के वाणिज्यिक वाहनों (एलसीवी) की बिक्री पांच प्रतिशत बढ़कर 28,654 इकाई रही। हालांकि, दो टन से कम क्षमता वाले हल्के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री चार प्रतिशत घटकर 4,383 इकाई रह गई।

भारतीय शेयर बाजार से एफपीआई ने अक्टूबर में निकाले 34,843 करोड़

इस साल अब तक कुल निकासी 2.95 लाख करोड़ पहुंची

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निकासी का सिलसिला अक्टूबर महीने में भी जारी रहा। विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में भारतीय शेयरों से 34,843 करोड़ रुपये की बड़ी निकासी की है, जो लगातार दूसरा महीना है जब उन्होंने बाजार से भारी मात्रा में पैसा निकाला है। हालांकि, अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में विदेशी निवेशकों ने फिर से खरीदारी की, जिससे निकट अवधि में निवेश धारणा में सुधार के संकेत मिले हैं। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में 34,843 करोड़ रुपये की निकासी से पहले, सितंबर में भी एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार से 35,861 करोड़ रुपये निकाले थे। इस भारी बिकवाली के बाद, इस साल अब तक भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों की कुल निकासी बढ़कर 2.95 लाख करोड़ रुपये हो गई है। इससे पहले जुलाई और अगस्त में उन्होंने क्रमशः 20,200 करोड़ रुपये और 29,631 करोड़ रुपये का निवेश किया था। बिकवाली के कारण और वापसी के संकेत- बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, अक्टूबर के दौरान विदेशी निवेशकों की बिकवाली के प्रमुख कारण कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, वैश्विक ब्याज दरों को लेकर चिंता और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल का आकर्षक होना रहे। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें भारत में महंगाई बढ़ाने के साथ कंपनियों के मुनाफे पर भी दबाव डाल सकती हैं, जिससे निवेशकों का रुझान प्रभावित हुआ। हालांकि, अक्टूबर के अंतिम सप्ताह (26 से 30 अक्टूबर) के दौरान विदेशी निवेशकों ने लगभग 6,300 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया, जो एक सकारात्मक बदलाव है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को स्थिर रखने का फैसला, भारत की बड़ी कंपनियों के शेयरों का आकर्षक मूल्यांकन और घरेलू अर्थव्यवस्था में निरंतर वृद्धि के संकेत इस वापसी के संभावित कारण हो सकते हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि केवल एक सप्ताह की खरीदारी को विदेशी पूंजी की वापसी का स्थायी संकेत नहीं माना जा सकता। विदेशी निवेशकों की खरीदारी आगे भी जारी रहेगी या नहीं, यह काफी हद तक वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों, कच्चे तेल की कीमतों और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर निर्भर करेगा। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर जारी भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं भी इस तेजी की गति को सीमित कर सकती हैं।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर तेल कंपनियों की अंडर-रिकवरी बढ़कर 370 रुपए होने का अनुमान

नई दिल्ली ।

दिसंबर 2026 तक 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर तेल कंपनियों की अंडर-रिकवरी बढ़कर लगभग 370 रुपये होने का अनुमान है। अंडर-रिकवरी का मतलब गैस सिलेंडर की वास्तविक लागत और उपभोक्ताओं से वसूली जाने वाली कीमत के बीच का अंतर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस की कीमतें बढ़ने के बावजूद घरेलू सिलेंडर निर्धारित कीमत पर बेचे जा रहे हैं, जिससे कंपनियों को नुकसान हो रहा है। जानकारों के अनुसार नवंबर 2026 में घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर अंडर-रिकवरी लगभग 309 रुपये रहने का अनुमान है, जबकि दिसंबर में यह बढ़कर 370 रुपये तक पहुंच सकती है। सितंबर में यह अंतर लगभग 184 रुपये प्रति सिलेंडर था, जो अक्टूबर में बढ़कर 229 रुपये हो गया। लगातार बढ़ते अंतर से तेल विपणन कंपनियों पर वित्तीय दबाव बढ़ रहा है। वैश्विक बाजार में सऊदी अनुबंध मूल्य बढ़कर 756 डॉलर प्रति टन पहुंचने से घरेलू गैस की लागत में भी इजाफा हुआ है। सिलेंडर की खरीद, परिवहन, वितरण और अन्य खर्चों को जोड़ने के बाद कंपनियों की वास्तविक लागत घरेलू बाजार में तय बिक्री मूल्य से अधिक हो रही है। दिल्ली में घरेलू सिलेंडर की कीमत लगभग 942 रुपये होने के बावजूद कंपनियों को अनुमानित 370 रुपये प्रति सिलेंडर का नुकसान उठाना पड़ सकता है।

भारत की प्रमुख सरकारी तेल कंपनियां इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन इस अंतर का सामना कर रही हैं। भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने भी हजारों करोड़ रुपये की अंडर-रिकवरी दर्ज की है।

ऐसी स्थिति में कंपनियां सरकारी वित्तीय सहायता की उम्मीद करती हैं। मुआवजा मिलने तक नुकसान की भरपाई के लिए दूसरे व्यावसायिक क्षेत्रों से होने वाली कमाई का इस्तेमाल किया जाता है। इसे क्रॉस-सब्सिडी कहा जाता है। याकि` कि कमर्शियल एलपीजी, विमान ईंधन या अन्य कारोबार से होने वाले लाभ के जरिए घरेलू गैस की बिक्री से हुए नुकसान को पूरा करने की कोशिश की जाती है।

अक्टूबर में जीएसटी संग्रह 2.31 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली ।

देश का कुल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह अक्टूबर में सालाना आधार पर 23 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज करते हुए 2.31 लाख करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गया है। सरकार द्वारा रविवार को जारी आंकड़ों के अनुसार घरेलू गतिविधियों में मजबूती और आयात से प्राप्त राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि इस उछाल के प्रमुख कारण रहे। आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर में घरेलू बिक्री से जीएसटी संग्रह 16 प्रतिशत बढ़कर 1.59 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, वहीं आयात से प्राप्त राजस्व में 42 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई और यह बढ़कर 72,246 करोड़ रुपये हो गया। कुल जीएसटी संग्रह में केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) का योगदान 42,935 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) का 51,340 करोड़ रुपये और एकीकृत जीएसटी का योगदान 1.37 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। रिफंड के समायोजन के बाद, अक्टूबर में शुद्ध जीएसटी संग्रह 26 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2.03 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से अक्टूबर तक सकल जीएसटी संग्रह 13.2 प्रतिशत बढ़कर 14.77 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जो इस सकारात्मक प्रवृत्ति को दर्शाता है।

लोढ़ा डेवलपर्स गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स में कार्यालय परिसर बनाएगी

1,200 करोड़ करेगी निवेश, मुंबई मुख्यालय वाली कंपनी की यह एनसीआर में पहली परियोजना होगी

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी लोढ़ा डेवलपर्स ने दिल्ली-एनसीआर के संपत्ति बाजार में कदम रखते हुए गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स रोड पर करीब 1,200 करोड़ रुपये के निवेश से प्रीमियम कार्यालय परिसर विकसित करने की योजना बनाई है। मुंबई मुख्यालय वाली कंपनी की यह एनसीआर में पहली परियोजना होगी। पिछले साल लोढ़ा डेवलपर्स ने गुरुग्राम में दो परियोजनाओं के लिए एमआरजी समूह के साथ संयुक्त विकास करार किया था। इनमें से एक परियोजना वाणिज्यिक और एक आवासीय है। लोढ़ा डेवलपर्स के एक अे धिकारी ने बताया कि कंपनी ने हाल में 1.2 एकड़ में फैली अपनी वाणिज्यिक परियोजना लोढ़ा पैंथियन पेश की है। इसमें 27 मंजिलों में कुल चार लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र होगा। परियोजना की अनुमानित लागत 1,100 से 1,200 करोड़ रुपये है। कंपनी इस ग्रेड ए प्लस प्लस वाणिज्यिक परियोजना में कार्यालय स्थल बेचेगी।मोदी के मुताबिक, गुरुग्राम में प्रीमियम कार्यालय स्थल की अच्छी मांग है। कई कारोबारी समूह लंबे समय तक किराये पर कार्यालय लेने के बजाय खुद की व्यावसायिक संपत्ति खरीदने में रुचि दिखा रहे हैं।

कंपनी चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में गुरुग्राम के सोहना रोड पर आवासीय परियोजना भी पेश करने की तैयारी कर रही है।

उत्तर प्रदेश में सीएनजी महंगी, लखनऊ से उन्नाव तक नई दरें लागू

लखनऊ ।

बढ़ती लागत और वैश्विक आपूर्ति संकट के बीच ग्रीन गैस लिमिटेड ने एक नवंबर से उत्तर प्रदेश में सीएनजी की कीमतें बढ़ा दी गई है। अलग-अलग शहरों में कीमतों में एक रुपये से लेकर 2.25 रुपये प्रति किलोग्राम तक की बढ़ोतरी की गई है। इससे वाहन चालकों के ईंधन खर्च में इजाफा होगा। नई दरों के अनुसार, राजधानी लखनऊ में सीएनजी की कीमत 107 रुपये से बढ़कर 108 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। आगरा में भी एक रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई है। अयोध्या और सुल्तानपुर में सीएनजी एक रुपये महंगी हुई है। इन दोनों शहरों में अब एक किलोग्राम सीएनजी की कीमत 106 रुपये हो गई है। सबसे ज्यादा बढ़ोतरी उन्नाव में की गई है। यहां सीएनजी की कीमत में 2.25 रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा हुआ है। नई दर लागू होने के बाद उन्नाव में एक किलोग्राम सीएनजी अब 106 रुपये में मिलेगी। कीमतों में बदलाव से निजी वाहन चालकों के साथ-साथ सीएनजी से चलने वाले व्यावसायिक वाहनों का खर्च भी बढ़ सकता है। ग्रीन गैस लिमिटेड का कहना है कि वैश्विक स्तर पर गैस की आपूर्ति में संकट और लागत में वृद्धि के कारण कीमतों में संशोधन किया गया है।

केंद्र सरकार ने राज्यों को दी 1.09 लाख करोड़ की सौगात

यूपी को सबसे ज्यादा 19,208 करोड़ रुपए, विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं को मिलेगी रफ्तार

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने राज्यों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने और विकास कार्यों को गति देने के लिए 1,09,019 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वित्तीय सहायता जारी की है। यह राशि राज्यों को मिलने वाली नियमित मासिक कर हिस्सेदारी के अतिरिक्त है। इससे राज्यों को त्योहारों के दौरान बढ़ने वाले खर्च के साथ विकास परियोजनाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं के संचालन में राहत मिलेगी। केंद्रीय वित्त मंत्रालय के अनुसार, राज्यों को यह अग्रिम किस्त 31 अक्टूबर की रात जारी की गई है। सरकार का उद्देश्य राज्यों को अतिरिक्त आर्थिक संसाधन उपलब्ध कराकर उनके वित्तीय प्रबंधन को आसान बनाना है। इससे राज्य सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं पर खर्च बढ़ा सकेंगे। साथ ही कर्मचारियों के वेतन और अन्य जरूरी भुगतान करने में भी मदद मिलेगी। इस विशेष किस्त में उत्तर प्रदेश को सबसे अधिक 19,208 करोड़ रुपये मिले हैं। वहीं सबसे कम 365 करोड़ रुपये सिक्किम को आवंटित किए गए हैं। केंद्र सरकार केंद्रीय करों से होने वाली कमाई का निर्धारित हिस्सा राज्यों को देती है। इसमें जीएसटी, आयकर और कॉर्पोरेट टैक्स से प्राप्त राजस्व शामिल है। वर्तमान व्यवस्था के तहत केंद्रीय करों के विभाज्य पूल का 41 प्रतिशत हिस्सा राज्यों के बीच बांटा जाता है। यह राशि सामान्य रूप से हर महीने किस्तों में जारी होती है। हालांकि, इस बार त्योहारों और बढ़ते सरकारी खर्च को देखते हुए केंद्र ने नियमित किस्त से पहले अतिरिक्त राशि जारी की है। राज्यों को होंगे ये प्रमुख फायदे

- विकास परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त बजट मिलेगा।

- सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े काम तेज होंगे।

जनकल्याणकारी योजनाओं के संचालन में मदद मिलेगी।

सरकारी कर्मचारियों के वेतन और जरूरी भुगतान में सुविधा होगी।

- त्योहारों के दौरान बढ़ने वाले खर्च का प्रबंधन आसान होगा।

तमिलनाडु में शराब की हर बोतल पर 10 रुपए अतिरिक्त शुल्क

खाली बोतल लौटाने पर मिलेगा पैसा वापस

चेन्नई ।



तमिलनाडु में शराब खरीदने वालों की जेब पर 1 नवंबर से अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है। राज्य में अब इंडियन मेड फॉरेन लिकर (आईएमएफएल), बीयर और वाइन की प्रत्येक बोतल पर 10 रुपये अतिरिक्त देने होंगे। हालांकि, ग्राहकों को राहत देने के लिए खाली बोतल निर्धारित दुकानों पर लौटाने पर यह रकम वापस पाने का विकल्प भी दिया गया है। तमिलनाडु सरकार ने शराब की खुदरा बिक्री पर पर्यावरण और सामाजिक कल्याण शुल्क लागू किया है। इस व्यवस्था का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक कल्याण से जुड़ी योजनाओं के लिए धन जुटाना है। इसके साथ ही शराब की खाली बोतलों के उचित निपटान और पुनः उपयोग को बढ़ावा देना भी इसका मकसद है। तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन ने नई व्यवस्था लागू करने के लिए शराब आपूर्तिकर्ताओं और स्थानीय उत्पादकों को जरूरी निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत बोतलों पर नई कीमतों के अनुरूप क्यूआर कोड वाले मूल्य लेबल लगाने होंगे। शराब की दुकानों और लाइसेंस प्राप्त बिक्री केंद्रों पर भी नई व्यवस्था के अनुसार शुल्क लिया जाएगा। शराब की प्रत्येक बोतल पर 10 रुपये अतिरिक्त देने होंगे, निर्धारित दुकानों और बिक्री केंद्रों पर खाली बोतल लौटाने पर 10 रुपये वापस मिलेंगे, बोतल वापसी के लिए तय प्रक्रिया का पालन करना होगा, खाली बोतलों को सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर फेंकने से रोकने में मदद मिलेगी और बोतलों के पुनः उपयोग और उचित निपटान को बढ़ावा मिलेगा।

नई व्यवस्था में शुल्क से जुड़ी वित्तीय प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए पांच क्षेत्रीय क्षेत्रों में अलग-अलग बैंक खाते बनाए गए हैं। साथ ही दुकानदारों को निर्धारित शुल्क के अलावा मनमानी वसूली नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं।

साइफर्ट का 'तूफान' नहीं झेल पाई टीम इंडिया पांचवां टी-20 गंवाया... मगर सीरीज जीती

हैमिल्टन, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने रविवार को भारत के खिलाफ पांचवां टी20 मैच सात विकेट से अपने नाम किया। भारत ने हैमिल्टन में 192 का टारगेट दिया, जिसे न्यूजीलैंड ने 18 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर चेज किया। न्यूजीलैंड ने भले ही हैमिल्टन में जीत दर्ज की लेकिन भारत ने पांच मैचों की टी20 सीरीज पर 3-2 से कब्जा जमाया। टीम इंडिया पांचवें टी20 में टिम साइफर्ट का 'तूफान' नहीं झेल पाई। उन्होंने 50 गेंदों में 93 रनों की आतिशी पारी खेली, जिसमें 11 चौके और पांच सिक्स हैं। ग्लेन फिलिप्स ने 38 गेंदों में नाबाद 65 रनों की पारी खेली। उनके बल्ले से आठ चौके और तीन छक्के निकले। बेवोन जैक्बस एक रन बनाकर नाबाद रहे।

साइफर्ट ने दो दमदार साझेदारियां की

लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने खराब आगाज किया। पेसर अर्शदीप सिंह ने दूसरे ओवर में फिन एलन (2) को पवेलियन भेजा। डेरिल मिचेल और टिम सीफर्ट ने दूसरे विकेट के लिए 73 रनों की पार्टनरशिप की। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने नौवें ओवर में मिचेल को आउट कर भारत को राहत दिलाई। मिचेल ने 16 गेंदों में 29 रन बटोरे, जिसमें चार सिक्स हैं। सीफर्ट ने तीसरे विकेट के लिए ग्लेन फिलिप्स के संग 86 रनों की साझेदारी की। लग रहा था कि सीफर्ट आसानी से पहला टी20 शतक कंप्लीट कर लेंगे लेकिन नीतीश कुमार रेड्डी ने 16लें ओवर में उन्हें बोल्ड कर दिया। इसके बाद, फिलिप्स ने न्यूजीलैंड को जीत की दहलीज पार कराई।

ईशान और अय्यर ने ठोकी फिफ्टी

इससे पहले, भारत ने टॉस गंवाने के बाद निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 191 रन जुटाए। न्यूजीलैंड के लिए एडम मिल्ने ने चार, नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर ने दो-दो विकेट लिए। भारत की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (2 गेंदों में 1) और संजू सैमसन (10 गेंदों में 4) फ्लॉप रहे। एडम मिल्ने ने दूसरे ओवर में अभिषेक और चौथे ओवर में सैमसन को आउट किया। इसके बाद, ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने गदर काटते हुए अर्धशतक जमाया। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 93 रनों की पार्टनरशिप की। ईशान ने 32 गेंदों में 61 रन जुटाए, जिसमें पांच चौके और पांच छक्के हैं। उन्हें ब्लेयर टिकनर ने 11वें और नाथन स्मिथ ने अय्यर को 12वें ओवर में आउट किया। अय्यर ने 23 गेंदों में तीन चौकों और चार छक्कों की बदौलत 50 रन बटोरे।

भारत ने 133 रन तक गंवाए पांच विकेट

भारत की आधी टीम 133 रनों तक पवेलियन लौट गई। उपकप्तान तिलक वर्मा (8 गेंदों में 6) का बल्ला नहीं चला। उन्हें स्मिथ ने 14वें ओवर में कॉट एंड बोल्ड किया। टिकनर ने 19वें ओवर में नमन धीर (23 गेंदों में 33, चार चौके, एक छक्का) को अपने जाल में फंसाया। उन्होंने और नीतीश कुमार रेड्डी ने छठे विकेट के लिए 46 रन जोड़े। नीतीश ने 17 गेंदों में 22 रन बटोरे। जिसमें दो चौके और एक सिक्स है। मिल्ने ने वह 20वें ओवर नीतीश के अलावा भुवनेश्वर (6) को अपने जाल में फंसाया। भारत ने सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना रखी है और अब मेहमान टीम जीत के साथ इस सीरीज का अंत करने की फिराक में है।

ईशान-श्रेयस की तूफानी पारियां, फिर लड़खड़ाई भारतीय बल्लेबाजी



पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन एक-एक रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने पारी को संभाला। दोनों ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तीसरे विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी की। ईशान किशन ने 32 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के की मदद से 61 रन बनाए। वहीं, श्रेयस अय्यर ने सिर्फ 23 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के लगाते हुए 50 रन की पारी खेली। श्रेयस ने अपना अर्धशतक पूरा किया और ईशान के साथ मिलकर भारतीय टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

एक समय भारत का स्कोर दो विकेट पर 112 रन था और टीम के 200 के पार पहुंचने की उम्मीद थी। लेकिन ईशान के आउट होने के बाद भारतीय बल्लेबाजी बिखर गई। भारत ने 112 से 133 रन के बीच तीन और विकेट गंवा दिए। नमन धीर ने 23 गेंदों में चार चौके और एक छक्के की मदद से 33 रन बनाए। नीतीश रेड्डी ने 17 गेंदों में 22 रन का योगदान दिया। वहीं, तिलक वर्मा छह और भुवनेश्वर कुमार भी छह रन बनाकर आउट हुए। इस तरह भारतीय टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 191 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड की ओर से एडम मिल्ने सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने चार विकेट झटके। नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर को दो-दो विकेट मिले।

भारत ने एक कैलेंडर वर्ष में न्यूजीलैंड के खिलाफ लगाए सबसे ज्यादा छक्के

इस सीरीज में भारतीय बल्लेबाजों ने छक्कों की जमकर बरसात की। भारत ने साल 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कुल 142 छक्के लगाए। यह किसी टीम की ओर से एक कैलेंडर वर्ष में किसी एक विपक्षी टीम के खिलाफ लगाए गए सर्वाधिक छक्के हैं। इस रिकॉर्ड सूची में भारत शीर्ष पर पहुंच गया है। वहीं, न्यूजीलैंड ने भी इसी साल भारत के खिलाफ 117 छक्के लगाए हैं। खास बात यह है कि साल 2026 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए 11 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में कुल 259 छक्के लगे। यानी हर मुकाबले में औसतन 23.5 छक्के लगाए गए। यह आंकड़ा दोनों टीमों की आक्रामक बल्लेबाजी का अंदाजा देता है।

हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस

तीन हार के बाद जीती टीम इंडिया, बांग्लादेश को हराया, शशांक ने बनाए तूफानी 50 रन



मोंग कोक, एजेंसी। हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस में लगातार तीन हार झेलने के बाद भारतीय टीम को आखिरकार पहली जीत मिल गई है। मिशन रोड ग्राउंड में रविवार को खेले गए मुकाबले में टीम इंडिया ने बांग्लादेश को आखिरी गेंद पर पांच विकेट से हराया। भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की टीम ने छह ओवर में पांच विकेट पर 116 रन बनाए थे। 117 रन का लक्ष्य भारतीय टीम ने पारी की आखिरी गेंद पर हासिल किया।

क्रुणाल ने 25 रन देकर तीन विकेट लिए

बांग्लादेश की ओर से कप्तान अबू हिदर रोनी ने मात्र 18 गेंदों पर आठ छक्कों और तीन चौकों की मदद से नाबाद 62 रन की पारी खेली। इसके अलावा हबीबुर रहमान सोहन ने छह गेंद पर 18, सब्बीर रहमान ने चार गेंद पर 13 और चौधरी मोहम्मद रिजवान ने पांच गेंदों पर 12 रन बनाए। भारत की तरफ से कप्तान क्रुणाल पांड्या सफल गेंदबाज रहे। क्रुणाल ने दो ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट लिए। राहुल त्रिपाठी को एक विकेट मिला।

117 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को आखिरी गेंद जीत मिली। शशांक सिंह ने 15 गेंदों पर सात छक्कों और एक चौके की मदद से 50 रन की पारी खेली। वह रिटायर्ड हर्ट हुए। राहुल त्रिपाठी ने 12 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से 32, नीतीश राणा ने चार गेंदों पर नाबाद 10 और राहुल तेवतिया ने पांच गेंदों पर नाबाद 16 रन बनाए। भारत ने पांच विकेट से यह मुकाबला जीता। क्रुणाल पांड्या प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

ग्रुप सी में मौजूद भारतीय टीम को अपने पहले मैच में पाकिस्तान से चार विकेट से, दूसरे मैच में यूएई से छह विकेट से और तीसरे मैच में इंग्लैंड से तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। टूर्नामेंट में 12 टीमों ने हिस्सा लिया था। बांग्लादेश पर जीत के बाद भारतीय टीम 11वें स्थान पर रही।

भारत VS न्यूजीलैंड



कोहली के खिलाफ खेलना शानदार होगा: जैकब डफी

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी ने भारतीय दिग्गज विराट कोहली की जमकर तारीफ की है। 4 नवंबर से शुरू होने वाली न्यूजीलैंड और भारत के बीच आगामी वनडे सीरीज में डफी अपने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथी खिलाड़ी कोहली का सामना करने के लिए तैयार हैं। डफी ने आईपीएल 2026 के दौरान कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया था और नेट्स में उन्हें गेंदबाजी भी की है। न्यूजीलैंड के इस तेज गेंदबाज ने इस बात पर हैरानी जताई कि भारत में एक सुपरस्टार होने और लगभग 'ईश्वर जैसी हैसियत' रखने के बावजूद कोहली कितने जमीन से जुड़े इंसान हैं।

रविवार को मीडिया से बातचीत के दौरान डफी ने कहा, 'कल मेरी उनसे (कोहली) मुलाकात हुई। वह जिम में थे, वहां उनसे मिलना काफी अच्छा रहा, और उनका व्यवहार मेरे प्रति बहुत शानदार था। भारत में उन्हें लगभग एक 'ईश्वर' का दर्जा प्राप्त है - वह वहां एक मेगास्टार हैं - फिर भी उनका इतना जमीन से जुड़ा होना और आरसीबी में हम जैसे विदेशी खिलाड़ियों का स्वागत करना, वाकई बहुत अच्छी बात है। इसके लिए मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। अब जब मैंने उनके साथ ड्रेसिंग रूम भी साझा किया है, तो उनके खिलाफ खेलना वाकई शानदार होगा।'

उन्होंने बताया कि जब वह आरसीबी में कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा कर रहे थे, तब उन्होंने भारतीय मैदानों पर अपनाई जाने वाली रणनीतियों के बारे में कोहली से काफी चर्चा की थी। डफी ने कहा, 'उनका काम के प्रति नजरिया बहुत शानदार है। नेट्स में मैंने उन्हें काफी गेंदबाजी की, क्योंकि वह हमेशा पहले बल्लेबाज होते थे और मैं हमेशा पहला गेंदबाज। हमने नेट्स में एक-दूसरे के सामने काफी समय बिताया है, जो कि बहुत अच्छी बात है। इसके साथ ही, उन्होंने मुझे काफी करीब से देखा है, इसलिए उनकी तैयारी भी अच्छी होगी।'

पाकिस्तान ने जीती त्रिकोणीय सीरीज... श्रीलंका के खिलाफ फाइनल मैच में चेज किए 326 रन



लाहौर। पाकिस्तान ने लाहौर में खेले गए त्रिकोणीय वनडे सीरीज के फाइनल में श्रीलंका को तीन विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। पाकिस्तान ने 326 रन के मुश्किल लक्ष्य को 48.3 ओवर में सात विकेट खोकर हासिल किया। इसके साथ ही टीम ने वनडे फाइनल में सबसे बड़े लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। इससे पहले भारत ने 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ नेटवेस्ट ट्रॉफी के फाइनल में 326 रन का लक्ष्य हासिल किया था। टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंकाई टीम ने आठ विकेट पर 325 रन बनाए। उसके लिए कामिंदु मेंडिस ने शानदार शतकीय पारी खेली। उन्होंने 128 गेंदों में 131 रन बनाए, जिसमें 12 चौके और दो छक्के शामिल थे।

हार्दिक पांड्या का बड़ा दिल... बेसबॉल चैलेंज में जीते लाखों रुपये, जरूरतमंदों को दे दिए दान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या इन दिनों क्रिकेट के मैदान से दूर हैं, लेकिन लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस बार हार्दिक अपने क्रिकेट बैट नहीं, बल्कि बेसबॉल बैट से कमाल दिखाने को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने मशहूर कंटेंट क्रिएटर मिस्टर बीस्ट के साथ बेसबॉल चैलेंज में हिस्सा लिया और करीब 94.9 लाख रुपये की इनामी राशि अपने नाम की। खास बात यह है कि हार्दिक ने जीती हुई पूरी रकम चैरिटी के लिए दान कर दी। दरअसल, मिस्टर बीस्ट ने अपने एक वीडियो के लिए अलग-अलग क्षेत्रों की मशहूर हस्तियों को शामिल किया था। इसमें क्रिकेट जगत से हार्दिक पांड्या को मौका दिया गया। इस चैलेंज में प्रतिभागियों को बेसबॉल बैट से गेंद को मैदान के बाहर पहुंचाना था। मुकाबले में ज्यादा होम रन लगाने वाले खिलाड़ी को विजेता बनना था।



सिंधू और लक्ष्य सेन फाइनल में पहुंचे

लगातार दूसरे सप्ताह खिताब जीतने का मौका



नई दिल्ली। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने हायलो ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया। जर्मनी के सारब्रूकेन में शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने सीधे गेम में जीत दर्ज की। इसके साथ ही भारत के पास महिला और पुरुष एकल दोनों वर्गों में खिताब जीतने का मौका है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने हमवतन अनमोल खरब को 21-13, 21-16 से हराया। वहीं, लक्ष्य सेन ने फ्रांस के विश्व नंबर-13 टोमा जूनियर पोपोव को 21-17, 21-13 से शिकस्त दी।

दूसरे सप्ताह फाइनल में पहुंचीं सिंधू

पिछले सप्ताह फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहीं सिंधू ने अपनी शानदार लय जारी रखी। उन्होंने महिला एकल के सेमीफाइनल में 19 वर्षीय अनमोल खरब को कोई मौका नहीं दिया। पहले गेम में अनमोल ने शुरुआती बढ़त जरूर बनाई, लेकिन सिंधू ने अपने अनुभव और आक्रामक खेल के दम पर वापसी की। उन्होंने पहला गेम 21-13 से जीता।दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच शुरुआत में कड़ी टक्कर देखने को मिली। एक समय अनमोल 15-13 से आगे थीं, लेकिन सिंधू ने लगातार अंक हासिल करते हुए स्कोर 15-15 कर दिया। इसके बाद उन्होंने अपनी बढ़त बनाई और 21-16 से गेम जीतकर फाइनल में जगह पक्की कर ली। जीत के बाद सिंधू ने कहा, 'मैं काफी लंबे समय बाद उनके खिलाफ खेल रही थी। यह देखकर अच्छा लगा कि सेमीफाइनल में दो भारतीय खिलाड़ी पहुंची थीं। हालांकि, मेरे लिए प्रतिद्वंद्वी कौन है या उसकी रैंकिंग क्या है, इससे फर्क नहीं पड़ता। मैं सिर्फ अपना खेल खेल रही थी और अपना शत-प्रतिशत दे रही थी। मुझे खुशी है कि मैंने फाइनल में जगह बनाई।' फाइनल में सिंधू का सामना डेनमार्क की आठवीं वरीयता प्राप्त लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ट से होगा।

लक्ष्य सेन ने पोपोव को दी शिकस्त

पुरुष एकल के सेमीफाइनल में लक्ष्य सेन ने फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को 21-17, 21-13 से हराया। इस साल ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के बाद से लक्ष्य खराब दौर से गुजर रहे थे। चोट और फिटनेस संबंधी परेशानियों के कारण भी उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ था। हालांकि, जर्मनी में उन्होंने शानदार वापसी की। पहले गेम में पोपोव ने लक्ष्य को चुनौती दी, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपनी रक्षात्मक क्षमता और सटीक स्मैश के दम पर 21-17 से गेम जीत लिया। दूसरे गेम में लक्ष्य ने शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा। उन्होंने ब्रेक तक चार अंकों की बढ़त बना ली और बाद में इसे सात अंकों तक पहुंचा दिया। अंत में शानदार स्मैश के साथ उन्होंने मुकाबला अपने नाम कर लिया।

लड़ने का जज्बा नहीं दिखा... हार बर्दाश्त नहीं कर पाए वॉर्नर

केपटाउन / नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 2-1 से मिली हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम आलोचनाओं के घेरे में है। टीम के निराशाजनक प्रदर्शन से नाराज पूर्व दिग्गज बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने खिलाड़ियों पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने केपटाउन टेस्ट में मिली हार को शर्मनाक बताते हुए कहा कि टीम में संघर्ष करने का जज्बा नजर नहीं आया। वॉर्नर ने इस प्रदर्शन को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के मूल्यों के भी खिलाफ बताया।

केपटाउन के न्यूलैंड्स मैदान पर खेले गए सीरीज के तीसरे और आखिरी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 288 रनों का लक्ष्य मिला था। हालांकि, पांचवें दिन लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। पहले ही ओवर में दो विकेट गंवाने के बाद टीम दबाव से उबर नहीं सकी। महज 18 ओवर में ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 42 रन पर छह विकेट हो गया। इसके बाद पूरी टीम 111 रनों पर सिमट गई। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।वॉर्नर ने 'फॉक्स स्पोर्ट्स' से बातचीत में टीम के प्रदर्शन पर निराशा जताते हुए कहा, 'मैं बहुत निराश हूं। यह बहुत बुरा है। यह ऑस्ट्रेलियाई मूल्यों के खिलाफ है। टीम में लड़ने का कोई जज्बा ही नहीं दिखा। यह शर्मनाक है। 288 रन का लक्ष्य था। आप टेस्ट मैच जीत सकते थे और सीरीज भी अपने नाम कर सकते थे। सब कुछ दांव पर लगा था। क्या वह इसी तरह खेलते हैं?' उन्होंने आगे कहा कि पूरी सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने गेंदबाजों को निराश किया। पहले टेस्ट में मैट रेनशॉ को



छोड़कर बाकी बल्लेबाज उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके। वॉर्नर ने कहा कि बल्लेबाजों को कगिसो रबाडा जैसे तेज गेंदबाज की चुनौती का अंदाजा होना चाहिए था, लेकिन वे उसका सामना करने में नाकाम रहे।

तीनों टेस्ट में देखने को मिली शानदार वापसी

इस टेस्ट सीरीज की खास बात यह रही कि तीनों मुकाबलों में मुश्किल परिस्थितियों में पिछड़ने वाली टीम ने शानदार वापसी की। डरबन में खेले गए पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने एक समय 124 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, इसके बाद टीम ने वापसी करते हुए पहली पारी में 390 रन बनाए। इस प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने मुकाबला 214 रनों से जीत लिया।दूसरे टेस्ट में गेबेरहा में दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली पारी में 110 रन पर छह विकेट गंवाकर मुश्किल में थी। इसके बावजूद मेजबान टीम ने 425 रन पर नौ विकेट के स्कोर पर पारी घोषित कर दी और ऑस्ट्रेलिया को एक पारी और 31 रनों से शिकस्त दी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष
चू चे चो ला ली
लू ले लो आ

अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-2-5-7

वृष
इ उ ए ओ वा
वी वू वे वो

महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन
का की कू घ ङ
छ के को हा

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-1-4-6

कर्क
ही हू हे हो डा
डी डू डे डो

सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-2-4-6

सिंह
मा मी मू मे मो
टा टी टू टे

अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या
टो पा पी पू ष
ण ठ पे पो

कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-5-7-8

तुला
रा री रु रे रो
ता ती तू ते

पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक
तो ना नी नू ने
नो य यी यू

दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु
ये यो भा भी भू
धा फा ढा भे

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-5-6

मकर
भे जा जी खी खू
खे खो गा गी

मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-4-7-9

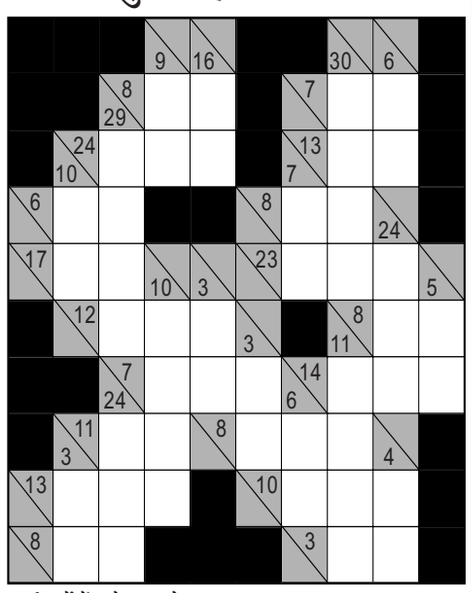
कुंभ
गू गे गो सा
सी सू से सो दा

स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-5-9

मीन
दी दू थ झ ञ दे
दो चा ची

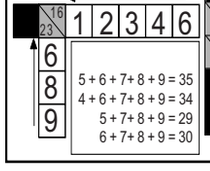
सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली - 4057



खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 4056 का हल

16 23								
17 9	8	11		10 30		23	8	
18 7	6	5	9	2	7	7	6	1
	10	9	1	17 24	8	9	15 7	8	7
		9 7	2	7	19	6	4	9	
	13 4	1	3	9	3	8	1	11	4
5	1	4	9 9	8	1	6 4	2	1	3
6	3	2	1	5 4	2	3	6 4	5	1
		3	2	1	6	1	3	2	
		9	6	3		4	1	3	

लॉफिंग ज़ोन

शादी के सीजन में जगह-जगह शादी में आने-जाने के कारण रमन के पास कपड़ों की कमी-सी हो जाती? है, फिर भी वो कुछ मैनेज करके अपने खास दोस्त की शादी में जाता है, वहाँ पर दोस्त के अंकल उससे पूछते है- बेटे! ये शर्ट तो बहुत अच्छी है!

रमन- जी, मेरी नहीं है।

अंकल- पैंट भी बहुत अच्छी है।

रमन- ये भी मेरी नहीं है।

अंकल- तो फिर किसकी है?

रमन- लाँड्री वाले की..!

□ □ □

रमन सर्कस देखकर आने के बाद अपने दोस्त से मिलने गया तो उससे कहा- यार! सर्कस में एक मोटी औरत एक दुबले जोकर को खूब मारती रहती है और वह सिर्फ हँसता ही रहता है।

परेश बोला- यार तू बता इसमें नया क्या है? यह तो मेरे घर में रोज ही होता है।

□ □ □

एडवोकेट (गवाह से)- अच्छा तो अब सही-सही बता दो फटाफट, नरेश की मौत आखिर हुई कैसे?

गवाह घबरा कर बोला- बड़ा ही भुलक्कड़ था हुजूर! हो सकता है घटना के समय वह साँस लेना भूल गया हो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 4057

1		2		3		■	4		5
	■		■		■	6		■	
7	8		■	9	10	■	11	12	
■		■	13			■			■
14		15		■		■	16		17
	■	18		19	■	20		■	
21	22		■		■		■	23	
■		■	24	■	25	■	26	■	
27						■		■	■
	■	■		■	28				

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बहका दिया' गीत वाली फिल्म-४,२
४. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-३
६. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
९. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-२
११. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-३
१३. राजेंद्रकुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-४
१४. 'रामजी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
१६. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२०. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२३. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-२,२,२
२८. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-३
२. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-४
४. संजयदत्त, अतुल, रवीना, करिश्मा की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-३
८. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-३
१०. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
१२. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
१३. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-३
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१५. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-३
१६. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-२
१७. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
१९. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
२०. 'मेरा सेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-२
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२४. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-३
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-३
२७. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4056

क	ल	यु	ग	■	जा	न	ए	म	न
भी	■	वा	■	दि	ल	■	ला	■	या
अ	क्स	■	शि	वा	■	खा	न	दा	न
ल	■	ठि	का	ना	■	मो	■	■	शा
वि	■	■	र	■	आ	शी	वीं	द	■
दा	मि	नी	■	भा	ई	■	■	ह	स्ती
ना	■	ल	क्ष्य	■	ना	ला	य	क	■
क	स	म	■	स	■	ट	■	■	मं
ह	■	■	दी	ड़	■	सा	थ	सा	थ
ना	स्ति	क	■	क	री	ब	■	■	न

सूडोकु -4057

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4056 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्द पहेली - 4057

■	1	2	3	4	■	5	6	7		■
8	■	9			■	10			■	11
12	13	■	14		■	15		■	16	
17		18	■	19	20		■	21		
22			23	■		■	24			
■	■	■	25					■	■	■
26	27	28		■		■	29	30	31	32
33			■	34		35	■	36		
37		■	38		■	39	40	■	41	
	■	42			■	43		44		
■	45				■	46				■

बाएँ से दाएँ
1.लूटमार,डाका-4
5.रपटना -4
9.डोली उठानेवाले-3
10.पुत्र,लड़का-3
12.अधिकार-2
14.नवीन,नया-2
15.एक विदेशी शराब-2
16.कला,हुनर-2
17.मां का प्यार-3
19.दम,बल,जोर-3
21.पपीहा,पपीहरा-3
22.करामात,कारनामा-4
24.शमशीर,कृपाण-4
25.तरंगित,लहरीय-5
26.बोरिया-बिस्तर-4
29.साले की पत्नी-4
33.प्रयास,यत्न-3
34.सहायता,सहयोग-3
36.लीन,तल्लीन-3
37.गहन वन,बुनाई कर्म-2
38.टुकड़ा,कण-2
39.मैं का बहुवचन-2
41.भीगा हुआ-2
42.अंधकार,अंधेरा-3
43.द्रव मापने की इकाई-3
45.प्राचीर,स्तंभ-4
46.बादला,जरबाफ-4

ऊपर से नीचे
2.अधिकार-2
3.जगत,दुनिया-3
4. सुनसान शांति,-4
5.आदत-4
6.साजन, बालम-3
7.क्रमबद्धता-2
8.मूर्ख,बेवकूफ-4
11.बुनाई करने वाला-4
13.कटि,मध्यांग-3
16.धार्मिक आज्ञा-3
18.पितामह-2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण -5
21.चलने का ढ़ंग-2
23.पिया,साजन-3
24.दया,रहम-3
26.बेमिसाल, अनूठा-4
27.स्वदेश,मातृभूमि-3
28.जनता,आम लोग -2
30.मैं का बहुवचन-2
31.अभिरुचि,तल्लीनता-3
32.जनता की राय-4
34.उपाधि,पदवी-4
35.देहरी, चौखट-4
38.कक्ष,रूम-3
40.बटाणा,काबुली-3
42.स्तर,परत-2
44.ईश्वर,खुदा,भगवान-2

शब्द पहेली -4056 का हल

■	म	ल	म	ल	■	■	र	ह	न	■
चा	य	■	हा	■	जा	सू	स	■	शा	म
दु	■	■	रा	श	न	■	म	■	■	न
का	र	गु	जा	री	■	का	■	दु	का	न
र	■	ना	■	फ	न	का	र	■	फि	■
■	चा	ह	■	■	■	■	■	भ	ला	■
■	ह	■	अ	च	क	न	■	वं	■	अ
क	त	रा	■	मं	■	क	म	र	बं	द
म	■	■	ब	■	ला	ल	च	■	■	र
र	न	■	ल	की	र	■	ल	■	आ	क
■	म	ज	मा	■	■	अ	ना	या	स	■

कॉर्न बिरयानी



सामग्री

- कॉर्न: डेढ़ कप
- बासमती चावल: 3 कप
- बड़े प्याज: लंबाई में कटे 2
- 3 बारीक कटे टमाटर
- अदरक-लहसुन का पेस्ट: 2 टीस्पून
- 6 बारीक कटी हरी मिर्च
- तेल: 4 टेबलस्पून
- घी: 4 टेबलस्पून
- दही: 200 ग्राम
- पानी: 750 मिली ग्राम
- नमक: स्वादानुसार
- मिर्च पाउडर: 2 टीस्पून
- हल्दी पाउडर: 1/4 टीस्पून
- बारीक कटा हरा धनिया: 1/4 कप
- मिंट की पत्तियां : 1/4 कप
- दालचीनी: 2 टुकड़े
- 5 लौंग
- 3 इलायची

विधि

आधे घंटे के लिए चावल को पानी में भिगोकर रख दें। पानी निकालने के बाद चावल को अलग रख दें। भारी तले वाले बर्तन में तेल और घी को एक साथ गरम करें। उसमें दालचीनी, इलायची और लौंग को फ्राई करें। उसमें प्याज को भूरा होने तक भूनें। उसके बाद उसमें टमाटर और अदरक-लहसुन का पेस्ट मिलाएं। अब उसमें हरी मिर्च, धनिया और मिंट की पत्तियां डालें। मक्के के दानों के साथ उसमें हल्दी, मिर्च, दही और नमक मिलाकर गाढ़ी ग्रेवी तैयार कर लें। इस ग्रेवी में पानी और चावल मिलाकर प्रेशर कुकर में पका लें। धनिया की पत्तियों से गार्निश कर सर्व करें।

मकई का चीला



सामग्री

- स्वीट कॉर्न: 1 कप
- 1 प्याज
- रिफाइन्ड ऑयल: 1 चम्मच
- नमक: स्वाद के अनुसार
- 1 कटी हुई मिर्च
- बेसन: 2 चम्मच
- अदरक: आधा चम्मच

विधि

इस स्वादिष्ट ब्रेकफास्ट को बनाने के लिए सबसे पहले ग्राइंडर में स्वीट कॉर्न को पीसकर पेस्ट बना लें। आपको एक गाढ़ा मिक्चर बनाना है। इसके बाद इस मिक्चर को एक बर्तन में निकाल लें। उस बर्तन में मकई, बेसन, कटी हुई मिर्च, कटा हुआ प्याज, नमक और घिसी हुई अदरक मिला लें। इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी मिलाते हुए सबको अच्छे से मिला लें। एक पैन को गैस पर रखकर गर्म करें और उसमें 3-4 बूंद तेल डालें। इस पर बैटर को डालकर गोल शेप (डोसा की तरह) बना लें। इसे दोनों तरफ अच्छे से सेकें। आप इसे चटनी के साथ ट्राई कर सकते हैं। इसके साथ ही आप इसे चेरी या पुदीने से सजा सकते हैं।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

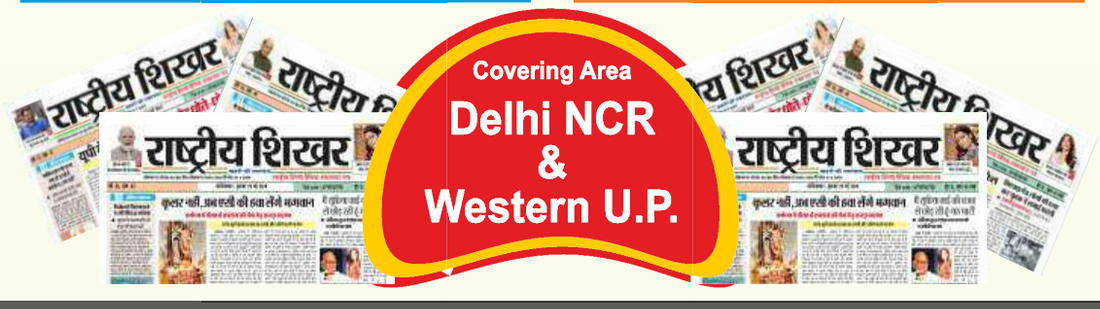
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/-
Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words
Maximum 60 Words



Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

बेमतलब की फिल्में नहीं करनी, तो ऐक्टिंग छोड़ दी



'फुकरे' फिल्म की एक्ट्रेस विशाखा सिंह ने हाल ही में अपनी वेब सीरीज 'रियल कश्मीर फुटबॉल क्लब' को लेकर बात की है। उन्होंने कहा, 'माइनस 6 डिग्री में श्रीनगर में लड़के कांप रहे थे, पर पूरा स्टेडियम भरा हुआ था। लोग रियल कश्मीर के लिए गाने गा रहे हैं।'

पर्दे पर कश्मीर के अक्सर दो ही पहलू देखने को मिलते हैं। एक धरती के जन्नत की खूबसूरती तो दूसरा आतंकवाद, मगर वेब सीरीज 'रियल कश्मीर फुटबॉल क्लब' इससे इतर वादी के युवाओं की अपनी नई पहचान और सम्मान तलाशने की एक प्रेरक दास्तान है। यही वजह है कि कश्मीर के पहले प्रफेशनल 'फुटबॉल क्लब' बनने की असल कहानी पर आधारित इस सीरीज को अंतरराष्ट्रीय एमी अवॉर्ड्स 2027 में बेस्ट ड्रामा कैटेगरी में नामित किया गया है। हालांकि, 'फुकरे' फेम चर्चित अदाकारा और इस शो की निर्माता विशाखा सिंह के लिए इसे बनाना आसान नहीं था। हर कदम पर चुनौतियां थीं, लेकिन वह कहती हैं कि उन्हें कश्मीर का उम्मीद भरा नया चेहरा दिखाती यह कहानी हर हाल में दर्शकों तक पहुंचानी' थी। फिर, जब ठान लिया तो कारवां बनता गया।

कश्मीर का ये चेहरा नया था

बकौल विशाखा, 'ये कहानी मेरे दोस्त और शो के राइटर उमंग व्यास और सिमाब हाशमी ने 2019 में सुनाई थी कि कश्मीर का सिर्फ 3 साल पहले बना ये फुटबॉल क्लब बड़े-बड़े क्लब को हरा रहा है। मुझे लगा कि ये कहानी तो सुनानी चाहिए। तब फरवरी के माइनस 6 डिग्री में ये लोग वहां रिसर्च के लिए गए। वहां से मैच का विडियो भेजा, जहां माइनस 6 डिग्री में श्रीनगर में लड़के कांप रहे थे, पर पूरा स्टेडियम भरा हुआ था। लोग रियल कश्मीर के लिए गाने गा रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'यह माहौल मेरे लिए इतना नया था कि लोग पेड़ पर चढ़कर मैच देख रहे हैं, क्योंकि कश्मीर सुनकर हमारे दिमाग में वही तनाव, जंग आता है। मेरे मन में ये था कि इसके राइट्स तो चाहिए और हमने क्लब के फाउंडर, जिसमें पत्रकार शमीर मेराज और व्यवसायी स्वर्गीय संदीप चट्टू से राइट्स लिए। फिर, मेरे दोस्त किलियन केरविन, जिन्होंने देल्ही क्राइम बनाई है, वे जुड़े। डायरेक्टर महेश मथाई जुड़े तो मुझे लगा कि हम सही राह पर हैं।'

बॉलिवुड में आशुतोष गोवारिकर की खेले हम जी जान से और फरहान अख्तर की फुकरे समेत साउथ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री रहीं विशाखा सिंह इन दिनों पर्दे पर कम नजर आ रही हैं। इसकी वजह पूछने पर वह कहती हैं, 'मैंने करीब दस साल पहले ऐक्टिंग करना बंद कर दिया। असल में, 2012 से 2014 के दौर में मैंने नॉर्थ और साउथ मिलाकर 13-14 फिल्में कीं। मुझे तब समझ आया कि हां, मैं ऐक्टिंग कर सकती हूं, लेकिन उसके बाद मुझे जो स्क्रिप्ट मिल रही थीं, उससे मैं खुश नहीं थी और मैं बुरी फिल्मों के लिए याद की जाना नहीं चाहूंगी। मैं बेमतलब की, बिना सिर पैर की फिल्में नहीं कर सकती तो 2015 में मैंने खुद ऐक्टिंग करना बंद कर दिया।'

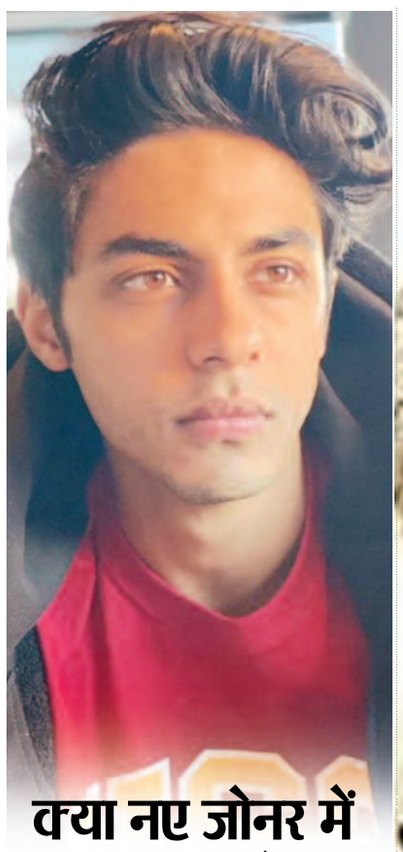
क्यों की 'फुकरे 2'

'फुकरे 2 इसलिए की, क्योंकि उसमें ज्यादा वक्त नहीं देना पड़ा। वरना मैं भूल चुकी हूं कि मैं ऐक्टर भी थी। सच कहूं तो ऐक्टिंग छोड़ने के बाद मैंने बहुत कुछ एक्सप्लोर किया। फिल्म बना ली, सीरीज बना ली, स्टार्ट अप शुरू किया तो मेरे लिए और बड़ी दुनिया खुल गई मेरे लिए।' बतौर निर्माता, पेडलर्स, हरामखोर, अटकन चटकन और रियल कश्मीर फुटबॉल क्लब जैसा मीनिंगफुल कॉन्टेंट ही बनाने वाली विशाखा का कहना है, 'हर कलाकार, हर इंसान का एक झुकाव होता है कि उसे कैसा काम करना है। मेरा बचपन से रुझान रहा है कि अच्छा करो। खासकर जब आपके पास वो अच्छा करने की पावर हो। मुझे नहीं लगता कि मैं बिना मीनिंग के कोई फिल्म बना सकती हूं। ऐसा नहीं है कि मैं हमेशा सोशल मुद्दे वाली फिल्म ही बनाऊंगी, मगर वो ऐसी हो जो मैं, मेरा परिवार, मेरे माता-पिता सब देख सके, वो हमेशा रहेगा।'

फिल्म 'ओम' में साई पल्लवी के किरदार का खुलासा



निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म 'ओम' सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म में तमिल स्टार धनुष और मलयालम सुपरस्टार ममूटी लीड रोल में नजर आएंगे। इसी बीच मेकर्स ने फैंस का इंतजार खत्म करते हुए अभिनेत्री साई पल्लवी के किरदार का खुलासा कर दिया है। हालांकि एक्ट्रेस का फर्स्ट लुक सोमवार शाम को रिलीज किया जाएगा। मेकर्स ने पहले ही बता दिया है कि वह फिल्म में एक पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आएंगी। बॉलीवुड स्टार नसीरुद्दीन शाह भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म के टाइटल के साथ 'चैप्टर 1' की टैगलाइन है, जिससे संकेत मिलता है कि इसका सीक्वल भी आ सकता है। कुछ समय पहले मेकर्स द्वारा रिलीज किए गए टाइटल टीजर से पता चला था कि कहानी लाल चंदन काटकर जीवन यापन करने वालों के इर्द-गिर्द घूमती है। धनुष खुद फिल्म में एक लकड़हारे की भूमिका में हैं। टीजर में दिखाया गया था कि पुलिसकर्मी अवैध रूप से लाल चंदन काट रहे लकड़हारों को पकड़ रहे हैं। जैसे ही वे बंदूक की नोक पर मजदूरों को बंधक बनाते हैं, धनुष उन्हें बचाने के लिए आता हुआ दिखाई देता है। फिल्म इस साल 20 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। बता दें कि मेकर्स ने पहले फिल्म को 16 अक्टूबर को रिलीज करने का प्लान बनाया था। हालांकि, एक्टर धनुष ने एक बयान में फिल्म की रिलीज टालने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि उन्होंने सुपरस्टार रजनीकांत के सम्मान में फिल्म की रिलीज को टालने का फैसला किया है, रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' 15 अक्टूबर को रिलीज हुई है।धनुष ने यह भी साफ किया है कि उनकी फिल्म दिवाली पर भी रिलीज नहीं होगी क्योंकि उसी डेट पर सूर्या की फिल्म पहले से अनाउंस हो चुकी है। इसके बाद एक्टर और प्रोड्यूसर ने फिल्म की नई रिलीज डेट 20 नवंबर घोषित की। फिल्म को लेकर फैंस और सिनेमा लवर्स में जबरदस्त उत्साह है क्योंकि यह पहली बार है जब धनुष और ममूटी किसी प्रोजेक्ट में साथ काम कर रहे हैं।



क्या नए जोनर में कदम रखने जा रहे हैं आर्यन खान

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान का शो 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' काफी चर्चा में रहा। अब आर्यन अपनी अगली सीरीज के लिए उभरते लेखकों की एक टीम तैयार कर रहे हैं। कैमरे के पीछे अपना सफर शुरू करने के बाद, अब वह कहानी कहने की नई प्रतिभाओं की तलाश कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि आर्यन खान सिर्फ निर्देशन और इसके क्रिएटिव विजन पर ध्यान देने के बजाय, अपकमिंग प्रोजेक्ट की लेखन प्रक्रिया में भी शामिल होना चाहते हैं।

आर्यन ने बनाई लेखकों की टीम

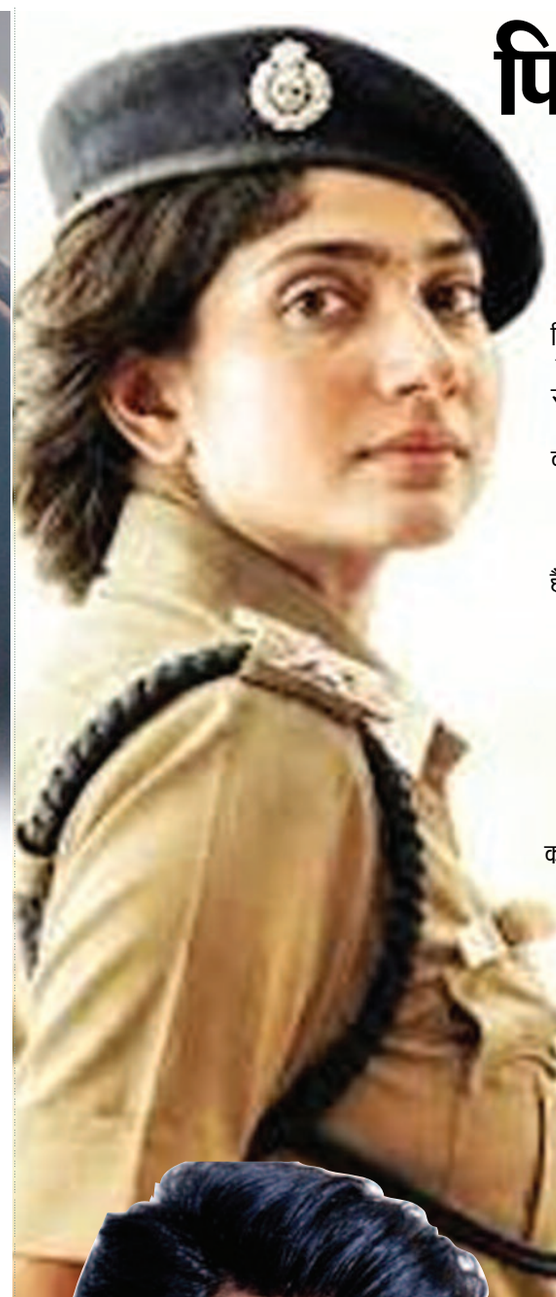
वैरायटी के मुताबिक आर्यन खान नए लेखकों को तलाश कर रहे हैं। इस पहल का मकसद ऐसे लेखकों को एक साथ लाना है, जिनके विचारों को भविष्य के स्ट्रीमिंग प्रोजेक्ट्स में बदला जा सके। कहा जा रहा है कि वह ऐसी कहानियों में दिलचस्पी रखते हैं जो आज के दौर का नजरिया पेश करें और युवा दर्शकों से जुड़ सकें।

प्रोजेक्ट पर हो रहा काम

यह कदम उनके पहले बड़े प्रोजेक्ट के बाद उठाया गया है, जिसमें उन्होंने शो-रनर, लेखक और निर्देशक के तौर पर काम किया था। हालांकि नई सीरीज के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, मगर नए लेखकों की तलाश से पता चलता है कि अभी इस प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। कास्ट, कहानी या प्रोडक्शन शेड्यूल के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

आर्यन खान का सफर

निर्देशन में कदम रखने से पहले आर्यन खान ने 2019 में 'द लायन किंग' के हिंदी वर्जन में सिम्बा को अपनी आवाज दी थी। इसी वर्जन में शाहरुख खान ने मुफासा के लिए अपनी आवाज दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहरुख खान को कुछ डायलॉग्स फिर से रिकॉर्ड करने पड़े थे, क्योंकि विशेषज्ञों ने गौर किया कि उनकी आवाज उनके बेटे की आवाज से बहुत ज्यादा मिलती-जुलती लग रही थी। 2024 में 'मुफासा: द लायन किंग' में आर्यन खान ने सिम्बा के रूप में वापसी की। शाहरुख खान ने एक बार फिर मुफासा को अपनी आवाज दी, जबकि अबराम खान भी हिंदी वॉयस कास्ट का हिस्सा बने। 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से उन्होंने निर्देशन की दुनिया में कदम रखा।



'बॉर्डर 2' के बाद अहान शेट्टी को मिली रोमांटिक-एक्शन फिल्म

सुनील शेट्टी के बेटे और अभिनेता अहान शेट्टी फिल्म 'बॉर्डर 2' की सफलता के बाद एक बार फिर एक्शन के मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं। अभिनेता अपनी अगली फिल्म 'सनकी' की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन 'रुस्तम' फेम मशहूर निर्देशक टीनू सुरेश देसाई कर रहे हैं। ज्ञानेंद्र वासुदेव की तरफ से लिखी गई 'सनकी' मूल रूप से एक प्रेम कहानी है। इसमें दमदार और जबरदस्त एक्शन भी देखने को मिलेगा। फिल्म की शूटिंग 30 अक्तूबर से भोपाल में शुरू होगी।

सोच समझकर चुनी फिल्म

'बॉर्डर 2' में अपने अभिनय और फिल्म को मिली शानदार सफलता के बाद अहान ने अपने अगले प्रोजेक्ट्स का चयन काफी सोच-समझकर किया है। अब वह 'सनकी' में एक नया किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। इसके बाद वह विक्रम भट्ट की फिल्म '1920 कोल्ड विंटर' में नजर आएंगे। इसके अलावा उनकी कुछ अन्य फिल्मों की शूटिंग भी 2027 में शुरू होने वाली है। निर्देशक टीनू सुरेश देसाई अपनी विशाल टीम के साथ पहले ही भोपाल पहुंच चुके हैं। वह 30 अक्तूबर से शुरू होने वाली शूटिंग से पहले तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। फिलहाल फिल्म की कहानी और इसके विषय को गोपनीय रखा गया है।



तीन हफ्ते बाद काम पर लौटेंगे टाइगर श्रॉफ

अगली फिल्म की शूटिंग अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर जब से हमला हुआ है, तब से वह चर्चा में हैं। अब उनके काम से जुड़ी एक अपडेट आई है। उम्मीद जताई जा रही है कि अभिनेता अगले महीने, दिवाली के बाद अपकमिंग फिल्म 'लग जा गले' के सेट पर लौट सकते हैं। मुंबई के जुहू में हुई गोलीबारी की घटना के बाद, उनकी टीम ने कड़ी सुरक्षा का इंतजाम किया है।

क्या हैं सुरक्षा के इंतजाम

टाइगर श्रॉफ की सुरक्षा टीम और प्रोडक्शन टीम ने मिलकर एक योजना बनाई है, ताकि उनका शूटिंग शेड्यूल गुप्त रहे। उनके आने-जाने की जानकारी केवल कुछ चुनिंदा लोगों के साथ ही साझा की जाएगी। इसके अलावा, सेट पर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रोडक्शन टीम ज्यादा सावधानी बरत रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 18 अक्तूबर की घटना के बाद से टाइगर ने शूटिंग शुरू नहीं की है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि वह करण जौहर की फिल्म 'लग जा गले' के सेट पर लौट आए हैं, हालांकि ऐसा नहीं है। फिलहाल, अभिनेता अपने परिवार के साथ घर पर हैं और उम्मीद है कि त्योहारों के बाद अगले महीने वह फिल्म की शूटिंग फिर से शुरू करेंगे। उनके पास कुछ और काम भी हैं, जो अपनी तय समय सीमा के हिसाब से आगे बढ़ रहे हैं।

आलिया-दीपिका को लेकर बोलीं राधिका





राधिका आप्टे इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'अक्का' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने बॉलीवुड में महिलाओं की स्थिति के बारे में बात की है। अभिनेत्री का कहना है कि हिंदी सिनेमा में महिला कलाकारों को अक्सर ऐसी फिल्मों में काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिनमें पुरुष मुख्य भूमिका में होते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि महिला-प्रधान फिल्मों के लिए एक अच्छी थिएट्रिकल रिलीज पाना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने आगे कहा कि कोई महिला-प्रधान फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तभी अच्छी शुरुआत कर सकती है, जब उसमें आलिया भट्ट या दीपिका पादुकोण जैसी बड़ी स्टार्स मुख्य भूमिका में हों।

राधिका किस आधार पर चुनती हैं फिल्में?

राधिका आप्टे की हालिया फिल्में 'लस्ट स्टोरीज 3', 'साली मोहब्बत', 'मिसेज अंडरकवर' और 'मोनिका-ओ माय डार्लिंग' सीधे ओटीटी पर रिलीज हुई थीं। हालांकि राधिका का कहना है कि उन्होंने फिल्मों का चुनाव इस आधार पर नहीं किया कि वह सिनेमाघरों में रिलीज होंगी या ओटीटी पर। बातचीत में उन्होंने कहा, 'मैं इस आधार पर कोई प्रोजेक्ट नहीं चुनती कि वह सिनेमाघरों में रिलीज होगा या ओटीटी पर। मुझे इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता। मैं बस यही चाहती हूं कि फिल्म किसी न किसी तरह दर्शकों तक पहुंच जाए।'



संक्षिप्त समाचार

होर्मुज में 27 भारतीयों वाले जहाज पर हमला :इंजन रूम में आग लगी

होर्मुज, एजेंसी। होर्मुज में शुक्रवार को 27 भारतीय क्रू सदस्यों वाले तेल टैंकर एमटी लुईस 1 पर हमला हुआ। पनामा के झंडे वाले इस टैंकर पर दो लिम्पेट माइंस लगाई गई थीं। धमाके की वजह से इंजन रूम में आग लग गई और जहाज कुछ समय के लिए बंद हो गया। लेकिन क्रू ने आग बुझा दी। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बताया कि सभी नाविक सुरक्षित हैं और किसी को चोट नहीं लगी है। रॉयटर्स के मुताबिक, फरवरी में अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद होर्मुज में पहली बार लिम्पेट माइंस से हमला हुआ है। ब्रिटिश समुद्री एजेंसी यूकेएमटीओ के मुताबिक, जहाज पर हमला ओमान के खासाब शहर से करीब 46 किलोमीटर दूर हुआ। इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक, 28 फरवरी को संघर्ष शुरू होने के बाद से 27 अक्टूबर तक होर्मुज और उसके आसपास 120 समुद्री घटनाएं हुई। इनमें व्यापारिक जहाजों पर हमले भी शामिल हैं। अमेरिका और इजराइल 3 नवंबर को होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद ईरान पर फिर हमला कर सकते हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, दोनों देश तेज सैन्य कार्रवाई की तैयारी कर रहे हैं। इसमें ईरान के तेल-गैस ठिकानों, परमाणु केंद्रों और मिसाइलों-ड्रोन के ठिकानों को निशाना बनाया जा सकता है।

सऊदी अरब में मिसाइल-ड्रोन हमलों के बीच अमेरिकी मिशन ने जारी की एक और एडवाइजरी

वाशिंगटन/रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब में अहम ठिकानों पर हो रहे हमलों के मद्देनजर रियाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने अपने मिशनों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। दूतावास ने सभी गैर-आपातकालीन अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों और कर्मचारियों के परिवारों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। 30 अक्टूबर को अमेरिकी मिशन की ओर से जारी सुरक्षा चेतावनी में कहा गया है कि ईरान समर्थित हूती विद्रोही सऊदी अरब के खिलाफ हमलों और शत्रुतापूर्ण गतिविधियों में शामिल रहे हैं। इन हमलों में नागरिक हवाई अड्डों और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया है। इनके कारण आम नागरिकों की मौत और यात्रा व्यवस्था में गंभीर व्यवधान की घटनाएं हुई हैं। अमेरिकी मिशन ने आशंका जताई है कि मौजूदा शत्रुता तेजी से बढ़ सकती है और इसका प्रभाव संबंधित क्षेत्र से आगे भी फैल सकता है। एडवाइजरी के मुताबिक, सऊदी अरब में तैनात अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों को हाल में हवाई अड्डों पर हुए मिसाइल और मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) के हमलों के बाद देश के किसी भी हवाई अड्डे का इस्तेमाल करने के लिए मिशन प्रमुख से विशेष अनुमति लेनी होगी। यूएस ने अपने नागरिकों को आगाह किया है कि सऊदी अरब के हवाई अड्डों पर हमले, हवाई क्षेत्र बंद होने, उड़ानें रद्द होने और यात्रा में व्यवधान की आशंका बनी हुई है। अमेरिकी मिशन ने नागरिकों को सलाह दी है कि यदि वे सऊदी अरब के हवाई अड्डों का इस्तेमाल करने का फैसला करते हैं तो अत्यधिक सावधानी बरतें। साथ ही यात्रा से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जानकारी सीधे संबंधित एयरलाइन और हवाई अड्डे से प्राप्त करें। 10 अक्टूबर और फिर 25 अक्टूबर को रियाद स्थित किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट समेत विभिन्न ऊर्जा ठिकानों पर हमले किए गए थे। इसके बाद से कई बार अमेरिका अपने नागरिकों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी करता रहा है।

भारत-नेपाल सीमा पर सीसीटीवी ड्रोन और स्कैनर से होगी निगरानी, अवैध आवाजाही पर लगेगी रोक

काठमांडू, एजेंसी। भारत और नेपाल ने अपनी खुली सीमा की सुरक्षा मजबूत करने और निगरानी व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से लैस करने पर सहमति जताई है। दोनों देशों ने सीमा पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, प्रमुख प्रवेश बिंदुओं पर सामान की जांच के लिए स्कैनर और मेटल डिटेक्टर लगाने तथा निगरानी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ाने पर चर्चा की। शुक्रवार को दोनों देशों के सशस्त्र बलों की 10वीं समन्वय बैठक के समापन पर ये फैसले किए गए।प्रमुख प्रवेश बिंदुओं पर सामान की जांच के लिए स्कैनर और मेटल डिटेक्टर भी लगाए जाएंगे। निगरानी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ाने पर भी सहमति बनी है। नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के महानिरीक्षक नारायण दत्त पौडेल ने इसमें हिस्सा लिया। भारत के सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के महानिदेशक संजय सिंघल ने भी बैठक में भाग लिया। यह बैठक बुधवार को काठमांडू स्थित एपीएफ मुख्यालय में शुरू हुई थी।

यूएन महासचिव की दौड़ में रेबेका ग्रिन्सपैन सबसे आगे, यूएई की लाना नुसीबेह नहीं बना सकीं बढ़त

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) की प्रमुख रेबेका ग्रिन्सपैन संयुक्त राष्ट्र के अगले महासचिव बनने की दौड़ में अपनी बढ़त बनाए हुए हैं। शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों के बीच हुए सातवें अनौपचारिक मतदान में उन्हें पिछले दौर के मुकाबले दो अधिक सकारात्मक वोट मिले। वहीं, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की विदेश मामलों की राज्य मंत्री लाना नुसीबेह अपनी पहली ही परीक्षा में कोई खास बढ़त हासिल नहीं कर सकीं। कोस्टा रिका की ग्रिन्सपैन को इस मतदान में 11 वोट मिले, जबकि उनके खिलाफ वोटों की संख्या घटकर चार रह गई। पिछले मतदान में उनके पक्ष में नौ और विरोध में पांच वोट मिले थे। इस तरह उन्होंने अपनी स्थिति में कुछ सुधार किया है और अब भी इस दौड़ में सबसे आगे हैं। सात दौर के मतदान में से छह में वह शीर्ष पर रही हैं। हालांकि, इस बार के मतदान में यह स्पष्ट नहीं हो सका कि ग्रिन्सपैन के खिलाफ पड़े चार वोटों में से कोई स्थायी सदस्य देश का था या नहीं। इसकी वजह यह है कि छठे दौर के विपरीत इस बार मतपत्रों को अलग-अलग रंगों से चिह्नित नहीं किया गया था। पिछले दौर में ग्रिन्सपैन के खिलाफ पांच नवोट मिले थे, जिनमें दो सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों के थे। स्थायी सदस्य का विरोध किसी भी उम्मीदवार की राह में



बड़ी बाधा बन सकता है।

इस बीच, यूएई की ओर से पिछले सप्ताह उम्मीदवार घोषित की गई लाना नुसीबेह को पहली बार हुए मतदान में सात वोट मिले थे, जबकि उनके खिलाफ छह मत पड़े और दो तटस्थ वोट डाले गए थे। वह कुल उम्मीदवारों में चौथे स्थान पर रहीं। उनसे आगे अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख और अर्जेंटीना के राफेल ग्रॉसी दूसरे स्थान पर तथा गुयाना की पूर्व विदेश मंत्री कैरोलिन रोड्रिग्स-बिर्केट तीसरे स्थान पर रहीं।

ग्रॉसी के पक्ष में नौ, विरोध में चार और दो तटस्थ वोट मिले, जबकि रोड्रिग्स-बिर्केट को आठ सकारात्मक (पक्ष), छह नकारात्मक (विरुद्ध) और एक तटस्थ वोट मिला। मतदान की इस प्रक्रिया में सुरक्षा परिषद के सदस्य तीन तरह से अपनी राय देते हैं। वे 'प्रोत्साहित' (एन्करेज), 'हतोत्साहित' (डिस्करेज) और 'कोई राय नहीं' (नो ओपिनियन) के विकल्प चुनते हैं। इन्हें क्रमशः सकारात्मक, नकारात्मक और तटस्थ मत माना जाता है। अक्टूबर महीने के लिए सुरक्षा परिषद की अध्यक्ष रहीं ग्रीस की स्थायी प्रतिनिधि अग्लाया बाल्टा ने मतदान प्रक्रिया की निगरानी की। उन्होंने औपचारिक रूप से परिणाम घोषित नहीं किए। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र से जुड़ी खबरें प्रकाशित करने वाले मीडिया संस्थानों पासब्लू और 1फॉर8बिलियन ने इन परिणामों का खुलासा किया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का दूसरा पांच वर्षीय कार्यकाल इस साल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। ऐसे में नए महासचिव के चयन के लिए समय तेजी से निकल रहा है। बाल्टा ने भरोसा जताया कि सुरक्षा परिषद समय रहते महासभा को अपनी सिफारिश भेज देगी, ताकि नए महासचिव को पदभार संभालने की तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके। उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद की योजना महासभा में नियुक्ति की प्रक्रिया समय पर पूरी कराने के लिए अपनी सिफारिश उचित समय पर भेजने की है। अगले महीने लातविया सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभालेगा और महासचिव के चयन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी उसके पास होगी। नए महासचिव के चयन में सुरक्षा परिषद की भूमिका निर्णायक है। किसी उम्मीदवार को कम से कम नौ सदस्यों का समर्थन हासिल करना होगा और पांच स्थायी सदस्यों में से किसी का भी विरोध नहीं होना चाहिए। स्थायी सदस्यों में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और चीन शामिल हैं। सुरक्षा परिषद की सिफारिश के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा 193 सदस्य देशों की भागीदारी से महासचिव की नियुक्ति करती है। आमतौर पर महासभा सुरक्षा परिषद की सिफारिश को मंजूरी दे देती है। फिलहाल परिषद के सदस्य बंद कमरे में बातचीत कर रहे हैं, ताकि उम्मीदवारों के बीच मतभेद कम किए जा सकें और किसी एक नाम पर सहमति बनाई जा सके। ग्रिन्सपैन के नकारात्मक वोटों में कमी और ग्रॉसी के समर्थन में बढ़ोतरी को इस बातचीत में कुछ प्रगति के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

शुक्रवार के मतदान के बाद ग्रिन्सपैन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि दुनिया ऐसे निर्णायक दौर से गुजर रही है, जिसमें एकजुट और आधुनिक संयुक्त राष्ट्र की जरूरत है। उन्होंने सभी पक्षों की बात सुनने, जरूरी सुधारों को आगे बढ़ाने तथा शांति और सुरक्षा के साझा लक्ष्य को पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस बार महासचिव पद के चुनाव को लेकर एक महिला उम्मीदवार के चयन की मांग भी जोर पकड़ रही है। संयुक्त राष्ट्र के 80 साल से अधिक के इतिहास में अब तक नौ पुरुष इस पद पर रह चुके हैं, लेकिन किसी महिला को यह जिम्मेदारी नहीं मिली है।

इजराइल के आम चुनाव की जांच खुफिया एजेंसी मोसाद करेगी

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद इस हफ्ते हुए चुनाव में विदेशी दखल के आरोपों की जांच करेगी। न्यूज चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक, इस जांच में आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट भी शामिल होगी। आरोप है कि कतर और कुछ दूसरे देशों ने मंगलवार को हुए चुनाव में अरब वोटर्स को पैसे देकर ज्यादा से ज्यादा वोट डलवाने की कोशिश की। इस चुनाव में अरब पार्टियों को कुल 19 सीटें मिली हैं। यह इतिहास में उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पार्टी के नेताओं ने भी अरब पार्टियों पर चुनाव में गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। इजराइल के केंद्रीय चुनाव आयोग ने साफ किया है कि जांच का दायरा सीमित है। आयोग के मुताबिक, इस मामले से चुनाव के नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ा है और न ही नतीजों पर सवाल उठता है।

यिस्राइल बेतेनु के चीफ बोले- अरब पार्टियों के साथ सरकार में शामिल नहीं होंगे : इजराइल की यिस्राइल बेतेनु पार्टी के चीफ एविगडोर लिबरमैन ने साफ कहा है कि उनकी पार्टी ऐसी किसी सरकार में शामिल नहीं होगी, जिसमें उनके मुताबिक आतंकवाद का समर्थन करने वाले लोग हों। लिबरमैन ने शुक्रवार को फेसबुक पर पोस्ट कर कई अरब और वामपंथी नेताओं की आलोचना की। उन्होंने कहा कि आतंकियों का समर्थन करने वालों को इसकी कीमत चुकानी चाहिए।

नेतन्याहू के बेटे बोले- ईरान के बाद इजराइल के लिए अरब नागरिक खतरा : इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बेटे यायर नेतन्याहू ने इजराइल के अरब नागरिकों को देश के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया है। उन्होंने कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम के बाद इजराइली अरब नागरिक देश के लिए सबसे बड़ी चुनौती हैं। द यरूशलम पोस्ट के मुताबिक, यायर ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर चुनाव नतीजों को लेकर यह बयान दिया। उन्होंने दावा किया कि वेस्ट बैंक और गाजा के फिलिस्तीनियों, तुर्किये और पश्चिमी देशों में बढ़ते यहूदी-विरोध से भी बड़ा खतरा इजराइल के अरब नागरिकों से है। यायर ने लिखा कि इजराइल लंबे समय तक ऐसे हालात में नहीं टिक सकता, जहां उसकी 20% आबादी उसके दुश्मनों का समर्थन करती हो और देश का विनाश चाहती हो।

इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सहयोगी दल यूनाइटेड टोरा जूडिज्म ने विपक्षी नेता गादी आइजनकोट को प्रधानमंत्री बनाने का प्रस्ताव दिया है। पार्टी को चुनाव में 7 सीटें मिली हैं। चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक, पार्टी ने समर्थन के बदले हरेदी समुदाय के लोगों को अनिवार्य सैन्य सेवा से छूट देने की मांग की है। इजराइल में आमतौर पर नागरिकों के लिए सेना में सेवा देना अनिवार्य है। हालांकि, हरेदी समुदाय के धार्मिक छात्रों को अब तक इससे बड़े स्तर पर छूट मिलती रही है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने काजा कैलास से यूक्रेन और खाड़ी संघर्ष पर चर्चा की

अटलांटा, एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अटलांटा में जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान, विदेश मामलों और सुरक्षा नीति के लिए ईयू की उच्च प्रतिनिधि काजा कैलास से मुलाकात की और वैश्विक संघर्षों पर चर्चा की। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'ईयू एचआरवीपी काजा कैलास के साथ यूक्रेन संघर्ष और खाड़ी की स्थिति पर चर्चा की।' विदेश मंत्री ने आखिरी बार यूरोपीय संघ के नेता के साथ 25 अक्टूबर को राजनयिक पदों पर समन्वय के लिए फोन पर बात की थी, जिसमें खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष सहित वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की गई थी।

इस बीच, काजा कैलास ने जी20 बैठक के पहले पूर्ण सत्र में अपनी टिप्पणी के दौरान रूस-यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व संघर्ष के कारण उत्पन्न संकट पर भी प्रकाश डाला। कैलास ने एक्स पोस्ट में कहा, 'यूक्रेन पर रूस का हमला और मध्य पूर्व संकट ऊर्जा और खाद्य आपूर्ति, व्यापार और नेविगेशन की स्वतंत्रता के लिए बड़ा खतरा है। समुद्री मार्ग वैश्विक जीवन रेखाएं हैं।' उन्होंने कहा, 'अटलांटा में जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक में, मैंने काला सागर में नेविगेशन स्वतंत्रता की व्यवस्था का आह्वान किया और अंतरराष्ट्रीय शिपिंग मार्गों पर टोल और शुल्क के लिए यूरोपीय संघ के विरोध की पुष्टि की।' ईयू एचआरवीपी ने कहा, 'ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण हैं। ' इससे पहले, सत्र में अपनी टिप्पणी के दौरान, विदेश मंत्री जयशंकर ने वैश्विक चुनौतियों के समय कूटनीति के महत्व पर भारत के रुख को भी दोहराया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सैन्य समाधान वैश्विक चुनौतियों का समाधान नहीं करेंगे और कूटनीति को एक मौका दिया जाना चाहिए, साथ ही उन्होंने फिक्र जाहिर करते हुए कहा कि ग्लोबल साउथ शिपिंग पर हमलों के लिए असंगत कीमत चुका रहा है।

साख बचानी है तो छोड़े दोहरा रवैया': भारत की यूएनएचआरसी को खरी खरी

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव भाविका मंगलानंदन ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में मानवाधिकार परिषद की रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान भारत का पक्ष रखा। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि उसकी साख तभी बनी रह सकती है, जब वह सभी देशों के साथ एक जैसा व्यवहार करे। किसी देश को शामिल किए बिना उसके खिलाफ विशेष आदेश जारी करने से जमीनी स्तर पर कोई खास बदलाव नहीं आता। इससे परिषद के भीतर मतभेद जरूर बढ़ते हैं। मानवाधिकारों की रक्षा के नाम पर किसी देश को निशाना बनाना या दोहरे मापदंड अपनाना सही तरीका नहीं है।

बातचीत और सहयोग से आगे बढ़ेंगे मानवाधिकार : भाविका मंगलानंदन ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के फरवरी में दिए गए बयान का भी जिक्र किया। जयशंकर ने मानवाधिकार परिषद के 61वें उच्चस्तरीय सत्र में कहा



था कि मानवाधिकारों को आगे बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका आपसी बातचीत, क्षमता बढ़ाने में मदद और सच्ची साझेदारी है। इसके बजाय राजनीतिक फायदे के लिए मानवाधिकारों का इस्तेमाल करना और चुनिंदा देशों पर सवाल उठाना ठीक नहीं है। भारत का मानना है कि अगर परिषद को एकजुट होकर काम करना है, तो उसे उन आरोपों से बचना होगा, जिनमें कहा जाता है कि मानवाधिकारों का इस्तेमाल राजनीतिक हथियार के रूप में किया जा रहा है।

सभी देशों के लिए एक जैसा नियम हो : भारत ने यूनिवर्सल पीरियोडिक रिव्यू को मानवाधिकारों पर चर्चा का बेहतर मंच बताया। इस व्यवस्था में संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों के मानवाधिकार रिकॉर्ड की समीक्षा होती है। इसकी खासियत यह है कि इसमें हर देश को बराबर माना जाता है और बातचीत के जरिए सुधार पर जोर दिया जाता है। भारत इस साल 2026-28 के कार्यकाल के लिए सातवीं बार मानवाधिकार परिषद का सदस्य बना है। आतंकवाद को बताया मानवाधिकारों के लिए बड़ा खतरा भारत ने आतंकवाद को मानवाधिकारों के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक बताया। खासतौर पर जीवन के अधिकार पर इसके खतरे को रेखांकित करते हुए परिषद से अपील की गई कि वह आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाए और इस मुद्दे पर लगातार ध्यान दे। विकास के अधिकार को भी मिले बराबर महत्व भारत ने कहा कि मानवाधिकारों को अलग-अलग नजरिए से देखने के बजाय सभी अधिकारों को समान महत्व दिया जाना चाहिए। नागरिक और राजनीतिक अधिकारों की तरह आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों के साथ विकास के अधिकार को भी प्राथमिकता मिलनी चाहिए। भारत ने बताया कि विकासशील देशों में गरीबी, बढ़ता कर्ज और आर्थिक संसाधनों व नई तकनीक तक सीमित पहुंच लोगों के अधिकारों के रास्ते में बड़ी रुकावट हैं। इन समस्याओं का समाधान दबाव बनाकर नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग से ही निकाला जा सकता है। भारत ने यह भी कहा कि मानवाधिकार परिषद को अपने उपलब्ध संसाधनों के हिसाब से ही काम करना चाहिए। परिषद में सुधार की प्रक्रिया सदस्य देशों की अगुवाई में और पूरी पारदर्शिता के साथ होनी चाहिए। इस दौरान विकास और आर्थिक, सामाजिक व सांस्कृतिक अधिकारों से जुड़े काम प्रभावित नहीं होने चाहिए। भारत ने मानवाधिकारों से जुड़े कामों के लिए संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट से पर्याप्त धन देने की मांग भी की।

हूती विद्रोहियों ने यमन के राष्ट्रपति भवन पर मिसाइलें दागीं

सना, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को अदन में राष्ट्रपति भवन पर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि, यह साफ नहीं है कि मिसाइलें अपने निशाने पर लगीं या नहीं। न्यूज एजेंसी ,स्रक्क के मुताबिक, राष्ट्रपति भवन की ओर एंबुलेंस जाते हुए देखी गईं। यमन सरकार के सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि हूती विद्रोहियों ने अदन एयरपोर्ट पर भी बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। हालांकि, उन्होंने हमले में किसी के मारे जाने या घायल होने की जानकारी नहीं दी। राष्ट्रपति भवन पर 15 दिन में यह दूसरा हमला है। इससे पहले 15 अक्टूबर को हुए हमले में 4 लोगों की मौत हुई थी। इसके अलावा, हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के मदीना इलाके की ओर भी ड्रोन भेजा था। सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने इसे हवा में ही मार गिराया।



अदन यमनी सरकार का हेडक्वार्टर : अदन यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का प्रमुख केंद्र है। हूती विद्रोहियों ने 2014 में राजधानी सना पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद सरकार को सना छोड़ना पड़ा था। जुलाई से अदन में हमले फिर बढ़े हैं। इससे पहले 28 अक्टूबर को भी हूती विद्रोहियों ने अदन एयरपोर्ट को निशाना बनाया था। हमले से पहले हूतियों ने लोगों को इलाका खाली करने की चेतावनी दी थी। यह एयरपोर्ट दक्षिणी यमन में राहत सामग्री और मानवीय मदद पहुंचाने का अहम रास्ता है।

सऊदी का मक्का और मदीना में ड्रोन रोकने का दावा : सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने शुक्रवार को मदीना के ऊपर एक ड्रोन मार गिराने का दावा किया। इससे पहले गठबंधन मक्का में भी एक ड्रोन को नष्ट करने का दावा कर चुका है। मक्का में ग्रैंड मस्जिद और काबा हैं, जबकि मदीना में पैगंबर मोहम्मद की मस्जिद है। दोनों शहर मुसलमानों के सबसे पवित्र धार्मिक स्थलों में शामिल हैं। सऊदी अरब ने अक्टूबर में हूती विद्रोहियों पर मदीना के बिजली वितरण केंद्र पर हमला करने का आरोप लगाया था। यह केंद्र पैगंबर मोहम्मद की मस्जिद को बिजली की आपूर्ति करता है। हालांकि, हूतियों ने इस आरोप को खारिज कर दिया था। हूती मक्का और मदीना को निशाना बनाने से इनकार करते हैं। उनका कहना है कि वे सऊदी अरब के सैन्य और तेल से जुड़े ठिकानों पर हमले करते हैं। सऊदी अरब यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का समर्थन करता है।

यूक्रेन को बड़ी राहत: 500 पैट्रियट मिसाइलें देगा अमेरिका, जेलेंस्की बोले- सर्दियों से पहले मिलें हथियार

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस की बैलिस्टिक मिसाइलों से बचाव के लिए अमेरिका की ओर से 500 पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों की खरीद को मंजूरी दिए जाने का स्वागत किया है। उन्होंने इसे 'मजबूत फैसला' बताया, लेकिन अमेरिका से इन मिसाइलों की आपूर्ति जल्द शुरू करने की अपील की है। जेलेंस्की का कहना है कि यूक्रेन को सर्दियों में ऊर्जा ठिकानों की सुरक्षा के लिए तुरंत इन मिसाइलों की जरूरत है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि 500 पीएसी-3 इंटरसेप्टर मिसाइलों का भंडार काफी बड़ा है। सर्दियों के दौरान यह यूक्रेन की हवाई सुरक्षा को मजबूत कर सकता है। हालांकि, उन्होंने चिंता जताई कि मौजूदा शर्तों के मुताबिक इन मिसाइलों की आपूर्ति कुछ वर्षों बाद ही शुरू हो सकती है।

रूस के हमलों पर क्या बोले जेलेंस्की : उन्होंने कहा, 'हम अपने अमेरिकी साझेदारों से ऐसा समाधान तलाशने की अपील कर रहे हैं, जिससे पीएसी-3 इंटरसेप्टर की आपूर्ति उस समय हो सके, जब वास्तविक खतरा हो और उनकी जरूरत हो।' उन्होंने बताया कि रूसी सेना रोजाना यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे को निशाना बना रही है। जेलेंस्की के मुताबिक, अक्तूबर के पिछले दो हफ्तों में रूस ने यूक्रेन के बिजली ग्रिड के महत्वपूर्ण हिस्सों पर 30 से ज्यादा हमले किए। उन्होंने चेतावनी दी कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने सर्दियों से पहले लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी



व्यवस्थाओं को ठप करने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। इन हमलों का निशाना बिजली, हीटिंग, पानी की आपूर्ति और पुल हैं।

हर महीने मिलें 100 पैट्रियट मिसाइलें : यूक्रेनी राष्ट्रपति : यूक्रेन ने सर्दियों के लिए हर महीने औसतन 100 पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों की मांग की है। जेलेंस्की ने कहा कि 500 मिसाइलें आने वाले महीनों में हवाई क्षेत्र की सुरक्षा के लिए अहम होंगी। इस दौरान यूक्रेन के लिए बातचीत में अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखना भी जरूरी है। तत्काल जरूरत पूरी करने के लिए जेलेंस्की ने अमेरिका, यूरोपीय साझेदारों और अन्य सहयोगी देशों से अपने मौजूदा भंडार से मिसाइलें देने का प्रस्ताव रखा है। उनका सुझाव है कि 2026-27 की सर्दियों में यूक्रेन को इन भंडारों से मिसाइलें दी जाएं और बाद में नए उत्पादन के जरिए सहयोगी देशों के हथियार भंडार की भरपाई की जाए। उन्होंने कहा, 'हम इस मंजूरी के लिए अमेरिकी विदेश विभाग और पूरे अमेरिकी प्रशासन के आभारी हैं। लेकिन हम ऐसे फैसले चाहते हैं, जो लोगों की जान की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें।

कनाडा बनेगा यूरोपीय संघ का पहला 'एसोसिएट सदस्य'

मॉन्ट्रियल/वाशिंगटन, एजेंसी। कनाडा और यूरोपीय संघ (ईयू) ने अपने संबंधों को नया आयाम देते हुए नई दिशा में बड़ा कदम उठाया है। दोनों पक्ष कनाडा को यूरोपीय संघ का पहला 'एसोसिएट सदस्य' बनाने की दिशा में काम करेंगे। यह व्यवस्था पूर्ण सदस्यता से एक कदम पीछे होगी, लेकिन इसके तहत कनाडा को यूरोपीय संघ के साथ व्यापक आर्थिक, व्यापारिक, तकनीकी और रक्षा सहयोग का अवसर मिलेगा। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसका ऐलान करते हुए कहा कि कनाडा और यूरोपीय संघ पूर्ण सदस्यता से इतर सबसे गहरी साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसके तहत कनाडा यूरोपीय संघ का पहला एसोसिएट सदस्य बन सकता है।

कार्नी ने कहा, 'मॉन्ट्रियल में हुई बैठक में दोनों पक्षों ने 20 से अधिक नए उपायों पर सहमति बनाई है। इनका उद्देश्य अटलांटिक के दोनों ओर आर्थिक अवसरों को बढ़ाना, लोगों के लिए चीजों को अधिक किफायती बनाना और अपनी संप्रभुता को मजबूत करना है। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने भी इस समझौते को ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'यूरोपीय संघ-कनाडा शिखर सम्मेलन में दोनों पक्षों ने पूर्ण सदस्यता के अलावा हर



संभव क्षेत्र में नजदीकी सहयोग के लिए सहमति बनाई है।

कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, आने वाले महीनों में दोनों पक्ष इस नई सदस्यता व्यवस्था के स्वरूप, दायरे और विषयों को अंतिम रूप देंगे। 21वां कनाडा-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन 29 और 30 अक्टूबर को मॉन्ट्रियल में आयोजित हुआ। इसमें प्रधानमंत्री कार्नी के साथ यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन शामिल हुईं। सम्मेलन के बाद दोनों पक्षों ने संयुक्त बयान भी जारी किया। इस दौरान व्यापार और तकनीक के क्षेत्र में कई अहम समझौते हुए। कनाडा और यूरोपीय संघ ने डिजिटल व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया और प्रतिस्पर्धा से जुड़े समझौते पर बातचीत पूरी की। इसके अलावा कनाडा यूरोपीय हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग ज्वाइंट अंडरटेकिंग में शामिल हुआ है। इससे कनाडा के शोधकर्ताओं को यूरोप के अत्याधुनिक जुपिटर सुपरकंप्यूटर तक पहुंच मिलेगी। महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है। कनाडा ने एक ऐसी संधि रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत यूरोपीय निवेश बैंक कनाडा की महत्वपूर्ण खनिज परियोजनाओं में निवेश कर सकेगा। दोनों पक्ष यूरोप को कनाडा से तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के निर्यात को बढ़ाने की संभावनाओं पर भी अध्ययन करेंगे। इसके साथ ही एक नई ट्रांसअटलांटिक डेटा केबल बिछाने पर भी विचार किया जाएगा। शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में कनाडा की भागीदारी बढ़ाने की योजना है। कनाडा यूरोपीय संघ के इरास्मस प्लस कार्यक्रम में व्यापक भागीदारी और अगले होराइजन यूरोप अनुसंधान कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बातचीत करेगा। रक्षा सहयोग के मोर्चे पर भी महत्वपूर्ण घोषणा की गई। कनाडा ने यूरोपीय संघ की 'सिक्योरिटी एक्शन फॉर यूरोप' (सेफ) पहल के तहत अपना दूसरा अनुबंध हासिल किया है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)